भोपाल
रविवार, 21 अप्रैल 2024
चैत्र मास शुक्ल पक्ष-13
वर्ष : 11, अंक : 27
पृष्ठ : 14 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 38
न्यूनं. 24

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

ओडिशा की महानदी में पलटी नाव, 7 की मौत

भुवनेश्वर। ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले में महानदी में नाव हादसे में शनिवार तक कुल सात शव बरामद हो चुके हैं। शनिवार को पांच और शव बरामद किए गए। सभी मृतक छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे। करीब 50 लोग बारगढ़ जिले के पथरसेनी कुडा स्थित मंदिर के दर्शन करने के बाद नौका से लौट रहे थे। तभी नाव पलट गई। हादसे के बाद मछुवारों ने 40 लोगों को मछुवारों ने बचा लिया।

तेल अवीव के लिए एयर इंडिया की सारी उड़ानें रद्द

नई दिल्ली। इजरायल और ईरान के बीच युद्ध जैसे हालात को देख कर एयर इंडिया ने तेल अवीव के लिए अपनी सारी उड़ानों को 30 अप्रैल, 2024 तक के लिए रद्द कर दिया है। कंपनी ने बताया है कि वह हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है और उक्त अवधि के दौरान जिन यात्रियों के आरक्षित टिकट हैं उनके संपर्क किया जा रहा है और आवश्यक सूचना उपलब्ध कराई जा रही है।

यूपीः भाजपा प्रत्याशी सर्वेश सिंह का निधन

मुरादाबाद। लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को संपन्न हो गया। यूपी की आठ लोकसभा सीटों पर मतदान हुआ है। मुरादाबाद में भी शुक्रवार को मतदान हुआ। मुरादाबाद लोकसभा सीट से भाजपा ने सर्वेश सिंह (71) को चुनाव मैदान में उतारा था। शनिवार को उनका निधन हो गया। वे इलाज के लिए एम्स पहुंचे, जहां हार्टअटैक आ गया।

मुख्यमंत्री यादव खंडवा-मंदसौर में नामांकन रैली में हुए शामिल जनसभाओं को किया संबोधित

उप्र से भागकर राहुल गांधी केरल पहुंच गए अब पूरी पार्टी को समुद्र में डुबोकर ही मानेंगे

डॉ. यादव ने कहाः देश को खंडित करने का पाप कांग्रेस के माथे पर, अंग्रेज भी वह नहीं कर पाए जो कांग्रेस ने किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को खंडवा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी ज्ञानेश्वर पाटिल और मंदसौर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी सुधीर गुप्ता का नामांकन दाखिल कराया और जनसभाओं को संबोधित किया। डॉ. यादव ने मंदसौर में रोड शो कर जनता का अभिवादन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राहुल गांधी कहते हैं ▶▶ शेष पेज 6 पर

देश में गाय, गंगा और गीता का मान-सम्मान बढ़ा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज देश में गाय, गंगा और गीता का मान-सम्मान बढ़ा है। इन्हीं से हमारी पहचान दुनिया में है। दुनिया भर की उम्मीदें व नजरें भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर है। यह 142 करोड़ देशवासियों का सम्मान है। राहुल गांधी ने कभी गरीब की चिंता नहीं ▶▶ शेष पेज 6 पर

कांग्रेस ने आदिवासियों को वोट बैंक समझा

डॉ. यादव ने कहा कि देश में जो अंग्रेज नहीं कर पाए, वो कांग्रेस ने किया है। आजादी के बाद देश का बंटवारा कांग्रेस के कारण हुआ। कांग्रेस ने कभी भी टंट्या मामा को सम्मान नहीं दिया। आदिवासियों को केवल वोट बैंक समझते रहे। यह हमारी सरकार है हमने टंट्या मामा के नाम पर विश्वविद्यालय खरगोन में खोल दिया है। ▶▶ पढ़ें पेज 05 भी

सीजेआई चंद्रचूड़ ने की मोदी सरकार के तीन नए कानूनों की तारीफ

अब बड़े बदलावों के लिए तैयार है देश नई चुनौतियों के लिए नए तरीके जरूरी

सीजेआई ने कहा कि इन 3 नए कानूनों से भारतीय समाज में एक नए अध्याय की शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि नए कानून भारत के क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में अभूतपूर्व बदलाव लाएंगे और पीड़ित पर भी ध्यान दिया जाएगा।

पर हमें ये सुनिश्चित करना होगा कि इंफ्रास्ट्रक्चर पर्याप्त रूप से विकसित हो और जांच अधिकारियों को ट्रेनिंग मिले

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य जज डीवाई चंद्रचूड़ ने तीन नए कानूनों बनने और लागू होने को लेकर मोदी सरकार की तारीफ की है।

साथ ही यह भी कहा कि देश नए बदलावों के लिए तैयार है। 17 वीं लोकसभा के दौरान तीन अहम कानून संसद द्वार पारित किए गए थे, सीआरपीसी, आईपीसी से लेकर एविडेंस एक्ट खत्म कर तीन नए कानून पेश किए गए थे। ये कानून 1 जुलाई 2024 से लागू हो जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने मोदी सरकार के इन तीन नए कानूनों की तारीफ ▶▶ शेष पेज 6 पर

ये नए कानून 1 जुलाई 2024 से लागू हो जाएंगे

पुराने तरीकों की सबसे बड़ी खामी पीड़ित पर ध्यान न दिया जाना था

सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि पुराने तरीकों की सबसे बड़ी खामी पीड़ित पर ध्यान न दिया जाना था। नए कानून में इस बात का ध्यान रखा गया है कि अभियोजन और जांच कुशलता से हो सके। छापेमारी के दौरान साक्ष्यों की ऑडियो विजुअल रिकॉर्डिंग अभियोजन पक्ष के साथ साथ नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। सीजेआई ने कहा है कि भारत सरकार ने हाल ही में 7,000 करोड़ रुपए का बजट न्यापालिका के लिए आवंटित किया है, जिसका इस्तेमाल अदालतों के अपग्रेडेशन में किया जा रहा है। सीजेआई ने कहा कि नवंबर और 31 मार्च के बीच 850 करोड़ रुपए हार्डवेयर और सॉफ्ट वेयर को अपग्रेड करने में खर्च किए गए हैं। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि वह हमेशा से घरेलू डिजिटल कोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने की हिमायत करते रहे हैं। सीजेआई ने नए कानूनों के तहत जांच को लेकर कहा कि फॉरेंसिक टीम की मौजूदगी ▶▶ शेष पेज 6 पर

आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक ने कही ये बड़ी बात

भारत ने दुनिया को दिखाई राह, जी-20 अध्यक्ष के तौर पर भूमिका की तारीफ

वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों के दौरान कई प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर आम सहमति बनाने में जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत द्वारा निभाई गई भूमिका की बड़ी सराहना की गई है। भारत के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारत ने 9-10 सितंबर तक नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। इस शिखर सम्मेलन ने रूस-यूक्रेन युद्ध पर प्रमुख मतभेदों को दूर करते हुए आम सहमति से 37 पेज के घोषणा पत्र को अपनाया और वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए। आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ ▶▶ शेष पेज 6 पर

आंधी के साथ बौछारों से दिन का पारा गिरेगा

3 दिन तक बादलों का डेरा... रातें और 'तपेंगी'

श्यामला हिल्स में दोपहर ढाई बजे का दृश्य।

प्रदेश में दिन-रात के तापमान में औसतन 15 डिग्री का अंतर धूप से बढ़ेगी उमस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में शनिवार को दिन के तापमान में औसतन एक डिग्री तक गिरावट रही। वहीं, रात का पारा लगभग इतना ही बढ़ गया, जिससे रात में गर्मी महसूस की गई। रविवार को भोपाल सहित नर्मदापुरम, ग्वालियर, दतिया, सतना, उमरिया व मैहर में बादल ▶▶ शेष पेज 6 पर

प्रदेश में औसत दिन का पारा 40 और रात का 25 डिग्री

शनिवार को प्रदेश में सबसे अधिक दिन के पारे में गिरावट शिवपुरी में 2 डिग्री रही। पारा 38.5 डिग्री रहा। इसके अलावा ग्वालियर, पचमढ़ी, बैतूल, नर्मदापुरम, दमोह, मंडला, सागर, मलाजखंड, जबलपुर और सतना में एक से 2 डिग्री के बीच पारा गिरा है। सबसे अधिक दिन का पारा खंडवा में 42.1 डिग्री रहा। वहीं, रात का पारा सबसे अधिक ग्वालियर में 4 डिग्री बढ़कर 28 डिग्री रहा। मलाजखंड, मंडला, जबलपुर में 2 डिग्री तक बढ़ा। औसत पारा 25 डिग्री ▶▶ शेष पेज 6 पर

पीएम से सोमवार को मुलाकात थी तय

मस्क ने टाली भारत यात्रा वजह है पारिवारिक कारण

■ मस्क पीएम से मिलने के इच्छुक थे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने अपनी भारत यात्रा टाल दी है। मस्क इसी वीकेंड भारत की यात्रा करने वाले थे, लेकिन अब उन्होंने पारिवारिक कारणों से यात्रा टाल दी ▶▶ शेष पेज 6 पर

बैतूल रैली में नाथ का अलग अंदाज

गर्व से कहता हूं, मैं हिंदू हूं, जय श्री राम

■ मंदिर आपके और हमारे चंदे से बना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बैतूल

पूर्व सीएम कमलनाथ ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा- वे (भाजपा नेता) भगवान राम के बारे में बात करते हैं और कहते हैं कि उन्होंने (अयोध्या में) राम मंदिर बनाया है। ये राम मंदिर मेरा और आपका है। हम सभी की धार्मिक मान्यताएं हैं। हमें याद ▶▶ शेष पेज 6 पर

यूपीएससी में 758 रैंक हासिल करने वाली सागर जिले की सोफिया सिद्दकी की चुनौती भरे सफर की कहानी

इंजीनियरिंग करते हुए मां को खोया, प्रीलिम्स से पहले पिता नहीं रहे पर मैं नहीं हारी, छह प्रयासों के बाद उनका सपना पूरा करके ही मानी

अम्मी-अब्बू का ख्वाब था कि तुम एक अधिकारी बनो और उस ख्वाब को तुम्हें जरूर पूरा करना है, वह जहां भी होंगे, तुम्हें हमेशा दुआएं दे रहे होंगे।

मधुरिमा राजपाल ▶▶ भोपाल

2015 में मैंने अपनी मां को खो दिया। उस वर्ष मैं बीई (सीएस) सेकंड ईयर में थी और उस वक्त ऐसा लगा कि मानो मेरा सब कुछ छिन गया, जीवन में कुछ भी नहीं बचा लेकिन फिर भी मेरे पिता ने मुझे सपोर्ट किया, पढ़ने के लिए मोटिवेट किया और मैंने अपना बी ई कंप्लीट किया और 2018 से मैंने यूपीएससी प्रिपरेशन शुरु की। लेकिन, मुझे क्या पता था कि मेरे और भी इम्तेहान हैं। 2021 में अचानक हार्ट अटैक आने से मेरे पिता भी चल बसे और उसके ▶▶ शेष पेज 6 पर

अलग खबर

फोटो- एलबम से माता पिता के साथ सोफिया

2021 में सिर्फ 2 नंबरों से प्रिलिम्स रह गया

2021 का यूपीएससी प्रिलिम्स मेरे मेंटल ट्रामा की वजह से नहीं निकला, मात्र दो नंबर से मैं रह गई और वास्तविकता तो यह थी कि अपने माता पिता को यूं अचानक खो देने के बाद मुझमें वो ताकत नहीं रही थी कि मैं इंडिया के टॉप मोस्ट ▶▶ शेष पेज 6 पर

जियो और जीने दो के संदेश के साथ आज धूमधाम से मनाई जाएगी महावीर जयंती, जिनालयों में होंगे धार्मिक अनुष्ठान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अहिंसा के प्रेरणा स्त्रोत, जियो और जीने दो का संदेश देने वाले तीर्थंकर भगवान महावीर जयंती रविवार को मनाई जाएगी। इस मौके पर शहर के जैन मंदिरों में कार्यक्रम होंगे। साथ ही आकर्षक चल समारोह निकाला जाएगा। शहर के जैन मंदिरों में भगवान महावीर का अभिषेक पूजन सहित धार्मिक विधान होंगे।

शहर के मंदिरों को विशेष आकर्षक विद्युत साज-सज्जा के साथ सजाया गया है। भोपाल जैन समाज में भगवान महावीर जन्म कल्याणक को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है। श्रद्धालु घरों में धर्म ध्वज लगाएंगे, रंगोली सजाएंगे। मंदिरों में भगवान महावीर का अभिषेक और विशेष पूजा-अर्चना के साथ धार्मिक अनुष्ठान होंगे। महावीर जयंती की पूर्व संध्या पर शनिवार को जैन मंदिरों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ समाज के वरिष्ठजनों ने भगवान महावीर के जयकारों के साथ शुभारंभ किया। मंदिर में सुबह पूजा-अभिषेक किया गया। रविवार को बड़ी शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसमें पालकी में श्रीजी विराजमान होंगे। भगवान के दो अन्य रथ भी शामिल रहेंगे। इनमें एक गजरथ रहेगा। साकेत नगर महावीर जैन मंदिर की शोभायात्रा में सागर से मंगाए रथ में भगवान विराजमान होंगे। इसी दिन मंदिर परिसर में मेडिकल चैकअप कैंप लगाया जाएगा। साथ ही देहदान व नेत्र दान के संकल्प पत्र भी भरवाए जाएंगे।

यहां से भी निकलेंगी शोभायात्रा

टीटी नगर, पंचशील नगर, शाहपुरा, चंदन नगर व नेहरु नगर से भी शोभा यात्राएं निकलेंगी। पंचशील नगर की शोभा यात्रा में आचार्यश्री विद्यासागर व नए आचार्यश्री समय सागर महाराज के भव्य कटआउट भी शामिल रहेंगे।

तुलसी नगर में ध्वजवंदन के साथ श्री महावीर विधान होगा

भगवान महावीर की जयंती पावन अवसर पर प्रातः जिनालय से शोभायात्रा निकाली जायेगी । भगवान महावीर की प्रतिमा का विशेष श्रृंगार कर मंत्रोच्चार के साथ धार्मिक अनुष्ठान होंगे। श्रद्धालु श्री महावीर की पूजा के साथ धर्म ध्वजा फहराएंगे और ध्वज वंदन करेंगे और जिनालय की 108 परिक्रमा कर संपूर्ण जगत के सुख, शांति की कामना करेंगे।

खबर संक्षेप

हनुमान जयंती पर अन्ना नगर में कठैत फैन्स क्लब का भंडारा

भोपाल। कठैत फैन्स क्लब्स की ओर से अन्ना नगर गोविंदपुरा में प्रत्येक वर्ष हनुमान जयंती समारोह का आयोजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है। क्लब ने निर्णय लिया है कि इस वर्ष भी 23 अप्रैल को कठैत फैन्स क्लब की ओर से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसके लिए विजय सिंह कठैत एवं उनके फैन्स क्लब्स की ओर से शनिवार को हनुमान जयंती का छात्रा चित्र और कार्यक्रम की रूपरेखा जारी किया।

रामकथा के श्रवण से मन शुद्ध होता है और हृदय में ईमान जागता है

भोपाल। भैंसाखेड़ी भोपाल में भव्य कलशयात्रा के साथ श्रीसीताराम महायज्ञ श्रीराम दरबार प्राण प्रतिष्ठा एवं पांच दिवसीय श्रीरामकथा महोत्सव शुरू हुआ। जिसके पहले दिन शनिवार को प्रवचनकार महाराज वैभव भटेले ने कहा कि प्रभु श्रीराम की कथा श्रवण करने से मन निर्मल एवं शुद्ध होता है तथा हृदय में सत्य ईमान जागता है। कथा के पहले दिन ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा पंडाल में पहुंचे।

मध्यप्रदेश की 6 सीटों पर हुई वोटिंग में लगभग 8 प्रतिशत कम हुआ मतदान

छिंदवाड़ा और सीधी में कम मतदान ने चुनाव विश्लेषकों को संशय में डाला

वोटिंग का अभी जो संकेत मिला है उससे कोई ठोस परिणाम नहीं निकाला जा सकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अठारहवीं लोकसभा के गठन के लिए हो रही चुनाव प्रक्रिया के पहले चरण में मध्यप्रदेश की 6 सीटों पर मतदान हुआ। इसमें पिछली बार की तुलना में कम मतदान ने सभी चुनाव विश्लेषकों को चौंका दिया है। इन सीटों पर पिछली बार लगभग 75 प्रतिशत मतदान हुआ था, जबकि इस बार 67 प्रतिशत पर ही अटक गया। यानि इस बार लगभग 8 प्रतिशत मतदान कम हुआ है। सबसे कम 55.19 फीसदी वोटिंग सीधी में हुई, जो 2019 से 14 फीसदी कम है। शहडोल में भी 11 फीसदी कम वोटिंग हुई है। सबसे ज्यादा 79.59 फीसदी वोटिंग छिंदवाड़ा में हुई। पर 2024 में वोटिंग घटने से छिंदवाड़ा और सीधी में चुनाव नतीजे को सस्पेंस बरकरार है।

रमेश शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

छिंदवाड़ा और सीधी पर सबकी नजर थी। इसका कारण यह था कि सीधी में भाजपा के राज्यसभा सदस्य रहे अजय प्रताप पार्टी से विद्रोह करके मैदान में हैं तो वहीं छिंदवाड़ा को भाजपा ने प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाया हुआ है। वहां सर्वाधिक दल बदल भी हुआ। इसके बावजूद इन दोनों सीटों पर मतदान का कम प्रतिशत चौंकाने वाला है। छिंदवाड़ा में 79 फीसदी वोटिंग ने कांग्रेस और भाजपा दोनों के लिए सस्पेंस बढ़ा दिया है। इससे पहले का ट्रेंड बताता है कि छिंदवाड़ा में जब-जब मतदान बढ़ा है, भाजपा के वोट बढ़े हैं। इस बार वोटिंग 2.8 फीसदी कम हुई है। पहली बार ऐसा हुआ है, जब छिंदवाड़ा का चुनाव नेशनल इवेंट की तरह नजर आया। राष्ट्रीय मुद्दों के साथ-साथ स्थानीय मुद्दों पर जिस तरह से राजनीति हुई है, उसने यहां के लोगों का मन बार-बार बदला है। आखिरी तक ये कहना मुश्किल है कि चुनाव किसके लिए फायदेमंद होगा। वहीं मंडला में वोटिंग 2019 के मुकाबले कम हुई है। यहां पांच फीसदी कम वोटिंग है। मंडला में इस बार लोगों में चुनाव के प्रति कम उत्साह दिखा। वहीं सीधी में 2019 के मुकाबले 2024 में हुई 15 फीसदी कम वोटिंग से भाजपा की चिंता बढ़ सकती है। वहीं इससे कांग्रेस में उत्साह दिख रहा है। कम वोटिंग से जीत का मार्जिन यहां कम हो सकता है।

अठारहवीं लोकसभा के गठन के लिए हो रही चुनाव प्रक्रिया के पहले चरण में मध्यप्रदेश की 6 सीटों पर मतदान हुआ। इसमें पिछली बार की तुलना में कम मतदान ने सभी चुनाव विश्लेषकों को चौंका दिया है। इन सीटों पर पिछली बार लगभग 75 प्रतिशत मतदान हुआ था, जबकि इस बार 67 प्रतिशत पर ही अटक गया। यानि इस बार लगभग 8 प्रतिशत मतदान कम हुआ है।

यह मतदाताओं की उदासीनता का संकेत

छिंदवाड़ा, मंडला, बालाघाट, मंडला, सीधी और शहडोल इन 6 लोकसभा क्षेत्रों में इस बार मतदान का जो प्रतिशत आया है, वह काफी चकित करने वाला है। इन क्षेत्रों में 67.08 प्रतिशत मतदान किया गया है। जो पिछले बार से 7.5 प्रतिशत कम है। इस प्रकार आज जबकि देश की राजनीतिक दलों के दोनों चुनावी गठबंधन पूरी ताकत लगा रहे हैं, इसके बावजूद यदि लोग मतदान करने के लिए उत्साहित नहीं हो रहे हैं, तो यह मतदाताओं की निराशा का संकेत है। मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण में जिन 6 सीटों के लिए 19 अप्रैल को वोट डाले गए थे, उनमें चार सीटें महाकौशल की और दो सीटें विंध्य की हैं। यानि जबलपुर, छिंदवाड़ा, बालाघाट और मंडला यह सीटें महाकौशल और सीधी और शहडोल विंध्य की सीटें हैं। मध्यप्रदेश के हाल के लोकसभा चुनाव में मतदान का अच्छा प्रतिशत सामने आता रहा है, परंतु अभी जो संकेत मिला है उससे कोई ठोस परिणाम नहीं निकाला जा सकता, क्योंकि मध्यप्रदेश की कुल 29 लोकसभा सीटों में से अभी केवल 6 सीटों पर ही मतदान हुआ है और अभी बाकी 23 सीटों पर भी मतदान होना बाकी है और जब तक सभी सीटों के मतदान के आंकड़े नहीं आ जाते तब तक कोई ठोस आंकलन नहीं किया जा सकता।

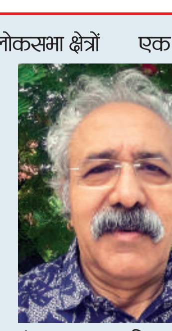

पंकज पाठक, वरिष्ठ पत्रकार

एक चीज तो बहुत साफ दिखाई दे रही है कि इन लोकसभा क्षेत्रों में 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में जो कम मतदान हुआ है वह मतदाताओं की उदासीनता का तो स्पष्ट संकेत है, क्योंकि छिंदवाड़ा लोकसभा क्षेत्र में जहां पर भाजपा और कांग्रेस ने एड़ी से चोटी का जोर लगा दिया है, वहां पर पिछले चुनाव की तुलना में 3.21 प्रतिशत कम मतदान होना यह दर्शाता है कि मतदाताओं ने राजनीतिक दलों की बात पर कोई ध्यान नहीं दिया है। इसी प्रकार से जबलपुर लोकसभा की सीट भी अत्यंत महत्वपूर्ण है और यहां पर करीब 8.91 प्रतिशत कम मतदान किया गया है। आखिर इतनी कमी का क्या कारण है, क्या कांग्रेस और भाजपा के कार्यकर्ताओं ने काम नहीं किया। क्या उनमें भी उदासीनता है। कोई ऐसी बात तो जरूर है, जो अभी जरूर दबी हुई है, लेकिन उजागर होगी। इसी तरह से मंडला भी एक वीआईपी सीट है, जहां पर केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते चुनाव लड़ रहे हैं, वहां भी लगभग 5.27 प्रतिशत मतदान में कमी आई है, लेकिन छिंदवाड़ा में जो कमलनाथ का इलाका है और भाजपा ने इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न बना रखा है। वहां पर ऐसा होना समझ के परे है। अचरज की बात है कि इन सभी 6 सीटों पर कम मतदान किया गया है।

छिंदवाड़ा व सीधी के मतदान के अंतर का गणित

मध्य प्रदेश में पहले चरण के मतदान में छिंदवाड़ा और सीधी में हुए कम मतदान राजनीतिक समीक्षकों के लिए पहली बने हुए हैं। छिंदवाड़ा में 2019 के मुकाबले 3.21 प्रतिशत कम मतदान हुआ है। इस मतदान को लेकर राजनीतिक क्षेत्र में यह माना जा रहा है यहां हार जीत का अंतर फिर से कम रहने वाला है। 2019 में नकुलनाथ यहां से 37 हजार के आसपास वोट से जीते थे। इस बार के मतदान को लेकर यह कहा जा रहा है कि यहां कांटे की टक्कर में किसी भी दल के पक्ष में परिणाम आ सकते हैं। सीधी में सबसे अधिक 13.3 1 प्रतिशत मतदान 2019 की तुलना में काम हुआ है इस कम मतदान को किसी एक राजनीतिक दल के प्रति मतदाताओं में उत्साह न होना बताया जा रहा है। यह माना जा रहा है कि यहां भाजपा के मतदाता ने मतदान किया है और कांग्रेस का मतदाता उदासीन रहा है।

सुरेश शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

टैक्स ला बार एसो. के पदाधिकारियों का किया सम्मान

भोपाल। जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष दीपक खरे की अध्यक्षता में आयोजित एक कार्यक्रम में टैक्स ला बार एसोसिएशन भोपाल के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों तथा कार्यकारिणी सदस्यों का स्वागत व सम्मान किया गया। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में दीपक खरे ने कहा की जिला अभिभाषक संघ के प्रकोष्ठों में से एक टैक्स बार महत्वपूर्ण प्रकोष्ठ है, इसके सदस्यों का सहयोग अभिभाषक संघ को हमेशा रहा है। टैक्स ला बार के अध्यक्ष मृदुल आर्य ने अपने धन्यवाद ज्ञापन में कहा कि जिला अभिभाषक संघ हमारे सदस्यों की मातृ संस्था है एवं हमें उसका संरक्षण हमेशा मिलता रहा है एवं आगे भी मिलता रहेगा। इस अवसर पर जिला अभिभाषक संघ के सचिव मनोज श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष संजय श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष बृज बिहारी रघुवंशी सह सचिव सोनल नायक टैक्स ला बार के सचिव मनोज पारख उपाध्यक्ष अंकुर अग्रवाल एवं बच्चन आचार्य कोषाध्यक्ष धीरज अग्रवाल सहसचिव संदीप चौहान व वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य राजेश्वर दयाल, शंकर बसंता,संतोष शाक्य इत्यादि उपस्थित थे।

तीन बजे गेट बंद होने के बाद पहुंचा प्रस्तावक, तीन नामांकन निरस्त

जयश्री ने कांग्रेस से भरे 3 नामांकन फॉर्म भी निरस्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

निर्दलीय उम्मीदवार एके जीलानी जैसे ही अपने दसवें प्रस्तावक को लेकर कलेक्टोरेट की सीढ़ियां चढ़े, तभी तीन बजे भोपाल लोकसभा सीट के रिटर्निंग अधिकारी का दरवाजा बंद हो गया। जीलानी ने अंदर जाने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने नहीं जाने दिया। नतीजा शनिवार को नामांकन की जांच के बाद जीलानी का पर्चा निरस्त कर दिया गया। जीलानी का कहना है कि वह पर्चा निरस्त होने के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे। जांच में पांच अन्य नामांकन भी निरस्त किए गए हैं, जिसमें प्रकाश नरवारे, सोमश्री और कांग्रेस की डमी उम्मीदवार जयश्री के तीन नामांकन निरस्त किए हैं। जयश्री का एक नामांकन स्वीकार कर लिया गया है। निर्दलीय उम्मीदवार के लिए नामांकन भरने वाले उम्मीदवारों को दस प्रस्तावक के हस्ताक्षर करने थे, लेकिन तीन उम्मीदवारों ने दस-दस प्रस्तावक के हस्ताक्षर नहीं कराए। ऐसे में इन तीनों के नामांकन फार्म निरस्त कर दिए गए हैं। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि 25 उम्मीदवारों के 35 नामांकन स्वीकार किए गए हैं।

41 ने जमा किए थे नामांकन

भोपाल लोकसभा सीट पर 28 उम्मीदवारों ने कुल 41 नामांकन जमा किए थे। शनिवार सुबह 11 बजे इनकी जांच की गई। कलेक्टर की मौजूदगी में हुई जांच में कांग्रेस की डमी प्रत्याशी जयश्री हरिकरण के 3 नॉमिनेशन निरस्त हो गए, जबकि उनका निर्दलीय नामांकन स्वीकार किया गया है। इसी तरह सोमश्री, प्रकाश और एके जीलानी के नामांकन भी निरस्त हो गए हैं। अब 25 उम्मीदवार बचे हैं।

16 से ज्यादा उम्मीदवार होने पर लगेंगी 2 बीयू

पिछले लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार अधिक होने से 2 बीयू यानी बैलेट यूनिट लगी थी। इस बार भी यदि जांच और वापसी में 16 से अधिक नामांकन होते हैं तो भी दो बीयू लगाई जाएंगी। मशीन में 17 बटन होते हैं, जिसमें एक नोटा का बटन भी शामिल है।

इन्होंने जमा किए हैं नामांकन

भोपाल सीट के लिए 12 अप्रैल से नामांकन भरने की शुरुआत हुई थी। 18 अप्रैल तक 14 उम्मीदवारों ने नामांकन भरे थे, लेकिन आखिरी दिन ही 16 उम्मीदवार नामांकन भरने पहुंच गए। हालांकि, दो उम्मीदवार पहले से नामांकन भर चुके थे। ऐसी स्थिति में उम्मीदवारों की संख्या 25 है।

खजूरी सड़क थाना क्षेत्र स्थित विशाल लॉज में हुई वारदात

रंजिश में युवक पर तलवार से जानलेवा हमला, सिर में आई गंभीर चोट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

खजूरी सड़क थाना क्षेत्र स्थित विशाल लॉज में पिता पुत्र समेत पांच लोगों ने मिलकर एक युवक पर तलवार और डंडे से जानलेवा हमला कर दिया। हमले की वजह पुरानी रंजिश की बात सामने आई है। इस जानलेवा हमले में युवक के सिर में दो जगह गहरी चोट लगी है और उसे क्रमशः 29 और 8 टांके लगे है।

इसी प्रकार हाथ में भी गंभीर चोट होने के कारण 17 टांके आए हैं। हमले की वजह पंचायत चुनाव से चली आ रही रंजिश की बात सामने आई है। पुलिस ने उक्त मामले में पिता पुत्र समेत पांच आरोपियों पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार संतोष कुमार चौहान (38) फंदा कला में रहते हैं। उनके भतीजे गजेंद्र मेवाड़ा ने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वे खजूरी सड़क में विशाल लाज का संचालन करते हैं। उनके चाचा संतोष कुमार आदित्य श्री गार्डन में शादी में शामिल होने गए थे। इस दौरान शादी समारोह में रात करीब 11 बजे के आसपास उनका सामना रामभरोसे राठौर से हो गया। रामभरोसे राठौर को देखते ही उन्होंने नशे में गाली-गलौज कर दी। गाली देने की बात रामभरोसे को बुरी लगी और उन्होंने अपने बेटे जय राठौर को कॉल कर बताया। जय राठौर बंटी, रूपेश और आकाश को लेकर आदित्य श्री गार्डन पहुंचा था। और जमकर मारपीट की। मारपीट के दौरान आरोपियों ने तलावार और डंडे से हमला किया था।

एटमास्फियर रेस्टोरेंट पर, अवैध शराब और बीयर बेच रहे थे

भोपाल। आबकारी टीम ने शनिवार को एमपी नगर में एटमास्फियर रेस्टोरेंट पर शनिवार रात 10 बजे छापा मारा। टीम ने रेस्टोरेंट की तलाशी ली तो मौके से छह बोतल महंगी शराब, 15 बीयर की बोतल बरामद की है। रेस्टोरेंट संचालक बैरागढ़ निवासी सुनील भोजवानी और पुनीत केसवानी को पकड़ा गया है।

यात्रियों को रिजर्वेशन टिकट लेने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही

ट्रेनों में लंबी हुई वेटिंग लिस्ट, मुंबई से भोपाल आने वाली ट्रेनों में नो-रूम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

समर सीजन शुरू होते ही ट्रेनों में लंबी वेटिंग लिस्ट का सिलसिला शुरू हो गया है। इससे लोगों को लंबी दूरी की यात्रा के लिए रिजर्वेशन टिकट लेने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। गर्मी की छुट्टियां कई स्कूलों में 25 अप्रैल से शुरू होने जा रही है। इसके साथ ही समर सीजन के चलते ट्रेनों में लंबी वेटिंग शुरू हो गई है। राजधानी सहित प्रदेशभर से बड़ी संख्या में लोगों पर्यटन व धार्मिक स्थालों पर जाने का प्लान बना रहे है। इसके चलते लंबी दूरी की ट्रेनों में लंबी वेटिंग मिल रही है।

सीसीटीवी कैमरों से की जा रही मॉनिटरिंग

टिकट एजेंटों पर नजर रखने के लिए रेलवे प्रशासन ने रिजर्वेशन टिकट काउंटर पर सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है। इससे नियमित रूप से मॉनिटरिंग किया जा रहा कि रोज-रोज एक ही व्यक्ति टिकट तो नहीं ले रहा। इसके साथ ही अब टिकट काउंटरों पर आरपीएफ जवानों की भी ड्यूटी लगाई गई। इस दौरान अगर टिकट दलाली करते कोई पकड़ा गया तो उस पर कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी। इससे आम लोगों को आसानी से रिजर्वेशन टिकट मिल जाएगा।

रिजर्वेशन टिकट काउंटर पर लग रही लंबी कतार

25 अप्रैल से गर्मी की छुट्टी लगने वाली है। गर्मी में लोग हिल स्टेशनों की ओर जाना पसंद करते हैं। इससे स्टेशन के रिजर्वेशन टिकट काउंटर पर सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक लोगों की लंबी लाइन लग रही है। ऑनलाइन टिकट में यदि टिकट वेटिंग में है और यात्रा के पहले कंफर्म नहीं हुआ तो टिकट रद्द हो सकती है। इस वजह से लोग काउंटर से ही टिकट ले रहे हैं। भोपाल से दिल्ली, मुंबई, अयोध्या, शिमला, मनाली, जम्मू-कश्मीर सहित अन्य स्टेशनों के लिए लंबी वेटिंग देने के मिल रही है। मई माह में मुंबई से भोपाल आने वाली कई प्रमुख ट्रेनों में नो-रूम की स्थिति बन गई है।

मथुरा अयोध्या, वैष्णो देवी लोगों की पहली पसंद

भोपाल से मुंबई, गोवा,वैष्णो देवी, मथुरा जाने वाली ट्रेनों में करीब 180 के ऊपर वेटिंग लिस्ट देखने को मिल रही है। सबसे अधिक लोगों धार्मिक स्थलों पर जाने वाली ट्रेनों में रिजर्वेशन करा रहे है। इन ट्रेनों में अप्रैल माह में स्लीपर में नो रूम की स्थिति देखने को मिल रही है। एसी क्लास के कोच में वेटिंग लंबी है।

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, रविवार 21 अप्रैल 2024

5 राहुल गांधी वामपंथियों के बंधक, इंडी गठबंधन टिकने वाला नहीं...

9 सीएम डॉ. मोहन यादव का औबेदुल्लागंज में भाजपा कार्यकर्ताओं...

मोबाइल की लत बच्चों को बना रही चिड़चिड़ा और मानसिक बीमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

यदि आपका बच्चा अधिक समय तक इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहा है, तो वह इसका आदी हो रहा है। जिसकी लत उसे मानसिक रूप से बीमार और आदतन चिड़चिड़ा बना रही है।

यह बात एम्स भोपाल के चिकित्सकों ने कही है। हाल ही में एम्स भोपाल के डॉ. दिगपाल सिंह चुंडावत और डॉ. वरुण मल्होत्रा का एक शोध प्रकाशित हुआ है, जिसमें 14 से 19 वर्ष के किशोरों पर रिसर्च की गई है। इस रिसर्च में 348 बच्चों को शामिल किया गया।

एम्स के डॉक्टरों ने 14 से 19 वर्ष के किशोरों पर किया रिसर्च

कक्षा 10, 11 व 12 के छात्रों पर किया रिसर्च

एम्स के चिकित्सकों द्वारा जिन 348 छात्र-छात्राओं पर शोध कार्य किया है। उसमें 65 प्रतिशत लड़के और 35 प्रतिशत लड़कियां शामिल हैं। इसी के साथ कक्षा 10 के 38.79 प्रतिशत विद्यार्थी, कक्षा 11 के 33.62 प्रतिशत विद्यार्थी और कक्षा 12 के 27.59 प्रतिशत विद्यार्थी शामिल किए गए हैं।

5% से ज्यादा बच्चे आदी

शोध में 5.17% किशोर इंटरनेट के आदी मिले हैं। हर समय मोबाइल या लैपटॉप पर इंटरनेट चलाना, ऑनलाइन गेम, वीडियो, सोशल मीडिया ही अच्छा लगता है। 37%से अधिक किशोर 3 साल से इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं। कुल 348 में से 56% बच्चे ऐसे भी हैं, जो आदी तो नहीं हैं, लेकिन मध्यम स्तर का एडिक्शन इनमें देखा गया है। वहीं 38% ऐसे हैं जो इंटरनेट का इस्तेमाल सिर्फ काम के लिए करते हैं।

डोपामाइन की डिमांड

किशोरों में ऑनलाइन गेम और वीडियो देखने का चलन बढ़ रहा है। शुरू में यह सामान्य होता है, लेकिन जैसे जैसे स्क्रीन टाइमिंग बढ़ती है, शरीर में डोपामाइन हार्मोन एक्टिव होने लगता है। फिर यही हार्मोन हर समय इंटरनेट यूज करने को उकसाता है, एक क्लिक पर अपना पसंदीदा वीडियो, गेम या सोशल मीडिया एक्टिविटी में व्यस्त कर देता है, जिससे उपयोगकर्ता एक प्रकार मानसिक सुकून महसूस करता है।

मिले खतरनाक रिजल्ट

एम्स के चिकित्सकों ने पाया कि जो बच्चे इंटरनेट के आदी हो गए हैं, यदि उन्हें समय पर इंटरनेट न मिले तो वह चिड़चिड़े हो जाते हैं। डोपामाइन के रिलीज होने के कारण आभासी इंटरनेट गेमिंग की दुनिया में मिलने के बाद वास्तविक दुनिया में भी तत्काल संतुष्टि की तलाश करते हैं। जब उनकी इच्छा पूरी नहीं होती तो यह चिड़चिड़ेपन की ओर ले जाता है, जो आगे चल कर अन्य मानसिक रोगों का रूप ले सकते हैं।

न्यू मार्केट में टीम ने 3 दर्जन से अधिक फुटपाथ वेंडर्स पर की कार्रवाई

अतिक्रमण हटाने पर हंगामा, पुलिस बुलाई,तब हटाए जा सके अवैध कब्जे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शनिवार को नगर निगम के अतिक्रमण दस्ते ने न्यू मार्केट में दस्तक दी। जैसे ही यह खबर फैली फुटपाथी दुकानदारों ने अपना सामान समेटना शुरू कर दिया, लेकिन जब टीम सख्ती पर उतरी तो हंगामा हो गया। आखिरकार पुलिस बुलानी पड़ी, तब जाकर कब्जे हटाए जा सके।

न्यू मार्केट में अतिक्रमणों हटाने पहुंची नगर निगम की टीम को भारी विरोध का सामना करना पड़ा। अतिक्रमणकारियों ने टीम को देखते ही हंगामा शुरू कर दिया। जिससे करीब एक घंटा कार्रवाई रुकी रही। पुलिस बल आने के बाद निगम ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। अमले ने कॉरिडोर से तीन दर्जन से अधिक अवैध कब्जे हटवाए और सामान जब्त किया। न्यू मार्केट के साथ ही निगम अमले ने बड़ी अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई बोट क्लब पर की। यहां से अमले ने दो ट्रक से ज्यादा सामान जब्त किया।

न्यू मार्केट में दुकानदार ने जहां कॉरीडोर पर कब्जा कर रखा है, वहीं फुटपाथी दुकानदार सड़कों पर डेरा जमाए रहते हैं। ऐसे में मार्केट आने वालों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। शनिवार को एक बार फिर निगम ने यहां अतिक्रमण मुहिम चलाई। करीब 40 अतिक्रमण हटाते हुए सामान जब्त किया।

खास बातें

- करीब एक घंटे तक चलता रहा हंगामा और रुकी रही नगर निगम की अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई, फिर पुलिस के आते ही हो सकी शुरू

बोट क्लब से 2 ट्रक सामान किया जब्त

स्वास्थ्य अधिकारी राजीव सक्सेना ने बताया कि अतिक्रमण की दूसरी मुहिम बोट क्लब पर चलाई गई। जहां करीब दो ट्रक सामान जब्त कर निगम के स्टोर में जमा करवाया गया। बोट क्लब पर फुटपाथ सहित सड़क किनारे अवैध रूप से दुकान लगाने वालों की लगातार शिकायतें आ रही थीं। अमले ने पहले अलाउंमेंट करवाया, फिर जब्ती की कार्रवाई शुरू की।

जैसे ही अमला पहुंचा, दुकानदार समेटने लगे सामान

सुबह निगम अतिक्रमण अमला जैसे ही मार्केट पहुंचा तो मार्केट में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। फुटपाथी दुकानदारों के साथ ही व्यापारी दुकानों के बाहर रखा अपना सामान समेटने लगे। इधर, निगम ने जब्ती की कार्रवाई शुरू कर दी। इसका दुकानदारों ने विरोध किया। निगम अमले जब उनकी नहीं सुनी तो दुकानदार इकट्ठा होकर हंगामा करने लगे। ऐसे में निगम ने कार्रवाई रोक दी और टीटी नगर पुलिस को सूचना दी। थोड़ी देर में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और कार्रवाई दोबारा शुरू हुई।

आरजीपीवी के फरार आरोपी तत्कालीन वित्त नियंत्रक ऋषिकेश वर्मा की पत्नी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजीव गांधी प्रौघोगिकी विश्वविघालय में 19.48 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी मामले में पुलिस ने फरार आरोपी तत्कालीन वित्त नियंत्रक ऋषिकेश वर्मा की पत्नी सीमा वर्मा को गिरफ्तार किया है। 3 मार्च को उक्त मामले में शिकायत की गई थी।

शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी सुनील कुमार तत्कालीन कुलपति, आरएस राजपूत, तत्कालीन कुलसचिव, ऋषिकेश वर्मा, तत्कालीन वित्त नियत्रंक, कुमार मयंक दलित संघ सोहागपुर एवं अन्य आरोपियों पर धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया था। प्रकरण की जांच में आरोपी सुनील कुमार गुप्ता तत्कालीन कुलपति आरजीपीवी कुमार, मयंक तत्कालीन टास्क हेड आरबीएल बैंक, रामकुमार रघुवंशी तत्कालीन शाखा प्रबंधक एक्सिस बैंक पिपरिया, सुनील रघुवंशी संयुक्त सचिव दलित संघ सोहागपुर को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है और वे जेल में हैं।

पुलिस को अब राजपूत समेत इनकी तलाश

पुलिस उक्त मामले में फरार राकेश सिंह राजपूत तत्कालीन कुलसचिव आरजीपीवी आरोपी ऋषिकेश वर्मा, तत्कालीन वित्त नियत्रंक आरजीपीवी, रतन उमरे सचिव दलित संघ सोहागपुर, अशोक कुमार चैरसिया, कोषाध्यक्ष दलित संघ सोहागपुर की तलाश कर रही है। सभी आरोपी पुलिस से बचने अपना ठिकाना बदलकर रह रहें हैं।

सीमा ने कराई थी 20 लाख की एफडी

पुलिस ने मामले में ऋषिकेश वर्मा की पत्नी सीमा वर्मा शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। सीमा वर्मा ने अपने आरबीएल बैंक के खाते में 19 लाख रुपए कुमार मयंक के खाते से डिमांड ड्रॉफ्ट के माध्यम से प्राप्त किए थे। 13 मार्च 2023 को उपरोक्त डिमांड ड्रॉफ्ट की राशि मिलने के बाद उन्होंने 20 लाख रुपए की एफडी आरबीएल बैंक शाखा अरेरा कालोनी में अपने नाम से करा ली।

करीब डेढ़ करोड़ की राशि कराई फ्रीज

पुलिस ने 20 लाख रुपए की एफडी को फ्रीज कराया गया है। प्रकरण में पूर्व में 6 लाख 60 हजार रुपए नगद जब्त किए गए थे। साथ ही 52,33,252 रुपए को फ्रीज कराया गया। इसके अलावा 95,24,694, रुपए को भी फ्रीज कराया गया। इस प्रकार कुल 14757946/-रुपए की राशि आरोपियों के खातों से फ्रीज कराई गई है।

इनके खाते में भी पहुंचे रु.

आरोपी सुनील कुमार, राकेश सिंह राजपूत, ऋषिकेश वर्मा ने एक्सिस बैंक पिपरिया के शाखा प्रबंधक रामकुमार रघुवंशी एवं दलित संघ सदस्यों से मिलकर 9.50 करोड़ रुपए को दलित संघ सोहागपुर के खाते में हस्तातंरित किए जाने के सबूत मिले हैं।

सीमा को भेजा जेल, जमानत पर सुनवाई कल

19.48 करोड़ रुपए निजी बैंक खातों में डालने के मामले मामले में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) के तत्कालीन वित्त नियंत्रक ऋषिकेश वर्मा की पत्नी सीमा वर्मा को एसआईटी ने शुक्रवार को उनके घर से गिरफफ्तार कर शनिवार को जिला अदालत में पेश कर जेल भेज दिया। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के विशेष न्यायाधीश आरपी मिश्रा की अदालत में सीमा वर्मा की ओर से उनके वकील द्वारा जमानत याचिका पेश कर उन्हें गंभीर बीमारियों से ग्रस्त बताकर जमानत पर रिहा किए जाने की मांग किए जाने पर अभियोजन पक्ष की ओर से जिला लोक अभियोजक पीएनएस राजपूत ने कहा कि अभियुक्त के मामले में अभी चालान पेश नहीं किया गया है, इसलिए जमानत याचिका पर आज सुनवाई नहीं की जा सकती। विशेष न्यायाधीश ने जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए सोमवार की तारीख निर्धारित की है।

जूडा का तनाव कम करने होगी मेंटर की नियुक्त

जीएमसी में सामूहिक सुसाइड के पत्र के बाद कमेटी गठित, ड्यूटी रोस्टर में भी बदलाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी के गांधी मेडिकल कॉलेज को टॉक्सिसिटी हब बताकर पांच जूनियर डॉक्टरों द्वारा सामूहिक आत्महत्या के पत्र के बाद अब कॉलेज की व्यवस्थाओं में कई बदलाव किए जा रहे हैं। छात्रों से बात कर उनकी मानसिक समस्याओं को समझने के लिए हर विभाग में मेंटर नियुक्त किए जाएंगे। इसके साथ ही इस मामले की जांच के लिए एक हाईलेवल कमेटी का गठन भी किया गया है।

यह कमेटी समस्त पीजी छात्र-छात्राओं की रेगुलर एक्टिविटीज की मॉनीटरिंग करेगी। इस कमेटी में अध्यक्ष एवं इन्चार्ज डॉ. दीप्ति चौरसिया रहेंगे, डॉ. महिम कोसरिया, डॉक्टर नितिन नाहर, डॉ. रूचि सोनी और डिप्टी रजिस्ट्रार अमृता पटेरिया शामिल हैं। मालूम हो कि जीएमसी में कॉलेज के माहौल को लेकर 15 अप्रेल को एक चिट्ठी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। इसमें मेडिकल कॉलेज के माहौल को टॉक्सिक बताते हुए 31 मई 2024 को ग्रुप सुसाइड की बात कही गई थी।

जूडा का रोस्टर बदलने की तैयारी

मामले के बाद अब जूनियर डॉक्टरों के ड्यूटी रोस्टर को नए सिरे से तैयार किया जा रहा है। इसमें इस बात का ध्यान रखा गया है कि किसी जूडा को अनावश्यक ज्यादा ड्यूटी न करनी पड़े। जूडा को ड्यूटी के साथ पर्याप्त आराम और भोजन करने का समय भी मिले।

कमेटी इन बिंदुओं पर करेगी काम

- मेंटर प्रोग्राम संचालित किया जा रहा है अथवा नहीं।
- विभागों में ड्यूटी रोस्टर बनाए गए हैं कि नहीं।
- साप्ताहिक छुट्टी, अवकाश मिल रहे हैं कि नहीं।
- शिकायत पेटी है या नहीं, है तो क्या कार्रवाई हुई।
- विभागों में एक्स्ट्रा कॅरिकुलम एक्टीविटी का प्लान है कि नहीं ।

बनाए जा रहे नए ड्यूटी रोस्टर

अब जूडा का ड्यूटी का टाइम निर्धारित किया जा रहा है। अलग अलग ड्यूटी रोस्टर बनाए जा रहे हैं ताकि हर एक जूनियर डॉक्टर्स को पर्याप्त आराम करने को मिले और भोजन का समय भी मिले। हम उन डॉक्टर्स से आग्रह करेंगे कि वह हमसे मिलें और हम विश्वास दिलाते हैं कि आपकी समस्या का समाधान किया जाएगा।

डॉ. संकेत सीते, अध्यक्ष, जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन

अस्पताल, क्लिनिक के मैस में लेना पड़ेगा फूड लाइसेंस

भोपाल। राजधानी के अस्पताल और क्लिनिक में चलाए जा रहे मैस या कैंटीन के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग से रजिस्ट्रेशन और लाइसेंस लेना जरूरी होगा। बिना इसके वे न तो कैंटीन चला सकेंगे और न ही मेस। इसमें फूड विभाग कार्रवाई करेगा। इसे लेकर शनिवार को आदेश भी जारी कर दिए गए हैं।

सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी ने सभी सरकारी और प्राइवेट हॉस्पिटल को रजिस्ट्रेशन-लाइसेंस लेने के लिए आदेश जारी किया है। उन्होंने बताया कि सरकारी हॉस्पिटल, प्राइवेट नर्सिंग होम जहां मरीजों या परिजनों को खाद्य सामग्री परोसी जाती है, उन्हें रजिट्रेशन कराने के साथ लाइसेंस लेना जरूरी है। लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन न पाए जाने पर अधिनियम में दंड के प्रावधान भी किए गए हैं।

इतनी राशि देना पड़ेगी

रजिस्ट्रेशन के लिए 100 रुपए और लाइसेंस के लिए 2000 रुपए की फीस तय है। पंजीयन और लाइसेंस केवल ऑनलाइन ही जारी किए जाते हैं। इसके लिए फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट पर आवेदन कर रजिट्रेशन और लाइसेंस लिया जा सकता है।

राजधानी के सीहोर, रायसेन से लगे बाहरी हिस्सों में अलसुबह हुई मामूली बूंदाबांदी

तेज हवा, बादल, बूंदाबांदी से अभी मॉडरेट स्तर पर एयर पॉल्यूशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शनिवार को शहर में दिनभर धूप के बीच बादलों का आना जाना रहा। इससे दिन के तापमान में करीब एक डिग्री की कमी रही। बादलों ने रात का पारा एक डिग्री बढ़ाकर 26 डिग्री पर गर्म रखी। रविवार को भी शहर में मौसम ऐसा ही रहेगा।

इस बीच शनिवार को शहर के विभिन्न हिस्सों में प्रदूषण के स्तर में ज्यादा बदलाव नहीं आया। एक सप्ताह के बीच करीब तीन दिन जारी रही बारिश, बादलों और तेज हवाओं के कारण प्रदूषण का स्तर काफी कम हुआ है। शनिवार को भी शहर के आसपास के इलाकों में तड़के हल्की बूंदाबांदी से हवाओं में धूल मिट्टी के कणों में कमी रही, जिससे एयर पॉल्यूशन में कमी दर्ज हुई है। मप्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल की ऑनलाइन मॉनीटरिंग सिस्टम पर दर्ज आंकड़ों के अनुसार कलेक्टोरेट क्षेत्र में 101, टीटी नगर 106 और पर्यावरण परिसर में एक्यूआई 84 पर दर्ज हुआ है। मौसम केंद्र के अनुसार रविवार को भी मौसम ऐसा रहने से बादल, आसपास मध्यम से तेज हवाओं के साथ गरज चमक, बूंदाबांदी और एक दो दिन में मामूली बौछारें पड़ेंगी। पूरी उम्मीद है कि इससे प्रदूषण का स्तर भी अभी थमा रहेगा।

कलेक्टोरेट क्षेत्र में 101, टीटी नगर 106 और पर्यावरण परिसर में एक्यूआई 84 पर दर्ज

कहां-कितना प्रदूषण?

कलेक्टोरेट इलाके में पीएम 2.5, 26.31, पीएम-10, 100.81, टीटी नगर में पीएम 2.5, 30.98, पीएम-10, 109.42 वहीं पर्यावरण परिसर में पीएम 2.5, 30.23, पीएम-10, 83.81 पर दर्ज हुआ है। इनमें से कलेक्टोरेट और टीटी नगर इलाके में मॉडरेट और पर्यावरण परिसर में संतोषजन स्तर पर प्रदूषण रहा है।

आज और कल भी मौसम ऐसा ही

मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार रविवार और सोमवार को भी शहर में बादल, आसपास गरज-चमक के साथ हल्की बूंदावांदी हो सकती है। इस बीच कुछ देर तेज हवाओं का असर भी रह सकता है। इनमें सीहोर और रायसेन से जुड़े शहर के हिस्से और बैरसिया के आसपास के हिस्से शामिल हो सकते हैं।

जायकेदार व्यंजनों के साथ गीत-गजलों से सजी जश्न-ए-ईद की शाम

बेगम्स ऑफ भोपाल ने किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बेगम्स ऑफ भोपाल द्वारा शनिवार की शाम सफल रिट्रीट में ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रुप की महिलाओं ने शिरकत की, जश्न ए ईद के रूप में आयोजित इस संध्या में ज्यादातर महिलाओं ने फिरोजी वेशभूषा में शिरकत की और समा जश्न ए फिरोजी के रूप में नजर आया।

इस कार्यक्रम में गीत संगीत के साथ जायकेदार व्यंजनों का लुत्फ भी बेग्मस ने उठाया। वहीं ट्रेडिशनल आउटफिट्स में मेहमानों का स्वागत इत्र लगा कर पारम्परिक रूप में किया। जहां एक और गरारा, शरारा में सजी धजी बेगम्स नजर आ रहीं थीं तो वहीं चारों ओर की सजावट भी ईद के माहौल दिखा रही थी।

मिस ईव और मोस्ट स्टाइलिश ड्रेसिंग भी

जश्ने ए ईद कार्यक्रम में गजलों और लाइट बॉलीवुड गानों पर आधारित म्यूजिकल तंबोला के साथ साथ मिस ईव और मोस्ट स्टाइलिश ड्रेसिंग पर अवार्ड दिया गया। साथ ही लकी ड्रा भी निकला गया। कार्यक्रम को खास रूप देने के लिए नेचुरल डायमंड्स के प्रोडक्ट्स पर एक सेशन रखा गया।

खबर संक्षेप

चार लोगों को नेत्र ज्योति देकर अमर हो गई सुशीला देवी

भोपाल। छतरपुर के प्रतिष्ठित समाजसेवी व वरिष्ठ पत्रकार हरि अग्रवाल की भाभी, राधेलाल अग्रवाल चरखारी वालो की धर्मपत्नी एवं मदन, अनिल, राजकुमार, बबलू, नबल, बृजेश अग्रवाल की माता सुशीला देवी अग्रवाल का शनिवार की सुबह 4 बजे हृदयगति रूक जाने से निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार महोबा रोड स्थित मुक्तिधाम में दोपहर 1 बजे किया गया। उनकी अंतिम यात्रा दोपहर 1 बजे बृजेश अग्रवाल के विश्वनाथ कॉलोनी स्थित निवास से मुक्तिधाम के लिए रवाना हुई। श्रीमती अग्रवाल भले दुनिया छोड़कर चली गई, लेकिन वे जाते-जाते चार लोगों को नेत्रदान कर आंखों की रोशनी देकर हमेशा के लिए अमर हो गई। उनके इस नेक कार्य की सभी सराहना कर रहे हैं।

शहीद भवन में गुरु शंकर होंबल की स्मृति में भरतनाट्यम नृत्य संध्या

रामचरितमानस की 9 चौपाईयों को 9 रसों में पिरोकर बनाई नृत्य नाटिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

संपूर्ण रामचरितमानस पढ़ कर उसमें अलग-अलग खंडों से नौ चौपाइयां लेकर, उन्हें नौ रसों में पिरोकर भरतनाट्यम नृत्य शैली में प्रस्तुत किया सुषमा मिश्रा और उनकी 25 शिष्याओं ने। 'नवरस' के रूप में सजी 35 मिनट की इस नृत्य प्रस्तुति को तैयार करने में सुषमा को दो साल का वक्त लगा। नवरस सहित भरतनाट्यम की अलग अलग शैलियों से सजी नृत्य संध्या का यह संयोजन देखने को मिला शनिवार की शाम शहीद भवन सभागार में।

नृत्य गुरु शंकर होंबल की स्मृति में शहीद भवन में भरतनाट्यम नृत्य प्रस्तुति का आयोजन किया गया, डेढ़ घंटे की इस प्रस्तुति में 5 वर्ष से 45 आयु वर्ष तक की 25 नृत्यांगनाओं ने एक से बढ़कर एक सुंदर नृत्य प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया।

दो साल में तैयार हुई 'नवरस' प्रस्तुति

ताल प्रधान, गत स्वरुप में अलारिप्पू की प्रस्तुति रही खास

कार्यक्रम का शुभारंभ पुष्पांजलि के रूप में गणेश वंदना से हुआ, इसके बाद ताल प्रधान, गत स्वरुप में अलारिप्पू की प्रस्तुति खास रही। इसकी अगली कड़ी में सबसे मनभावन प्रस्तुति 5 से 7 साल की बच्चियों ने छोटी-छोटी गैया, छोटे छोटे ग्वाल... के रूप में दी। एक से बढ़कर एक नृत्यों से सजी इस प्रस्तुति की अगली कड़ी में श्यामा आन बसो वृंदावन में... गीत पर मनभावन प्रस्तुति ने दर्शकों की खूब तालियां बंटोरीं। नृत्यांगनाओं ने अपनी प्रस्तुति का समापन श्री रामचंद्र कृपालु भजमन.... से किया।

आर्मी में ज्वॉइनिंग थी, लेकिन रोडीज ने बदल दी लाइफ

रोडीज फैन-अभिनेता रणविजय से खास बातचीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मेरे पिता, मेरे दोनों चाचा, मेरे नाना और परिवार का हर एक आदमी आर्मी में रहा है और मुझे भी फौज में जाना था, इसके लिए मैंने एसएसबी क्लियर किया, मेडिकल भी क्लियर किया और दो महीने बाद मेरी जॉइनिंग थी, लेकिन इन दो महीने के बीच एमटीवी रोडीज के पहले सीजन का ऑडिशन चल रहा था, जिसमें विनर को करिज्मा बाइक मिलती, मुझे लगा कि क्यों न रोडीज के इस सीजन को ज्वाइन किया जाए और फिर मैंने उस सीजन में ऑडिशन दिया और मेरा सिलेक्शन हो गया। बस यही मेरी लाइफ का टर्निंग पॉइंट था। यह कहना है एमटीवी रोडीज फैन और बॉलीवुड अभिनेता रणविजय सिंह का जो शनिवार को भोपाल आए और हरिभूमि की खास बातचीत में उन्होंने अपनी जर्नी साझा की।

हरिभूमि चर्चा

परिवार का पहला बंदा जो एक्टिंग फील्ड में

आडिशन के दौरान रोडीज की जर्नी में मैंने पहली बार सिविल लाइफ को देखा कि कैमरा है, प्रोडक्शन है कितनी मेहनत कर रहे हैं, क्रिएटिव लोग हैं और फिर मुझे यह लाइफ पसंद आने लगी और शायद यही वजह रही कि मैं अपने परिवार का एक ऐसा बंदा हूं जिसने आर्मी जॉइन न करके एक्टिंग और एंटरटेनमेंट की फील्ड चुनी और तब से आज तक में यहीं पर हूं। मुझे यहीं पर मजा आने लगा है साथ ही मेरी फैमिली को भी अब काफी अच्छा लगता है कि मैं उनके बैकग्राउंड से अलग हटकर कुछ क्रिएटिव कर रहा हूं।

भोपाल के लोग काफी अच्छे और शौकीन

साल 2003 में एसएसबी एग्जाम के लिए भोपाल आया था, तब मुझे भोपाल काफी अच्छा लगा। यहां के लोग शौकीन हैं, हर चीज को सेलिब्रेट करते हैं, हिस्टोरिकल ब्लेस्ड है, ज्योग्राफीकली भी काफी अच्छा है।

होस्ट करना, एक्टिंग करने से ज्यादा चैलेंजिंग

रणविजय ने कहा कि होस्ट करना और एक्टिंग करने में काफी फर्क है क्योंकि एक्टिंग में आपको स्क्रिप्ट दे दी जाती है और आपको उसी के अकॉर्डिंग काम करना होता है, जबकि किसी शो में सारा दारोमदार आप पर होता है, आपको काफी चीजें मैनेज करनी होती हैं, किसी कंटेस्टेंन को पकड़कर लाओ, लड़ाई झगड़े शांत करो, किसी को कूल डाउन करो, इन सभी चीजों को हैंडल करना एक्टिंग करने से काफी मुश्किल है।

देश में 1947 से आज तक चली आ रही राजनीति

सिटी आफ ड्रीम जैसी पॉलिटिकल वेब सीरीज में काम कर चुके रणविजय कहते हैं कि आज का माहौल पॉलीटिकल बैकग्राउंड के आधार पर चल रहा है जिसमें मुझे कोई नई बात नहीं नजर आ रही है। क्योंकि हमारे देश में तो राजनीति 1947 से लेकर आज तक चली आ रही है। बस आज की राजनीति का ट्रेंड चेंज हो गया है, अब सोशल मीडिया राजनीति में मुख्य भूमिका निभाता है तो वही वोटर भी अपने वोट की कीमत जानने लगे हैं।

भोपाल आई सिंगर आस्था गिल से हरिभूमि की खास बातचीत

मास कम्युनिकेशन से डिग्री लेने के बाद सिंगर के रूप में मेरी लाइफ ने लिया यू-टर्न

भोपाल। मास कम्युनिकेशन से डिग्री लेने के बाद सिंगर के रूप में मेरी लाइफ ने यू टर्न ऐसे लिया कि रफ्तार भाई मिल गए थे मुझे कॉलेज में और उसके बाद बादशाह भाई मिल गए तो हम तीनों ने मिलकर अपनी सिंगिंग को एक नया आयाम दिया, अपना ग्रुप बनाया और सिंगिग को नए आयाम दिए। यह कहना है सिंगर आस्था गिल का, जो निजी कार्यक्रम में शिरकत करने भोपाल आई, हरिभूमि से बातचीत में आस्था ने अपनी सिंगिग जर्नी के बारे में बताया।

हरिभूमि चर्चा

संघर्ष रुका तो मान लीजिए करियर डाउनफॉल में

उन्होंने कहा कि संघर्ष यदि रुक जाता है तो आप मान कर चलिए कि आपका कैरियर डाउनफॉल में जा रहा है, इसलिए संघर्ष लाइफ का हिस्सा है। इसलिए, जब मेने एडवरटाइजिंग में जॉब स्टार्ट की लेकिन मजा नहीं आया, फिर रफ्तार भाई का मेरे पास फोन आया और मैं अपनी सिंगिंग जर्नी स्टार्ट की।

किस्मत में है तो गॉडफादर होना जरूरी नहीं

इंडस्ट्री में गॉडफादर के सवाल पर उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह कई बार डिपेंड करता है आपकी जर्नी के ऊपर। क्योंकि सभी की जर्नी एक जैसी नहीं होती। साथ ही किस्मत से ज्यादा किसी को नहीं मिलता। यदि आपकी किस्मत में है तो गॉडफादर हो, न हो, तो भी आपको वह चीज मिल ही जाती है।

रियलिटी शो से काफी कुछ सीखा

फियर फैक्टर और खतरों के खिलाड़ी में अपनी जर्नी के बारे में कहा कि कई डर ऐसे थे जो मुझे फियर फैक्टर और खतरों के खिलाड़ी में जाकर पता लगे। इन रियलिटी शोज में काफी कुछ सीखने को मिला, यह भी लाइफ का अच्छा एक्सपीरियंस था।

चमचमाती रोशनी और रैप धुनों के बीच सीनियर्स को दी भावभीनी विदाई

बीएसएसएस में विदाई समारोह 'द गोल्डन ग्रेजुएट्स'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

चमचमाती रोशनी और रैप धुनों के बीच, भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज ने शनिवार को अपने अंतिम वर्ष के छात्रों को भावभीनी विदाई दी। छात्रों की कॉलेज की यात्रा से उनकी उपस्थिति ने पूरे परिसर को सुनहरे रंगों और टिमटिमाती रोशनी से रोशन कर दिया था। इस कार्यक्रम की थीम थी 'द गोल्डन ग्रेजुएट्स' जिसने गीत-संगीत, वृत्तचित्र और ग्लैमरस रैंप वॉक से सम्पूर्ण सभागार को यादगार रूप दे दिया।

शास्त्रीय प्रस्तुतियों से लेकर रैप धुनों पर थिरके कदम

इस फेयरवेल पार्टी में शास्त्रीय प्रस्तुतियों से लेकर रैप धुनों तक छात्रों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। वहीं ग्लैमर्स रैंप वॉक ने कार्यक्रम की शोभा में चार चांद लगाए। इस कार्यक्र में जहां स्नातक छात्रों ने आत्मविश्वास और शालीनता दिखाते हुए सुरुचिपूर्ण पोशाक में अपना जलवा बिखेरा। तो वहीं रनवे ने बीएसएसएस में उनके समय के दौरान एक प्रतीकात्मक यात्रा के रूप में कार्य किया। इस अवसर पर मिस्टर और मिस ग्लिटर का खिताब शुभांशु उदासी और अनुष्का बडगइयां को दिया गया। वहीं मीत एस. हसीजंद और मानसी को मिस्टर और मिस ईव का ताज पहनाया गया।

अंतरराष्ट्रीय महिला काव्य मंच भोपाल इकाई की गोष्ठी संपन्न

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय महिला काव्य मंच भोपाल इकाई की मासिक गोष्ठी वरिष्ठ लेखिका मनोरमा पंत के निवास स्थान पर शनिवार को आयोजित हुई। काव्य मंच की अध्यक्ष सुनीता केसवानी ने सबका स्वागत किया। प्रमुख अतिथि डॉ. सुनीला सरन रहीं। सभी बहनों ने सुंदर काव्य पाठ किया।

दुष्यंत संग्रहालय में 'जहीर की तहरीर' का आयोजन

जहीर कुरैशी जैसे दिखते थे, वे उससे भी कहीं ज्यादा विराट थे...

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

गजलकार जहीर कुरैशी की तीसरी पुण्यतिथि पर दुष्यंन्त कुमार संग्रहालय में साहित्यिक संस्था ओपन बुक्स ऑनलाइन ने 'जहीर की तहरीर' कार्यक्रम का आयोजन किया। अध्यक्षता अशोक निर्मल ने की, वहीं फरीदाबाद के हरे राम समीप के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

वो जो सूरज चंदा का इक टुकड़ा लेकर बैठे हैं

मंच संचालक बलराम धाकड़ ने जहीर के शेरों के साथ मंच पर आमंत्रित किया। समीप ने कहा कि जहीर कुरेशी जैसे दिखते थे उससे कहीं ज्यादा विराट थे, जहीर की तहरीर जनवादी है। महावीर सिंह ने सुनाया, न जाने कितनी सदियों से ही मरते आ रहे हैं हम, जो ढंग से मर गए होते तो फिर मरने नहीं आते।

गीतकार माहेश्वर तिवारी स्मरण सभा आज

कीर्तिशेष गीतकार माहेश्वर तिवारी की स्मृति में 21 अप्रैल शाम 5बजे नगर की समस्त साहित्यिक संस्थाओं द्वारा दुष्यंतसंग्रहालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जा रही है। जिसमें साहित्यकार माहेश्वर जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा कर, उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे ।

फ्रॉम पैशन टू फ्रीडम थीम पर आयोजन

टीडीएक्स एलएनसीटी का युवाओं को सशक्त बनाने पर रहा जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

लक्ष्मी नारायण कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी में टीडीएक्स एलएनसीटी नाम से एक महा कुंभ का आयोजन किया। इसकी थीम फ्रॉम पैशन टू फ्रीडम थी। जिसमे सभी वक्ताओं ने अपनी पैशन के जरिये सफलता पाने के अपने अनुभव और यात्रा को साझा किया। कार्यक्रम में देश भर से आये विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने अपने अनुभव और ज्ञान को साझा किया। उनका उद्देश्य था कि समाज को उन विचारों से अवगत कराया जाए जो वास्तव में महत्वपूर्ण हैं।

आईआईटी के बाद यूपीएससी की जर्नी साझा की

डीजी लोकायुक्त आईपीएस योगेश चौधरी ने बताया छोटे शहर से जाकर आईआईटी में पढ़ने के बाद यूपीएससी पास करते हुए कठिन जीवन यात्रा के अनुभव साझा कि। उन्होंने यह भी बताया की पुलिस के हमेशा दो पहलू होते हैं, एक अच्छा होता है, एक बुरा, पर हमेशा बुरा पहलू ही लोगों के बीच जाता है।

रवींद्र भवन में संगीत संध्या 'गाता रहे मेरा दिल' का आयोजन

डॉक्टर, इंजीनियर जैसे करीब 2 दर्जन शौकिया गायकों ने छेड़ी सुरीली तान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रवींद्र भवन के अंजनि सभागार में शनिवार को संगीत संध्या 'गाता रहे मेरा दिल' आयोजित किया गया। जिसमें डॉक्टर, इंजीनियर और बिजनेस से जुड़े करीब 2 दर्जन शौकिया गायकों ने सुरों का जादू चलाया। मधु चौधरी ने बस इतना करम कर दे मौला... सुनाकर शुरूआत की। इसके बाद जो वादा किया तो निभाना पड़ेगा... की प्रस्तुति देकर राहुल पटेल ने श्रोताओं की तालियां बटोरीं।

सांसों की जरूरत है जैसे...

गीत-संगीत की सुरीली बयार को आगे बढ़ाते हुए डॉ. जयप्रकाश पालीवाल ने आशिकी फिल्म का गीत सांसों की जरूरत है जैसे... अरविंद दयाल शर्मा ने कभी बेकसी ने मारा..., मनोज व रौली पटवा ने यार बिना चैन कहां रे... डॉ. शिशुपाल पटेल ने आने से उसके आए बहार... जैसे गीतों को सुनाकर पूरे सभागार को मंत्रमुग्ध कर दिया।

क्लब लिटराटी का आज से 25 अप्रैल तक 'भोपाल शेक्सपियर महोत्सव'

भोपाल। क्लब लिटराटी 21 से 25 अप्रैल तक भोपाल शेक्सपियर महोत्सव के 10वें संस्करण को प्रस्तुत करने जा रहा है। यह उत्सव विलियम शेक्सपियर की जयंती के सप्ताह के रूप में समर्पित रहेगी। इस साल का विषय 'पावर एंड पॉलिटिक्स' है, जो शेक्सपियर के कार्यों और आज की विश्व राजनीति से प्रेरित है। इस आयोजन में कई कार्यक्रम होंगे और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कार भी दिए जाएंगे। 21 को शाम 6 बजे अरेरा क्लब में 'द आर्क ऑफ पावरः स्टेज एंड बियॉन्ड' पर एक पैनल डिसकशन होगा, साथ ही लेख लेखन, पोस्टर मेकिंग और रोल प्ले प्रतियोगिता जैसे ऑनलाइन कार्यक्रम भी किए जाएंगे।

लोकसभा क्षेत्र
धार

1 भाजपा प्रत्याशी
सावित्री ठाकुर

2 कांग्रेस प्रत्याशी
राधेश्याम मुवेल

पिछली बार कौन जीता
छत्तरसिंह दरबार

जीत का अंतर
1लाख 56 हजार 29

क्या रहेंगे मुद्दे?

मालवा अंचल में भोजशाला का मुद्दा हमेशा बड़ा रहा है। इसे लेकर कई बार सांप्रदायिक तनाव के हालात बनते हैं। कोर्ट के निर्देश पर इस समय भोजशाला का सर्वे चल रहा है, इसलिए चुनाव में यह मुद्दा सबसे ऊपर आ गया है। इसे लेकर मुस्लिम समाज के अपने-अपने तर्क, दावे हैं। यह मुद्दा लोकसभा चुनाव पर प्रभाव डाल सकता है। इसे लेकर हिंदू- मुस्लिम के बीच ध्रुवीकरण होता है। इसके अलावा भाजपा-कांग्रेस के अपने-अपने मुद्दे हैं। भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और राम लहर के सहारे चुनाव लड़ रही है। केंद्र एवं राज्य की भाजपा सरकारों द्वारा किए गए कामों का प्रचार किया जा रहा है। दूसरी तरफ महंगाई, बेरोजगारी सहित कई मसलों पर कांग्रेस केंद्र की नाकामियां गिना रही है। केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का मुद्दा उठाया जा रहा है। भाजपा पर वैमनस्यता फैलाने के आरोप लगाए जा रहे हैं।

भाजपा प्रत्याशी रह चुकीं सांसद, जिला पंचायत अध्यक्ष, कांग्रेस के मुवेल पहली बार लड़ रहे कोई बड़ा चुनाव

धार में राधेश्याम ने खड़ी की सावित्री की राह में मुश्किल

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के गृह क्षेत्र धार में भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है। भाजपा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर पहले भी सांसद रह चुकी है। वे जिला पंचायत अध्यक्ष भी रही हैं, जबकि कांग्रेस के राधेश्याम मुवेल पहली बार कोई बड़ा चुनाव लड़ रहे हैं। फिर भी उन्होंने सावित्री ठाकुर की राह में मुश्किल खड़ी कर रखी है। मुवेल आदिवासियों से जुड़े एक संगठन के अध्यक्ष हैं। इस नाते वे उनके बीच काम करते हैं और लोकप्रिय भी। देश की राजनीतिक आबोहवा का असर धार में भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राम मंदिर की लहर के सहारे भाजपा को चुनावी वैतरणी पार करने की उम्मीद है। दूसरी तरफ कांग्रेस को आदिवासियों के पार्टी के प्रति झुकाव से उम्मीद है। इस झुकाव की बदौलत ही कांग्रेस ने क्षेत्र की 8 में से 5 विधानसभा सीटों में कब्जा कर रखा है।

ग्राउंड रिपोर्ट

दिनेश निगम 'त्यागी' ⏭ भोपाल

आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित प्रदेश की धार लोकसभा क्षेत्र में भाजपा की सावित्री ठाकुर और कांग्रेस के राधेश्याम मुवेल के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है। भाजपा ने सांसद छत्तरसिंह दरबार का टिकट काट कर पूर्व सांसद सावित्री को चुनाव लड़ाया है। सावित्री 2014 में सांसद थीं। तब पार्टी ने उनका टिकट काट कर छत्तरसिंह को टिकट दिया था। छत्तरसिंह पहले भी दो बार सांसद रह चुके हैं। टिकट काटे जाने से छत्तर सिंह नाराज बताए जाते हैं। वे प्रचार में हिस्सा लेते दिखाई नहीं पड़ रहे हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस की ओर से सबसे अच्छे

सावित्री ठाकुर

राधेश्याम मुवेल

दावेदार नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और सुरेंद्र सिंह बघेल हनी थे, लेकिन ये चुनाव लड़ने के लिए तैयार नहीं हुए। कांग्रेस के राधेश्याम की स्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि चुनाव के बीच उनका टिकट बदले जाने की चर्चा चल पड़ी थी। शिकायत थी कि भाजपा का प्रचार उफान पर है और कांग्रेस के कार्यालय तक नहीं खुले। इन अटकलों के बीच मुवेल उमंग सिंघार से मिले, इसके बाद टिकट बदलने की चर्चा पर विराम लगा। सावित्री ठाकुर सांसद रही हैं और जिला पंचायत अध्यक्ष भी, इसलिए उनके पास चुनाव लड़ने का अनुभव है। भाजपा जैसा मजबूत संगठन उनके साथ है ही। दूसरी तरफ कांग्रेस के मुबेल पहली बार कोई बड़ा चुनाव लड़ रहे हैं। विधानसभा में कांग्रेस ने 5 सीटें जीती हैं, लेकिन कांग्रेस का संगठन मजबूत नहीं। कांग्रेस के विधायक भी उस तरह काम करते नजर नहीं आ रहे, जैसा उन्होंने खुद अपना चुनाव लड़ा। मुद्दों के धरातल पर भी भाजपा मजबूत है। भाजपा के सांसद छत्तरसिंह नाराज हैं तो कांग्रेस के पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी भी पार्टी छोड़कर भाजपा में चले गए हैं। राजूखेड़ी भी धार से तीन बार सांसद रहे हैं और एक भी चुनाव नहीं हारे। फिर भी कांग्रेस ने उन्हें टिकट नहीं दिया तो उन्होंने पार्टी छोड़ दी। धार लोकसभा सीट की जवाबदारी उमंग सिंघार ने ले रखी है।

विधानसभा चुनाव में पिछड़ गई भाजपा

धार में भारतीय जनता पार्टी का कमजोर पहलू यह है कि 4 माह पहले हुए विधानसभा चुनाव में वह कांग्रेस से पिछड़ गई। लोकसभा क्षेत्र के तहत आने वाली 8 में से 5 विधानसभा सीटें कांग्रेस जीत गई, जबकि भाजपा को सिर्फ 3 सीटों से संतोष करना पड़ा। कांग्रेस का पांच सीटों में जीत का अंतर 79 हजार 819 वोट रहा, जबकि भाजपा तीन सीटें 44 हजार 442 वोट के अंतर से जीती। लोकसभा चुनाव की दृष्टि से लगभग 35 हजार वोटों का यह अंतर ज्यादा नहीं है। इससे भी पता चलता है कि धार में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच कड़ा मुकाबला होने वाला है। पिछले चुनाव पर नजर डालें तो 2018 के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने 8 में से 5 सीटें जीती थीं और भाजपा के खाते में 3 सीटें गई थीं, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा लगभग डेढ़ लाख वोटों के अंतर से जीत गई थी। माहौल को देख कर लगता है कि यह इतिहास फिर दोहराया जा सकता है।

धार लोकसभा क्षेत्र में इंदौर का भी एक हिस्सा

भौगोलिक दृष्टि से धार लोकसभा क्षेत्र में इंदौर का भी एक हिस्सा आता है। इसके तहत धार जिले की 7 और इंदौर जिले की एक विधानसभा सीट डॉ अंबेडकर नगर महू आती है। महू भाजपा का गढ़ है। भाजपा की ऊषा ठाकुर यहां से विधायक हैं। विधानसभा का चुनाव वे 34 हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से जीती हैं। शेष 7 सीटों में से 5 सरदारपुर, गंधवानी, कुक्षी, मनावर, धरमपुरी धार जिले की आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित सीटें हैं जबकि धार और बदनावर सामान्य हैं। आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित 5 में से 4 सीटें कांग्रेस के पास हैं। इससे इस वर्ग के कांग्रेस की ओर झुकाव का पता चलता है। इसके विपरीत सामान्य वर्ग की 3 सीटों से 2 भाजपा के पास हैं और कांग्रेस के पास सिर्फ एक सीट है। इससे पता चलता है कि सामान्य वर्ग भाजपा के साथ ज्यादा खड़ा है।

आदिवासी भिलाला, भील समाज की तादाद ज्यादा

धार लोकसभा क्षेत्र आदिवासी बहुल है। यहां भिलाला और भील आदिवासियों की तादाद सबसे ज्यादा है। भाजपा की सावित्री ठाकुर और कांग्रेस के राधेश्याम मुवेल दोनों भिलाला आदिवासी हैं। इसलिए इस समाज के वोटों का बंटवारा हो सकता है। कांग्रेस के आदिवासी नेता कांतिलाल भूरिया इसी समाज से हैं। इसके अलावा लोकसभा क्षेत्र में पाटीदार, सिरवी, जाट के साथ पिछड़ वर्ग के मतदाताओं की बड़ी तादाद है। सामान्य वर्ग का मतदाता बदनावर, महू और धार में ज्यादा है। समाजों को अपनी ओर आकर्षित करने के उद्देश्य से भाजपा- कांग्रेस संबंधित समाजों के नेताओं को प्रचार के लिए तैनात कर रही है। लोगों का कहना है कि यहां हिंदू, मुस्लिमों के बीच ध्रुवीकरण ज्यादा होता है।

चाय पे चर्चा

⏩ सोनागिरी पिपलानी स्थित ओम टी स्टॉल पर भोपाल में लोकसभा उम्मीदवारों को लेकर आम जनता ने की चर्चा

भोपाल में चुनावी टक्कर, दोनों प्रत्याशी दमदार, जनता का वोट तय करेगा जीत

लोकसभा चुनाव के लिए मतदान का दिन जैसे ही नजदीक आ रहा है, चुनावी सरगर्मी भी बढ़ती नजर आ रही है। राजनीति से जुड़े लोग तो जीत-हार का आंकलन कर रहे हैं, लेकिन आम मतदाता अभी तक खामोश है। अंदर ही अंदर कहा जा रहा है कि इस बार भी यहां एक प्रमुख दल के उम्मीदवार को बढ़त मिलेगी। इस तरह की बातें आम लोगों में चाय की दुकान पर सुनी जा रही है। शनिवार को हरिभूमि की टीम सोनागिरी पिपलानी स्थित ओम टी-स्टॉल पहुंची, जहां चाय की चुस्कियों के साथ जगदीश मेहड़े,

कालीचरण, हमीर सिंह और भगवत विश्वकर्मा चर्चा कर रहे थे। जगदीश और कालीचरण ने कहा कि इस बार कांग्रेस के अरुण श्रीवास्तव की स्थिति मजबूत है। आलोक शर्मा हाल ही में विधानसभा का चुनाव भी हारे हैं। ऐसे में आलोक की जीत आसान नहीं होगी। इधर, इंडिया गठबंधन के तहत अन्य पार्टियां भी कांग्रेस का समर्थन कर रहे हैं। इन लोगों की बात खत्म भी नहीं हुई थी कि हमीर सिंह ने कहा कि इस बार मोदी की लहर है। ऐसे में उम्मीदवार को लेकर कोई बात नहीं की जा सकती है।

फर्स्ट टाइम वोटर

मैं वोट करूंगा, दूसरे लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करूंगा

युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिले, शिक्षा प्रणाली ओर बेहतर हो, इन मुद्दों को लेकर ही युवा इस बार लोकसभा चुनाव में मतदान करेगा। हमारी गति, दिशा, अप्रोच कैसी होगी, इसका एक माध्यम मतदान होगा। जरूरी है कि भारत का भाग्य उज्जवल बनाने के लिए वोट दें। इसके लिए मैं वोट करूंगा। दूसरे लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करूंगा। एक वोट भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाएगा। आपका एक वोट भारत में डिजिटल क्रांति को एक और ऊर्जा देगा।

हिमांशु श्रीवास्तव, युवा मतदाता

परिवार के लोगों को भी वोट डालने के लिए प्रेरित करूंगी

दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा लेने के लिए फर्स्ट टाइम वोटर के रूप में बहुत ज्यादा एक्साइटेड हूं। मैं क्लीयर माइंड से वोट दूंगी। मैं अपनी पसंद के नेता को वोट करूंगी। लोकसभा चुनाव में लोकल मुद्दे तो कम होते हैं। यह चुनाव केंद्रीय व देश के विकास के मुद्दों पर होता है। इसी को ध्यान में रखकर कि कौन सी पार्टी देश के विकास में अहम भूमिका निभा सकेगी। उसको वोट दूंगी। परिवार के लोगों को भी वोट डालने के लिए प्रेरित करूंगी।

संगम शर्मा, युवा मतदाता

छत्तीसगढ़ के सीएम ने पन्ना में जनसभा की

कांग्रेस अपना घर ही नहीं संभाल पा रही, भगदड़ मची है: साय

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

कांग्रेस पार्टी सहित पूरा विपक्ष आज जनता का विश्वास खो चुका है। कांग्रेस के घर में भगदड़ मची है, उन्हें प्रत्याशी नहीं मिल रहे हैं। छद् में पांच साल मुख्यमंत्री रहे कांग्रेस नेता की भाभी ने भाजपा ज्वॉइन की। कांग्रेस अपना घर नहीं संभाल पा रही है।

यह बात छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शनिवार को पन्ना जिले के पवई विधानसभा के कल्दा एवं कटनी के बहोरीबंद में जनसभा को संबोधित करते हुए कही।

कांग्रेस कार्यकर्ता हुए भाजपा में शामिल

कटनी के बहोरीबंद में सभा के दौरान छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के समक्ष क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ता रामजी पटेल खिरवा, लक्ष्मण चक्रवर्ती, दयाराम आदिवासी, सुशील पटेल बरहटा, रामकुमार यादव आदि ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

छत्तीसगढ़ सीएम साय ने बहोरीबंद में सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि खजुराहो में कांग्रेस, सपा मैदान छोड़ चुकी हैं।

मोदी लाए गरीबों के जीवन में खुशियां: शर्मा

कल्दा में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने बीते 10 सालों में जिस तरह से गरीब कल्याण के काम किए हैं, उससे गरीबों के जीवन में बदलाव आया है। इसीलिए देश और प्रदेश की जनता ने यह तय कर लिया है कि नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है। पवई विधानसभा के कल्दा में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि गरीबों का जीवन बदलने का अभियान चल रहा है। प्रधानमंत्री बनते ही मोदी ने कहा कि देश में कोई गरीब, आदिवासी भाई झोपड़ी में नहीं रहेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री ने रीवा लोकसभा में जनसभाओं को किया संबोधित

राहुल गांधी वामपंथियों के बंधक, इंडी गठबंधन टिकने वाला नहीं: शिवराज

चौहान ने कहा: राहुल जहां जाते है, वहां दूसरी पार्टी के वोट बढ़ जाते हैं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रीवा लोकसभा क्षेत्र में कई नगरों व ग्रामों में जनसभा को संबोधित किया। चौहान ने कहा कि राहुल गांधी वामपंथियों के बंधक हैं। राहुल जहां जाते हैं, दूसरी पार्टियों के वोट बढ़ जाते हैं।

जनता की सेवा ही हमारे लिए भगवान की पूजा

चौहान ने कहा कि भाजपा केवल देश और जनता की सेवा के लिए है। जनता की सेवा ही हमारे लिए भगवान की पूजा है। मैं मैया से एक ही चीज मांगता हूं। मां मुझे धन, बल, नहीं चाहिए। बस मुझे बार-बार जन सेवा करने का मौका मिले।

जो पैसा खाएगा, वो जेल जाएगा

पूर्व मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि ये इंडी गठबंधन इस चुनाव में न तो बचने वाले है, न चलने वाले हैं। आज कल कुछ लोग जेल में हैं, आरोप लगाए जाते हैं ईडी, इनकम टैक्स। अगर कोई नेता पैसा खाए तो उसके खिलाफ कार्रवाई होना चाहिए या नहीं..? नेता कोई विशेष अधिकार लेकर नहीं आया है। जो पैसा खाएगा वो जेल जाएगा। ये तो कांग्रेस के जमाने में होता था कि कितना भी भ्रष्टाचार कर लो, लेकिन कुछ नहीं होने वाला, बस जांच चलेगी और मामला खत्म हो जाएगा, लेकिन पीएम मोदी ने कह दिया न खाऊंगा न खाने दूंगा, इसलिए भ्रष्टाचारी जेल जा रहे हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त ने पन्ना में सामाजिक सम्मेलन, गुन्नौर में त्रिदेव और पंच परमेश्वर सम्मेलन को किया संबोधित

लोकसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं को पूरी ताकत से करना है काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

लोकसभा चुनाव के आने वाले चरणों में हमें भ्रम नहीं पालना है की मैदान साफ है और कोई नहीं है। यह और बड़ा चैलेंज है, इसलिए पूरी ताकत के साथ कार्यकर्ताओं को काम करना है। जनहितैषी योजनाओं को घर-घर जाकर बताकर ज्यादा से ज्यादा मतदान करने की बात कहनी होगी। यह चुनाव सबसे हटकर चुनाव है।

इसलिए पार्टी के कार्यकर्ताओं को ज्यादा मेहनत करनी होगी कि हर सीट पर प्रचंड वोटों से जीत हासिल करके नया इतिहास रचा जा सके। यह बात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने शनिवार को पन्ना जिले के गुन्नौर में त्रिदेव और पंच परमेश्वर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि कुछ बूथ हम पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनाव में हारे थे, लेकिन अब लोकसभा चुनाव में उन बूथों को जीतकर हमेशा के लिए हारे हुए बूथों को पार्टी का बूथ बनाना है।

मोदी के नेतृत्व में मुस्लिम समाज में बड़ा बदलाव आया

प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारण मुस्लिम समाज में अब बड़ा बदलाव आया है। तीन तलाक को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाप्त कर दिया। प्रधानमंत्री आवास योजना हो या आयुष्मान कार्ड योजना सहित अन्य जनहितैषी योजनाएं सभी का लाभ मुस्लिम समाज को मिल रहा है। मुस्लिम समाज की महिलाएं और पुरुष अब खुलकर कहने लगे हैं कि हमारे जीवन में अगर बदलाव आया है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारण आया है।

समाजवादी पार्टी भी मैदान छोड़कर भाग गई

प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा खजुराहो लोकसभा सीट से पहले कांग्रेस ने मैदान छोड़ दिया, फिर समाजवादी पार्टी भी मैदान छोड़कर भाग गई। अब कोई और चुनाव लड़ रहा है, जिनका यहां कोई असर हमें दिखाई नहीं देता। गृह और सहाकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा था कि कार्यकर्ताओं की ताकत कुछ भी कर सकती है।

कुशवाहा और स्वर्णकार समाज की बैठक को किया संबोधित

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने लव कुश वाटिका पन्ना में कुशवाहा एवं स्वर्णकार समाज की बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि पिछड़ा वर्ग लगातार भाजपा के साथ रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने पिछड़ा वर्ग का सदैव सम्मान किया है। इसी का परिणाम है कि आज भारतीय जनता पार्टी से पिछड़ा वर्ग की कई मंत्री हैं।

कांग्रेस के पूर्व विधायक शुक्ला समेत 100 से अधिक कांग्रेसी भाजपा में शामिल

कांग्रेस ने कार्यकर्ताओं को राजनीति में अवसर नहीं दिया: डॉ. मोहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भाजपा प्रदेश कार्यालय में शनिवार को कांग्रेस के पूर्व विधायक हरिवल्लभ शुक्ला सहित 100 से अधिक कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने सभी को सदस्यता दिलाई और स्वागत किया। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं न्यू ज्वॉइनिंग टोली के प्रदेश संयोजक डॉ. नरोत्तम मिश्रा, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी सहित अन्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राजनीति में कभी भी कांग्रेस ने कार्यकर्ताओं को समान अवसर नहीं दिया।

आज संविधान बचाने की बात जगह-जगह कहते हैं, लेकिन राजनीति में सभी को समान अवसर देने की बात संविधान लागू होने के समय कही गई थी, लेकिन कांग्रेस ने संविधान को नहीं परिवारवाद को लागू कर अपने परिवार को बढ़ाने का काम किया। आज भी देश में कई पार्टियों में परिवारवाद को ही महत्व दिया जाता है। लोकतंत्र और संविधान से उनका कोई लेना-देना नहीं है। सिर्फ भारतीय जनता पार्टी में ही छोटे से कार्यकर्ता को भी बड़ा मौका मिलता है।

मुख्यमंत्री लाए पुंगनूर गाय और नंदी, किया पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पुंगनूर गाय की तस्वीरें पोस्ट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज अत्यंत शुभ दिन है, जब सौभाग्य से निवास पर गोमाता मीरा और नंदी महाराज गोपाल का का आंध्र प्रदेश से आगमन हुआ है। गोमाता की सेवा से जीवन धन्य करना परम पुण्यदायक है।

बातचीत कर हालचाल जाना

दिव्यांगों को मुख्यमंत्री ने कराई सड़क पार

भोपाल। खंडवा में नामांकन रैली के दौरान शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तीन दिव्यांगों को सड़क पार कराइ। इसके उन्होंने दिव्यांगों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव भाजपा कार्यालय से नामांकन रैली के लिए जा रहे थे। इस दौरान यातायात के कारण सड़क पार करने में दिव्यांगों की कठिनाई को देखकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव अपनी गाड़ी से उतरे और उन्हें सड़क पार कराई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भाजपा प्रत्याशी ज्ञानेश्वर पाटिल के नामांकन और प्रचार के लिए खंडवा पहुंचे थे।

पेज एक का शेष

उप्र से भागकर राहुल ...

कि इस देश में भी कई देश हैं, जो उनकी बंटवारे की मानसिकता को दर्शाता है। इस पाप और घृणित मानसिकता के लिए देश उन्हें कभी माफ नहीं करेगा। पहले चरण के चुनाव ने बता दिया है कि कांग्रेस का कहीं अता-पता लगने वाला नहीं है। राहुल गांधी की मानसिकता और भाषा ऐसी है कि उत्तरप्रदेश से भागकर केरल पहुंचे हैं और अब पूरी पार्टी को समुद्र में डुबोकर ही मानेंगे, क्योंकि राहुल गांधी ने कभी भारत को समझा ही नहीं, भारत के हित की बात ही नहीं की। जिनके नाना, दादा, पिता ने दशकों तक सरकार चलाई, मम्मी ने रिमोट से सरकार चलाई, उन राहुल गांधी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री के आदेश को सरेआम फाड़ दिया।

देश में गाय, गंगा ...

की। अब झूठ बोल रहे हैं कि एक बार सरकार बनवा दो, एक झटके में गरीबी दूर कर देंगे। पूरे खानदान ने सत्ता पर राज किया, लेकिन गरीबी दूर नहीं की, अब किस मुंह से झूठ बोल रहे हो।

अब बड़े बदलावों के...

की है। उन्होंने विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा पेश नए कानूनों को लेकर आयोजित एक कॉन्फ्रेंस में कहा कि तीन नए कानून समाज के लिए बेहद ही जरूरी है और देश न्याय प्रणाली में ऐसे बदलावों के लिए तैयार भी है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि इन 3 नए कानूनों से भारतीय समाज में एक नए अध्याय की शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि नए कानून भारत के क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में अभूतपूर्व बदलाव लाएंगे और पीड़ित पर भी ध्यान दिया जाएगा। सीजेआई ने कहा कि पुराने क़ानून की सबसे बड़ी खामी उनका बहुत पुराना होना था। वो क़ानून 1860, 1873 से चले आ रहे थे। सीजेआई ने कहा कि नए कानूनों का संसद से पारित होना इस बात का साफ संदेश है कि भारत बदल रहा है और हमें मौजूदा चुनौतियों के लिए नए तरीके चाहिए।

पुराने तरीकों की सबसे ...

जांच में मददगार होगी। उन्होंने कहा कि नए कानून नई जरूरतों के लिए हैं लेकिन हमें ये सुनिश्चित करना होगा कि इंफ्रास्ट्रक्चर पर्याप्त रूप से विकसित हो और जांच अधिकारीयों को ट्रेनिंग मिले।

भारत ने दुनिया को ...

ने आईएमएफ और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों के मौके पर बताया कि वैश्विक स्तर के लिए प्रासंगिक कई मुद्दों पर आम सहमति बनाने में जी-20 में भारत की अध्यक्षता की व्यापक सराहना हो रही है। सेठ ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था ने चुनौतीपूर्ण वैश्विक हालात के बावजूद निरंतर खपत तथा निवेश के मामले में पिछले साल मजबूत वृद्धि दर्ज की है। उन्होंने विश्व बैंक समिति को बताया कि वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान जिसे दूसरे अग्रिम अनुमान में 7.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.6 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं, अजय सेठ ने विकास समिति को बताया कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत की निरंतर वृद्धि के अनुरूप भारतीय पूंजी बाजार वित्त वर्ष 2023-24 में उभरते बाजारों में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले बाजारों में से एक बना हुआ है।

3 दिन तक बादलों ...

छाएंगे। विदिशा, रायसेन और सीहोर सहित कुछ अन्य जिलों में कहीं-कहीं तेज हवाओं के साथ गरज-चमक और बौछारें पड़ेंगी। इससे दिन के तापमान में मामूली कमी आएगी, लेकिन रात का पारा बढ़ेगा। दिन में धूप के असर से उमस भी बढ़ेगी। शनिवार को प्रदेश में औसत अधिकतम और न्यूनतम तापमान में करीब 15 डिग्री का अंतर रहा, जिससे दिन सामान्य और रातें तपीं। प्रदेश में सबसे अधिक रात का पारा ग्वालियर में 4 डिग्री बढ़कर 28 डिग्री रहा, जो नॉर्मल से 5.5 डिग्री अधिक है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार 24 घंटे में कहीं-कहीं बादल और बौछारें पड़ेंगी।

प्रदेश में औसत दिन...

रहा। प्रदेश में औसत दिन का पारा 40 और रात का 25 डिग्री तक दर्ज हुआ है। भोपाल में दिन का पारा दशमलव 6 डिग्री गिरकर 38.9 और रात का दशमलव 8 डिग्री बढ़कर 25.6 डिग्री रहा।

मस्क ने टाली भारत....

है। उनका भारत के स्पेस स्टार्टअप फाउंडर्स के साथ एक राउंडटेबल कार्यक्रम था। इसके अलावा वह सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक भी करने वाले थे। मस्क की भारत यात्रा उनके अमेरिका में एक कार्यक्रम से मेल खा रही थी। मस्क को 23 अप्रैल को टेस्ला की पहली तिमाही के प्रदर्शन के बारे में सवालों का जवाब भी देना है। 10 अप्रैल को एलन मस्क ने सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया था कि वह पीएम मोदी से मिलने के लिए उत्सुक हैं। मस्क की भारत यात्रा की घोषणा से कुछ हफ्ते पहले भारत सरकार ने एक नई इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण नीति अधिसूचित की थी। इससे सरकार को मेक इन इंडिया के लिए प्रतिबद्ध इलेक्ट्रिक कार कंपनियों को टैक्स रियायत मिलने वाली थी। नई ईवी नीति ने 15 प्रतिशत आयात शुल्क पर पूरी तरह से निर्मित (सीबीयू) कारों के आयात का रास्ता बना दिया। 2021 में टेस्ला ने नोडल केंद्रीय मंत्रालयों को पत्र लिखकर पूरी तरह से असेंबल की गई कारों पर आयात शुल्क में कटौती की मांग की थी और कार की कीमत के आधार पर शुल्क को 100 प्रतिशत से घटाकर 40-15 प्रतिशत करने के लिए कहा था। नई नीति ने उस मांग को पूरा किया है। देश का ऑटोमोटिव सेक्टर का मार्केट कैप 12.5 लाख करोड़ रुपए का है।

गर्व से कहता हूं...

रखना चाहिए कि धर्म राजनीतिक अभियान का विषय नहीं है। क्या उनके पास राम मंदिर का पट्टा है? ये मंदिर आपके और हमारे चंदे से बना है। हम धर्म को राजनीतिक मंच पर नहीं लाते। नाथ ने एक रैली को संबोधित करते हुए 'जय श्री राम' के नारे लगाए। रैली में आई भीड़ से इसे दोहराने का आग्रह करते हैं। इस मौके पर कमलनाथ ने कहा कि आज संविधान से छेड़छाड़ का प्रयास किया जा रहा है। संविधान में बदलाव करने की कोशिशें हो रही हैं। भारतीय जनता पार्टी ऐसे प्रयास कर रही है। उनका लक्ष्य संविधान को बदलना है। आपलोग संविधान, प्रजातंत्र के रक्षक हैं। इस चुनाव के यही मायने हैं। कमलनाथ ने कहा कि मैंने छिंदवाड़ा में सबसे बड़ा हनुमान मंदिर बनवाया पर कभी इसका प्रचार नहीं किया।

इंजीनियरिंग करते हुए ...

15 दिन बाद ही मेरा यूपीएससी प्रीलिम्स एग्जाम था। एक मेंटल ट्रॉमा से मैं उसे वक्त गुजरी। मुझे समझ ही नहीं आ रहा था कि मैं क्या करूं क्या न करूं? मेरे पिता रिटायर्ड प्रिंसिपल थे और भूगोल के लेक्चरर थे, इस वजह से हम सभी भाई बहनों का पढ़ाई में काफी इंटरेस्ट रहा। उनके जाने के बाद पढ़ाई के लिए मैं एक साल के लिए दिल्ली गई और वहां मैंने अपनी सिविल सर्विस की पढ़ाई की। यह कहना है यूपीएससी 2023 में 758 रैंक लाने वाली सागर जिले की सोफिया सिद्दकी का।

2021 में सिर्फ 2 ...

एग्जाम को क्रैक कर पाऊं। लेकिन उस वक्त मेरे बड़े भाई बहनों ने मुझे सपोर्ट किया और

आगे पढ़ने के लिए मोटिवेट किया, उन चारों ने मुझे समझाया कि अम्मी-अब्बू का ख्वाब था कि तुम एक अधिकारी बनो और उस ख्वाब को तुम्हें अब जरूर पूरा करना है, वह जहां भी होंगे, तुम्हें हमेशा दुआएं दे रहे होंगे। बस अपने परिवार के हौसले की वजह से मैंने हार नहीं मानी और साल 2023 में यूपीएससी एग्जाम पूरी शिद्दत से दिया और मेरा प्रीलिम्स निकाला और उसके बाद मैंस और इंटरव्यू निकाला और इस प्रकार अपने छठे और अंतिम प्रयास से मैंने यूपीएससी इम्तेहान पास किया।

जयदीप, प्राची यादव समेत चार खिलाड़ियों ने जापान में गोल्ड जीतकर लहराया परचम

टीम ने 5 सिल्वर, एक ब्रॉन्ज के साथ जीते 10 पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

टोक्यो जापान में चल रही पैरा केनो एशियाई चैंपियनशिप व केनो स्प्रिंट एशियाई चैंपियनशिप प्रतियोगिता में भारतीय पैरा कैनो में अपने रिकार्ड को कायम करते हुए 4 गोल्ड 5 सिल्वर 1 कांस्य पदक प्राप्त कर भारत का नाम रोशन किया। गोल्ड लेने वाली टीम में जयदीप, प्राची यादव, सुरेंद्र ढाका, पूजा ओझा, शामिल हैं वहीं सिल्वर मैडल टीम में गजेंद्र शबाना, रजनी, यश कुमार, सोनम शामिल हैं। वहीं संगीता ने एक ब्रांज पदक प्राप्त किया। पैरा केनो व कैनो स्प्रिंट टीम 18 से 21 अप्रैल तक आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने 12 अप्रैल को दिल्ली से जापान के लिए रवाना हुई थी। टीम के साथ मुख्य प्रशिक्षक मयंक ठाकुर और अनिल राठी, नाजिश मंसूरी, रिंकू सिंह सपोर्टिंग स्टाफ के रूप में भारतीय टीम का हिस्सा रहे।

सभी खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया: मयंक

मुख्य प्रशिक्षक मयंक ठाकुर ने बताया कि पैरा केनो टीम के सभी खिलाड़ियों ने अपना बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं भारतीय कयाकिंग कैनोइंग संघ के अध्यक्ष प्रशांत कुशवाहा ने टीम की उपलब्धि पर हर्ष व खुशी जाहिर की व टीम को बधाई दी। पैराकेनो के अतिरिक्त भारतीय केनो स्प्रिंट टीम की खिलाड़ी मेघा प्रदीप ने सी1 500 मीटर में एक कांस्य पदक प्राप्त कर भारत का नाम रोशन किया। इस अवसर पर संघ के पदाधिकारियों ने भारतीय टीम को बधाई शुभकामनाएं दी।

11वीं रेड बुल कप इंटर कॉलेज आईसीपीएल टी 20 क्रिकेट प्रतियोगिता

मैनिट ने भेल कॉलेज को 66, एसएटीआई विदिशा ने स्कोप ग्लोबल को दी शिकस्त

अजीत और चंद्रमा रहे मैन ऑफ द मैच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

खेल संस्कार ग्रुप द्वारा आयोजित आईसीपीएल टी 20 क्रिकेट प्रतियोगिता के तीसरे दिन का पहला मुकाबला भेल कॉलेज एवं मैनिट कॉलेज के बीच खेला गया, जिसमें मैनिट कॉलेज ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 188 रन बनाए।

अनुराग दुबे ने 7 चौके और एक छक्के की मदद से 38 गेंद में 51 रन, अजय सिंह ने 39, अभिनय सिंह ने नाबाद 21 रनों का योगदान दिया। भेल कॉलेज के नदीम ने दो, राज सोनकर ने दो एवं मोहित ने 35 रन देकर दो सफलताएं अर्जित की। बाद में बल्लेबाजी करने उतरी भेल कॉलेज की टीम 17.2 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 122 रन ही बना सकी। तनुष ने 24 गेंद में 31 रन की पारी खेली। इसके अलावा मोहित ने 16 गेंद में 16 रन एवं हर्ष साहू ने 12 गेंद में 13 रनों का योगदान दिया। मैनिट की ओर से नवीन ने 3.2 ओवर में 26 रन देकर 3,अजीत सिंह ने 3 ओवर में 10 रन दिए के 3 एवं आशीष पटेल ने चार ओवर में 24 रन लेकर दो विकेट लिए। इस प्रकार मैनिट ने यह मुकाबला 66 रनों से जीत लिया। इस मैच के मैन ऑफ द मैच शानदार प्रदर्शन करने वाले मैनिट के अजीत सिंह रहे।

एसएटीआई के 151 के सामने ग्लोबल 135 पर ढेर

दिन का दूसरा मुकाबला एसएटीआई कॉलेज विदिशा और स्कोप ग्लोबल के बीच खेला गया। एसएटीआई कॉलेज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 151 रन बनाए। ज्ञानेंद्र सुने ने 6 चौके की मदद से 30 गेंदों में 33 रन बनाए। विकास ने 25 गेंदों में 35 रनों का योगदान दिया। इसके अलावा चंद्रमा ने 11 गेंदों में 25 रनों की पारी खेली। स्कोप ग्लोबल की ओर से जावेद खान ने 4 ओवर में 24 रन देकर 2 विकेट आयुष ठाकुर ने 4 ओवर में 18 रन देकर 1 विकेट लिया। जवाबी बल्लेबाजी में स्कोप ग्लोबल की टीम 19.2 ओवर में 10 विकेट पर 135 रन बना सकी, जिसमें चंदन कुशवाह ने 47 गेंदों में 46 रन का योगदान दिया। इसके अलावा जावेद खान ने 12 गेंदों में 20 रन आयुष ठाकुर ने 15 गेंदों में 15 रन का योगदान दिया। एसएटीआई कॉलेज विदिशा की ओर से चंद्रमा ने 3.2 ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट, अभय प्रताप ने चार ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट एवं विकास ने चार ओवर में 21 रन देकर दो विकेट लिए। इस प्रकार एसएटीआई कॉलेज विदिशा ने यह मुकाबला 16 रनों से जीत लिया इस मैच के मैन ऑफ द मैच एसएटीआई कॉलेज विदिशा के चंद्रमा शास्त्री रहे।

हरिभूमि क्लासीफाइड
आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन
संपर्क सूत्र : 9407279644

आवश्यकता

कोमोरी ऑफसेट ऑपरेटर - कोमोरी लिथ्रोन -426,प्रिंटिंग मशीन हेतु कर्मचारियों की अति शीघ्र आवश्यकता है। ऑपरेटर, फिडर मैन, कटिंग मैन, हेल्पर संपर्क - 7566100099- हिन्दुजा ऑफसेट, रायपुर(छत्तीसगढ़) R- 14/04 to 13/05/24

- ट्रक ड्राइवर की आवश्यकता है 14 चक्का लेलेंद्र लाइन में चलने के लिए वेतन- 15000+ फिक्स चक्कर ट्रिप- 15000+ प्रति ट्रिप संपर्क करें- 9109191899. 94252-13622. R- 21/04 to 23/04/24

सिक्योरिटी कंपनी को भारी मात्रा में अनुभवी गार्ड, लेडी गार्ड एवं सुपरवाइजर की आवश्यकता है। आकर्षक वेतन दी जावेगी। तुरंत संपर्क करे। 9630490364, 9993771317 B- 04/04 to 03/05/24

CHANGE OF NAME & DOB

I P. BHAVAANI is Mother of Army No 17019055X Rank-CFN Name Pethakamsetti Manohar Resident at village Nallaregulapalem Post Ammulapalem Tehsil Sabbavaram District Visakhapatnam State Andhra Pradesh Pin Code 531035 have changed my name from P. BHAVAANI to PETHAKAMSETTI BHAVANI and date of birth 09/10/1970 to 01/01/1970 Vide affidavit No BK 436830 dated 06/04/2024 at Bhopal MP Court

CHANGE OF NAME

I P NAGASREE MAMATHA is Legally weded Spouse of Army No 17019055X Rank-CFN Name Pethakamsetti Manohar Resident at village Nallaregulapalem Post Ammulapalem Tehsil Sabbavaram District Visakhapatnam State Andhra Pradesh Pin Code 531035 have changed my name from P NAGASREE MAMATHA to PETHAKAMSETTI NAGASREE MAMATHA Vide affidavit No BK 436838 dated 06/04/2024 at Bhopal MP Court

CHANGE OF NAME

I Army No 17019055X Rank-CFN Name Pethakamsetti Manohar Resident at village Nallaregulapalem Post Ammulapalem Tehsil Sabbavaram District Visakhapatnam State Andhra Pradesh Pin Code -531035 have changed my Son Name from Sohith Ram to Pethakamsetti Sohith Ram vide affidavit No BK 436840 dated 06/04/2024 at Bhopal MP Court

वैवाहिकी
वर चाहिए

वर चाहिए
सोनी वर चाहिए 33 साल की लड़की के लिए अच्छा बिजनेस हो या अच्छी नौकरी हो विधुर छोटे बच्चों वाला लड़का चाहिए जाति बन्धन नहीं केवल छत्तीसगढ़ के ही फोटो और अपना बायोडाटा व्हाट्सएप करें- 9644590164

वधु चाहिए

वधु चाहिए
राजपूत डिवोर्सी 38 वर्षीय स्वयं का व्यवसाय आय 8 लाख सालाना, युवक हेतु घरेलू, संस्कारी, स्लिम, सुंदर, गरीब परिवार की हो या अनाथ हो, वधु चाहिए, कोई दहेज नही। मंदिर में शादी, जाति बंधन नही।
संपर्क करें 9981897950

वधु चाहिए- श्रीवास्तव वर 36 वर्ष, 5'-9'' रंग गोरा, स्वयं का व्यवसाय, शिक्षा बीए, गोत्र कश्यप हेतु वधु चाहिये। सभी सामान्य जाति मान्य। (मैरिज ब्यूरो क्षमा) सम्पर्क करें- 8349730630, 9993712905 (6058)

वधु/वर चाहिए

वर/वधु चाहिए- जीवन साथी चाहिए जाति बन्धन नहीं परिवार में मां है जिस किसी व्यक्ति को रिश्ता करना है सम्पर्क करें- 9575030565 (33809)

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस। 08116592844
R-28/03 to 12/05/24 not on 17/4

आम सूचना, कोर्ट नोटिस, इश्तहार, जाहिर सूचना
@ Rs. 1200/- साइज (फिक्स) 10X4 cm
अन्य साईज में @ Rs. 40 sq.cm
1 अप्रैल 2022 से लागू

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

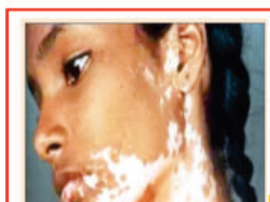

नये दागों का आना तुरन्त बंद
सफेद दाग
गारंटेड इलाज
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें। M : 9425006131, 9827249409
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

कृत्रिंग अंग (पैर)
कैलिपर, एवं शारिरिक सहायक उपकरण बनायें जाते है।
संपर्क करें- मो.9826350154,6266402502
अजंता रिहैविलिटेशन सेंटर 5/4 संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर न्यू मार्केट के पास भोपाल (म.प्र.)

हरिभूमि
रनिंग क्लासीफाइड उठावना, शोक संदेश, जन्मदिन, आमसूचना आम/कोर्ट नोटिस

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे। - व्यावस्थापक

राशिफल

मेष मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में कुछ समस्याएं आ सकती हैं। भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है।

मिथुन मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। परिवार का साथ मिलेगा। किसी मित्र के सहयोग से आय के स्रोत विकसित हो सकते हैं।

सिंह शैक्षिक कार्यों में कठिनाई हो सकती है। सचेत रहें। किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार के लिए विदेश यात्रा लाभप्रद रहेगी।

कन्या मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु नौकरी में अफसरों से व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कोई जिम्मेदारी मिल सकती है।

तुला आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

वृश्चिक आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। आत्मसंयत भी रहे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। परन्तु जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

मकर वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। आय में वृद्धि होगी।

कुंभ मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। क्रोध से बचें। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

मीन शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

शब्द पहेली - 5488

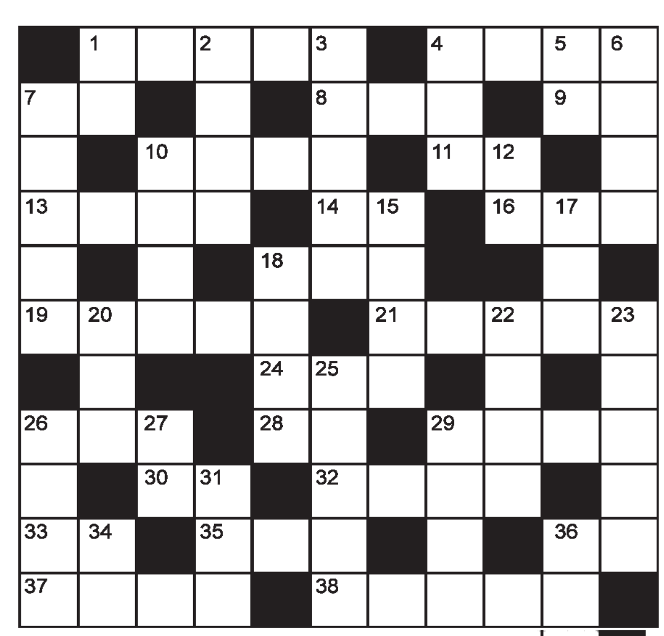

बाएँ से दाए
1. अनाथालय-5
4. जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7. कमरा, रूम-2
8. फिजूल-3
9. अंग्रेजी शराब-2
10. अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11. लक्ष्मी, कमला-2
13. ध्वनिहीनता, शांति-4
14. देवता, देव-2
16. प्रणाम, नमस्कार-3
18. रुधिरहीन, कमजोर-3
19. प्रस्थान करना-3,2
21. पालने वाला, ईश्वर-5
24. प्रेम, चाहना-3
26. वन, अरण्य, जंगल-3
28. विदेशी मदिरा-2
29. छिड़कना-4
30. धूल, मिट्टी-2
32. अंगीकार करना-4
33. छापा, सतत वर्षा-2
35. विरुद्ध-3
36. सुबह, प्रातःकाल-2
37. जोकर, विदूषक-4
38. संन्यासी, साधु-3,2

ऊपर से नीचे
1. इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2. उदारता, बड़प्पन-4
3. पत्नी का नाना-2,3
4. दसवीं राशि -3
5. बहादुर, निडर-2
6. एक मुस्लिम महीना-4
7. कहानी लेखक-5
10. नाव चलाना-2,2
12. सम्मान-2
15. मारकाट, खून खराबा-4
17. पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18. कुकर्म, दुष्कर्म-4
20. गाड़ी, यान-3
22. इंकार करना-4
23. रचना करनेवाला, रचयिता -5
25. जीवनसाथी-5
26. कारोबार, व्यवसाय-4
27. मादा का विलोम-2
29. निर्झरणशील-4
31. ढेर, काफी सारा (उर्दू-3)
34. मजा, आनंद-2
36. भोगने वाला, कामी-2

शब्द पहेली - 5487 का हल

अ	स	ह	नी	य	■	■	क	लि	का	■
प	र	■	ला	■	सा	ग	र	■	बु	आ
ह	■	■	प	ह	रा	■	ण	■	■	खे
र	स	खा	न	■	■	म	■	क	प	ट
ण	■	लि	■	न	भ	च	र	■	रा	■
■	आ	स	■	सी	■	ल	■	ग	स्त	■
■	रा	■	प	ह	न	ना	■	रु	■	ड
शा	म	त	■	त	■	■	ता	र	ता	र
य	■	■	तै	■	जा	हि	र	■	■	ल
द	म	■	र	सी	ला	■	पी	■	ज	ग
■	न	गी	ना	■	■	म	न	भ	र	ना

सूडोकू नवताल - 5499

★★★★☆ कठिन

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 5498 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

गजब की रहेगी सोने की चाल कर सकता है खूब मालामाल

पिछले कुछ समय में सोना सबसे बढ़िया एसेट क्लास के तौर पर उभरा है। तीन महीने में इस पीली धातु की कीमतें 15 फीसदी तक बढ़ी हैं। यही, नहीं आरबीआई सहित कई उभरते देशों के केंद्रीय बैंक सोने की खरीद में जुटे हैं। सोने को सबसे सुरक्षित निवेश विकल्प के तौर पर माना जाता है। इसमें निवेश कर आप भी मालामाल हो सकते हैं। वैसे भी विशलेषक और सर्राफा बाजार के जानकार इसे निवेश के लिए बढ़िया बता रहे हैं।

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

तीन महीने में 15% की छलांग, निवेशकों की जमकर कमाई

जैसे जैसे सोना चकमकता जा रहा है यह निवेशकों को भी खूब भा रहा है। विशलेषकों और सर्राफा बाजार के जानकारों का कहना है कि इस साल सोना बढ़िया कमाई करवा सकता है। इसकी चाल तेज रहेगी। यह निवेशकों पर खूब पैसे बरसा सकता है। ऐसे में सोने में निवेश आपकी संपत्ति को बढ़ाने में सहायक होगा। वैसे भी निवेशक फर्मों का कहना है कि आपके पोर्टफोलियों में कम से कम 20 फीसदी गोल्ड होना ही चाहिए। यह आपको हर स्थिति से उभारने में मदद कर सकता है। पिछले तीन महीनों में सोना 15% से ज्यादा बढ़ा है। 2024 की शुरुआत से यह सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले एसेट क्लास के तौर पर उभरा है। पिछले तीन महीनों में कई बातों के चलते पीली धातु के दाम ऊपर गए हैं। क्या चमकीली धातु में यह तेजी आगे भी जारी रहेगी? निवेशकों को क्या करना चाहिए? इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको देंगे ऐसी ही जानकारी की क्या ईरान-इजराइल टेंशन के बीच सोने में निवेश का सही समय है। आप किस तरह से सोने में निवेश का बढ़िया रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे ही तमाम सवालों के जवाब इस रिपोर्ट में आपको मिलेंगे।

कई देशों के बैंक खरीद रहे सोना

इस समय भारत और चीन सहित उभरते देशों के केंद्रीय बैंक बीते कुछ महीनों से लगातार सोने की खरीद में जुटे हुए हैं। इसने सोने की कीमतों को मजबूती दी है। सोना पोर्टफोलियो में विविधता लाने और महंगाई से बचाव के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसे सबसे सुरक्षित निवेश विकल्प माना जाता है। इसलिए आप भी इसमें लंबी अवधी के लिए निवेश कर सकते हैं और बुढ़ापे के लिए अच्छा पैसा बचा सकते हैं।

मुश्किल समय में बढ़ते हैं दाम

युद्ध, राजनीतिक अस्थिरता और प्राकृतिक आपदाएं जैसी वैश्विक घटनाओं पर सोने की कीमतों पर असर पड़ता है। मुश्किल समय में सोने की कीमतों में अक्सर बढ़त देखने को मिलती है। जब अर्थव्यवस्था अनिश्चित होती है तो भी सोने की कीमतें आमतौर पर बढ़ जाती हैं। कारण है कि इसे सुरक्षित विकल्प माना जाता है।

निवेशकों को क्या करना

बीते कुछ समय में सोने में निवेश करने वालों के पास मुस्कुराने का कारण रहा है। पिछले तीन महीनों में पीली धातु में 15% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। यह कैलेंडर वर्ष में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले एसेट क्लास में उभरी है। विश्लेषकों को उम्मीद है कि सोने में और तेजी आएगी। कारण है कि कीमती धातु को रफ्तार देने वाले कई फैक्टर पॉजिटिव हैं। इनमें ऊंची महंगाई दर, प्रमुख केंद्रीय बैंकों की ओर से मौद्रिक नीति में नरमी की संभावनाएं और मध्य पूर्व और यूक्रेन में भू-राजनीतिक तनाव शामिल हैं।

सोने में निवेश के तरीके

फिजिकल गोल्ड

सोने की सलाखें और सिक्के: यह सोने में निवेश करने का सबसे पारंपरिक तरीका है। आप अलग-अलग आकारों और शुद्धता स्तरों में सोने की सलाखें और सिक्के खरीद सकते हैं।

सोने की जूलरी: आप सोने की जूलरी में भी निवेश कर सकते हैं, जैसे कि हार, कंगन और अंगूठियां। हालांकि, ध्यान रखें कि जूलरी में सोने की शुद्धता कम होती है और इसका मूल्य निवेश उद्देश्यों के लिए सोने की तुलना में कम होता है।

पेपर गोल्ड

सोने में निवेश करने वाले म्यूचुअल फंड: ये म्यूचुअल फंड सोने की सलाखों और सिक्कों में निवेश करते हैं। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प है जो भौतिक सोने को स्टोर करने और उसका बीमा करने की परेशानी से बचना चाहते हैं।

गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ): ये ईटीएफ सोने की कीमतों को ट्रैक करते हैं और आपको सोने की सलाखों या सिक्कों के बिना सोने में निवेश करने की अनुमति देते हैं।

गोल्ड फ्यूचर एंड ऑप्शन: ये अनुबंध आपको भविष्य में सोने की एक निश्चित कीमत पर खरीदने या बेचने का अधिकार देते हैं।

डिजिटल गोल्ड

सोने में निवेश करने वाले ऐप्स: कई ऐप्स आपको अपने स्मार्टफोन के जरिये सोने में निवेश करने की अनुमति देती हैं। आप छोटी मात्रा में भी सोना खरीद सकते हैं और इसे आसानी से बेच सकते हैं।

***क्रिप्टोकरेंसी:** कुछ क्रिप्टोकरेंसी जैसे कि पाई (पीआई) और डीजीएक्स (डीजीएक्स) सोने से समर्थित हैं। सोने में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका आपकी व्यक्तिगत परिस्थितियों और वित्तीय लक्ष्यों पर निर्भर करता है। निवेश करने से पहले आपको अपनी रिसर्च करनी चाहिए और विभिन्न विकल्पों की तुलना करनी चाहिए।*

डीएसपी म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगली कुछ तिमाहियों में सोना, चांदी और अन्य कीमती धातुओं में तेजी बनी रह सकती है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि सोना अच्छी स्थिति में है। अगर महंगाई की दर ऊंची रहती है तो इसमें बढ़ोतरी होगी। कीमतें कम हो जाती हैं और ब्याज दरों में कटौती होती है तो भी सोना अच्छा प्रदर्शन करेगा। कारण है कि जियो-पॉलिटिकल टेंशन सोने की कीमतों को हवा दे रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म नहीं हुआ। इस बीच ईरान और इजरायल के बीच भी तनाव बढ़ गया है। इनसे सोने की कीमतों को बल मिलेगा।

टैक्स कैसे लगता है

मल्टी-कैप फंड्स पर इक्विटी फंड्स की तरह टैक्स लगता है। उनके ऊपर पूंजीगत लाभ के हिसाब से टैक्स लगता है। एक साल से कम समय के लिए रखे गए फंड से हुई कमाई पर 15% टैक्स लगाया जाता है, और एक साल से ज्यादा समय तक रखे गए फंड से हुई कमाई के मामले में 1 लाख रुपये से अधिक के लाभ पर 10% टैक्स लगाया जाता है। इसका मतलब है कि हर साल 1 लाख रुपये तक का लाभ छूट प्राप्त है। टैक्स की गणना 1 लाख रुपये से ज्यादा की रकम के हिसाब से की जाती है।

मल्टी-कैप फंड्स ने 1 साल में दिया 52% का रिटर्न, एसआईपी से जुटा सकते हैं मोटा फंड

सुझाव

बिजनेस डेस्क

मल्टी-कैप एक प्रकार का इक्विटी म्यूचुअल फंड है, यह लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप कंपनियों में करता है निवेश, मल्टी-कैप फंड में लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप तीनों में 25-25% हिस्सा रखना होगा

मल्टी-कैप म्यूचुअल फंड एक प्रकार का इक्विटी म्यूचुअल फंड है, जो लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप कंपनियों समेत अलग-अलग बाजार पूंजीकरण वाले शेयरों के विविध पोर्टफोलियो में निवेश करता है। बाजार पूंजीकरण से किसी कंपनी के आकार और उसके मूल्य का पता चलता है। अगर आप कम जोखिम के साथ किसी ऐसी स्कीम में निवेश करना चाहते हैं जहां आपको एफडी से ज्यादा रिटर्न मिले तो आप म्यूचुअल फंड की मल्टी-कैप स्कीम्स में निवेश कर सकते हैं। इस कैटेगरी में एसआईपीके जरिये निवेश कर मोटा फंड बनाया जा सकता है। इस कैटेगिरी के फंड्स ने बीते 1 साल में 52% तक का रिटर्न दिया है। सेबी के नए नियमों के अनुसार मल्टी-कैप फंड में लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप तीनों में 25-25% हिस्सा रखना होगा। फंड मैनेजर को न्यूनतम 75% इक्विटी और इक्विटी ओरिएंटेड फंड में निवेश रखना होगा।

मल्टी कैप फंड के प्रकार

लार्ज-कैप फोकस्ड फंड : ये इक्विटी फंड लार्ज-कैप फंडों में अधिक निवेश करते हैं, जबकि बाकी संपत्तियां मिड और स्मॉल-कैप शेयरों में निवेश की जाती हैं। चूंकि ये लार्ज-कैप शेयरों की ओर अधिक झुकाव रखते हैं, इस कारण ये तुलनात्मक तौर पर कम वृद्धि कर सकते हैं।

मिड-कैप या स्मॉल-कैप फोकस्ड फंड: ये इक्विटी फंड मिड और स्मॉल-कैप शेयरों को अधिक वेटेज देते हैं, जबकि बाकी का निवेश लार्ज-कैप शेयरों में किया जाता है। इस कारण ये पूंजी को बढ़ाने की ज्यादा संभावना के साथ ज्यादा जोखिम वाले हो सकते हैं।

इसे ऐसे समझें

मान लीजिए फंड मैनेजर के पास निवेशकों का कुल 100 रुपये हैं। यहां फंड मैनेजर को न्यूनतम 75 रुपये इक्विटी और इक्विटी ओरिएंटेड फंड में निवेश करना होगा। जिसमें 25-25 रुपये लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप तीनों में लगाना होगा। बाकी बचे हुए 25 रुपये फंड मैनेजर अपने हिसाब से निवेश कर सकते हैं।

इनमें रहता है कम जोखिम

यदि आप इक्विटी फंड्स में इन्वेस्ट करना चाहते हैं, लेकिन ज्यादा-रिस्की एक्सपोजर लेना नहीं चाहते, तो आप टॉप-रेटेड मल्टी-कैप फंड्स में इन्वेस्ट कर सकते हैं। मार्केट कैपिटलाइजेशन के हिसाब से ये फंड्स अच्छी तरह डाइवर्सिफाइड भी होते हैं। ये फंड्स, मार्केट के स्थिर रहने पर, स्मॉल और मिड-कैप फंड्स की तुलना में कम रिटर्न दे सकते हैं लेकिन अस्थिर मार्केट कंडीशन में ये फंड्स कम रिस्की होते हैं। इसलिए, यदि आप एक ऐसा फंड चाहते हैं जिसमें कम रिस्क हो तो आप मल्टी-कैप फंड्स आपके लिए सही इन्वेस्टमेंट चॉइस हो सकता है।

किसे निवेश करना चाहिए

निवेशक जो इक्विटी में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन बहुत अधिक जोखिम नहीं लेना चाहते हैं, इन फंड्स में निवेश कर सकते हैं। पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करने का ये अच्छा ऑप्शन है। जो निवेशक एक ही पोर्टफोलियो में जोखिम और अस्थिरता के बीच संतुलन बनाना चाहते हैं, वे भी मल्टी-कैप फंड्स का विकल्प चुन सकते हैं।

एसआईपी के जरिए निवेश करना रहेगा सही

म्यूचुअल फंड में एक साथ पैसा लगाने की बजाय सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के जरिए निवेश करना चाहिए। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित अमाउंट इसमें लगाते हैं। इससे रिस्क और कम हो जाता है क्योंकि इससे इस पर बाजार के उतार चढ़ाव का ज्यादा असर नहीं पड़ता। इसके अलावा एसआईपी के जरिए आप आसानी से बड़ा फंड भी तैयार कर सकेंगे।

- ईएलएसएस स्कीम में मिलता है टैक्स बेनिफिट भी
- कई टॉप इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम्स टॉप पर रही
- ईएलएसएस भी निवेश का अच्छा विकल्प हो रहे

ईएलएसएस फंड ने 5 वर्ष में 34% तक रिटर्न दिया

फैक्ट

बिजनेस डेस्क

देश की कई टॉप इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम (ईएलएसएस) ने पिछले 5 से 10 साल के दौरान शानदार रिटर्न दिए हैं। इनमें से कुछ फंड्स का औसत सालाना रिटर्न तो करीब 25 से 34% तक रहा है। इतना ही नहीं, ईएलएसएस पर मिलने वाला टैक्स बेनिफिट इनमें निवेश को और भी आकर्षक बना देता है। इसलिए इसमें निवेश करना फायदे का सौदा है। आप भी ईएलएसएस में निवेश कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। ईएलएसएस ऐसे म्यूचुअल फंड्स हैं, जिनमें मुख्यतौर पर इक्विटी में निवेश किया जाता है। इस समय इक्विटी निवेशकों की पहली पसंद बनी बना हुआ है। चूंकि इसमे निवेश कर लोग अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं।

ईएलएसएस पर क्या हैं टैक्स बेनिफिट

टैक्स सेविंग इनवेस्टमेंट के लिहाज से इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम (ईएलएसएस) निवेश का अच्छा विकल्प हो सकते हैं। टैक्स सेविंग ईएलएसएस में हर साल 1.5 लाख रुपये तक लगाने पर सेक्शन 80सी के तहत टैक्स छूट मिलती है। इस इनवेस्टमेंट को कम से कम 3 साल तक बनाए रखने के बाद निकाला जाए, तो एक फाइनेंशियल इयर के दौरान 1 लाख रुपये तक का प्रॉफिट लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) माना जाता है, जिस पर टैक्स नहीं लगता। मुनाफा 1 लाख रुपये से ज्यादा होने पर भी टैक्स पेयर के स्लैब की बजाय 10% की दर से एलटीसीजी टैक्स देना होता है। अच्छी बात यह है कि ईएलएसएस में सिर्फ टैक्स बचाने के लिए ही नहीं, बेहतर रिटर्न के लिए भी निवेश किया जा सकता है, जिसकी गवाही आंकड़े देते हैं।

क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 34.79%
- 5 साल में रिटर्न : 34.36%
- 10 साल में रिटर्न: 27.28%

एसबीआई लॉन्ग टर्म इक्विटी फंड

- 3 साल में रिटर्न : 27.21%
- 5 साल में रिटर्न : 22.66%
- 10 साल में रिटर्न : 18.11%

एयूएम : 21,754.29 करोड़ रुपये

एचडीएफसी ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 26.30%
- 5 साल में रिटर्न: 19.28%
- 10 साल में रिटर्न: 16.81%

एयूएम : 14,140.23 करोड़ रुपये

बैंक ऑफ इंडिया ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न: 25.37%
- 5 साल में रिटर्न: 27.00%
- 10 साल में रिटर्न: 20.55%
- एयमएम : 1,181.57 करोड़ रुपये

बंधन ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 23.43%
- 5 साल में रिटर्न: 22.06%
- 10 साल में रिटर्न:19.89%

एयूएम : 6,234.18 करोड़ रुपये

डीएसपी ईएलएसएस टक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 21.36%
- 5 साल में रिटर्न: 21.40%
- 10 साल में रिटर्न: 19.76%
- एयूएम : 14,336.52 करोड़ रुपये

कोटक ईएलएसएस टक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 21.15%
- 5 साल में रिटर्न: 20.85%
- 10 साल में रिटर्न: 19.50%
- एयूएम : 5,191.71 करोड़ रुपये

लंबे निवेश का बेहतर विकल्प

आंकड़ों से साफ है कि ईएलएसएस में निवेश से न सिर्फ टैक्स का बेनिफिट मिलता है, बल्कि लंबे अरसे में वेल्थ क्रिएशन के लिए भी ये अच्छा विकल्प साबित हो सकते हैं। इसलिए ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड लंबे समय तक निवेश करने पर अच्छा रिटर्न मिल सकता है। हालांकि निवेश का फैसला करने से पहले यह बात जरूर ध्यान में रखनी चाहिए कि इक्विटी लिंक्ड स्कीम होने के कारण इसमें बाजार से जुड़ा रिस्क हमेशा बना रहता है। लिहाजा निवेश का फैसला अपने रिस्क प्रोफाइल को ध्यान में रखकर ही करना चाहिए। हालांकि अगर आप इसमें सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश करेंगे, तो एवरेजिंग के कारण रिस्क कम रहेगा।

क्या हैं ईएलएसएस फंड

ईएलएसएस फंड एक इक्विटी म्यूचुअल फंड है जो आपको अपने पैसे को स्टॉक में इन्वेस्ट करने की अनुमति देता है। हालांकि, इसका मतलब हमेशा नहीं है कि आपके पैसे का 100% इक्विटी मार्केट में इन्वेस्ट किया जाएगा। ईएलएसएस फंड, बिना किसी अधिक जोखिम के स्टॉक मार्केट से लाभ उठाने के सबसे अच्छे तरीकों में से एक है। ईएलएसएस फंड का सबसे अच्छा हिस्सा यह है कि वे आपको इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80सी में उल्लिखित प्रावधानों के तहत टैक्स बचाने की अनुमति देते हैं। ईएलएसएस फंड में इन्वेस्ट करके अपनी वार्षिक टैक्सेबल इनकम से रु. 1,50,000 तक की टैक्स छूट का लाभ उठा सकते हैं। टैक्स लाभ को देने के लिए, ईएलएसएस म्यूचुअल फंड में तीन वर्ष की लॉक-इन अवधि होती है। यह समय परक्राम्य नहीं है, और तीन वर्ष से पहले अपने पैसे निकालने का कोई तरीका नहीं है।

पर्सनल लोन से निपटा सकते हैं कई खर्च, लेकिन रहें अलर्ट

- कई आर्थिक मुसीबतों से बचा सकता है पर्सनल लोन
- सभी तरह की व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने में सक्षम

बिजनेस डेस्क

पर्सनल लोन वह अनसिक्योर्ड क्रेडिट होता है जो कोई बैंक या नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी देती है, ये आपकी क्रेडिट हिस्ट्री और आपकी पर्सनल इनकम के आधार पर लोन चुकाने की क्षमता के आधार पर मिलता है। ये कस्टमर लोन के तौर पर भी जाने जाते हैं, ये एक ऑल पर्पज लोन है जो आपकी सभी तरह की व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के लिए लिया जाता है। इक्वेटेड मंथली इंस्टॉलमेंट्स (ईएमआई) लोन चुकाने का माध्यम होती हैं और ये लोन के प्रिंसिपल अमाउंट और लोन के ब्याज को धीरे-धीरे मासिक आधार पर चुकाने का काम करती हैं जब तक लोन पूरी तरह चुकता नहीं हो जाता है। हर ईएमआई में प्रिंसिपल लोन अमाउंट और ब्याज जो चुकाया जाना है उसका कंपोनेंट होता है। चूंकि इस लोन को लेने में कम पेपर वर्क होता है और प्रोसेसिंग में भी कम समय लगता है तो बस आपके पास अच्छा क्रेडिट स्कोर होना चाहिए और आपको ऊंची ब्याज दर चुकाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

पर्सनल लोन ईएमआई कैलकुलेटर क्या है

पर्सनल लोन वो अनसिक्योर्ड लोन होते हैं जो कि किसी व्यक्ति को दिए जाते हैं। जो कोई अपनी आर्थिक जरूरतों को हासिल करना चाहते हैं जैसे कि कर्ज को उतारना, शादी-विवाह आदि के लिए खर्च, अचानक आने वाले मेडिकल खर्च के लिए और अन्य किसी जरूरत के लिए पैसा चाहते हैं, वो पर्सनल लोन लेते हैं। पर्सनल लोन ईएमआई कैलकुलेटर के जरिए आपको होम लोन की इंस्टॉलमेंट्स का पता चल जाता है जो आपको रेगुलर इंटरवल पर देनी होगी। ये आपको होम लोन प्लान लेने में एक बेहद जरुरी फाइनेंशियल प्लानिंग टूल के रूप में काम आता है और आप अपना निर्णय ले पाते हैं।

ईएमआई कैलकुलेशन कैस मदद हो पाती है

ईएमआई कैलकुलेशन आपको स्पष्ट रकम के बारे में बताता है कि हर महीने आपको कितनी रकम होम लोन चुकाने में देनी होगी, जिससे आप एक सही फैसला ले सकते हैं कि लोन लेना आपको बजट में है या नहीं। ये आपको लोन की कॉस्ट से जुड़ी अन्य बातों के बारे में भी बताता है, जिससे आप जान पाते हैं कि पर्सनल लोन लेने के बाद आपको हर महीने कितनी रकम अलग निकालकर रखनी होगी और आप लोन लेने की स्थिति में है या नहीं।

ईएमआई जांचने के फायदे

- लोन लेने की क्षमता जांच सकते हैं।
- लोन का कुल अमाउंट और टेन्योर जांच सकते हैं।
- लोन रीपेमेंट की योजना बना सकते हैं।
- प्रीपेमेंट की योजना बना सकते हैं।
- पर्सनल लोन लेने के क्या कारण हो सकते हैं।
- महंगी शादी के लिए लिया जा सकता है।
- किसी बड़ी खरीदारी के लिए हो सकता है।
- मेडिकल इमरजेंसी के लिए।
- घर की मरम्मत या सुधार के लिए।
- क्रेडिट कार्ड के कर्ज को चुकाने के लिए।

तैयारी बच्चे भी टैक्स बचाने में कर सकते हैं मदद, ऐसे समझें गणित

टैक्स बेनिफिट फायदा उठाकर वित्तीय बोझ कर सकते हैं कम

बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए ज्यादा से ज्यादा टैक्स बचाएं

जानकारी

बिजनेस डेस्क

टैक्स बचाने के लिए नौकरी पेशा लोग तमाम जतन करते हैं। बच्चों के भविष्य के लिए बचत भी बेहद जरूरी है। ऐसे में बच्चे भी टैक्स बचत करवाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। माता-पिता बनने के बाद तमाम जिम्मेदारियों और खुशियों के बीच अक्सर इस पहलू को नजरअंदाज कर दिया जाता है कि बच्चों के कारण परिवार को टैक्स में छूट मिलता है। परिवार में बच्चों की मौजूदगी और उनकी परवरिश से मिल रही खुशी के इतर सरकार द्वारा भी पैरेंट्स को वित्तीय सपोर्ट मिलती है ताकि माता-पिता को बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल, शिक्षा पर होने खर्चों और उनकी जरूरतों को पूरा करने में कम परेशानी हो। छोटे बच्चों के कारण पेरेंट्स को मिलने वाले टैक्स बेनिफिट के बारे में समझकर और उनका ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाकर परिवार के वित्तीय बोझ को काफी हद तक कम किया सकता हैं। इसके साथ ही बच्चों को बेहतर भविष्य दिया जा सकत हैं। परिवार का टैक्स बचाने में आपके बच्चे भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। आइए जानते हैं कि कैसे आप पैरेंट्स बनने के बाद ज्यादा से ज्यादा टैक्स में छूट का लाभ पा सकते हैं।

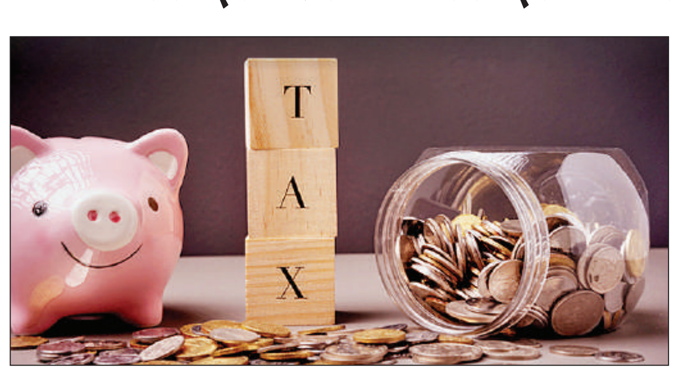

बच्चों की फीसः नर्सरी से पोस्टग्रेजुएशन तक

- नौकरी पेशा वाले टैक्सपेयर्स अपने बच्चों की शिक्षा लागत में मदद करने के लिए कॉस्ट ऑफ कंपनी (सीटीसी) स्ट्रक्चर के हिस्से के रूप में आयकर अधिनियम की धारा 10(14) के तहत कुछ भत्ते के हकदार हैं। इनमें भत्तों में शिक्षा और हॉस्टल खर्च शामिल है।
- **बच्चों की शिक्षा भत्ता:** हर एक बच्चे के लिए प्रति माह 100 रुपये की कटौती, दो बच्चों के लिए अधिकतम 2,400 रुपये सालाना तक।
- **बच्चों की हॉस्टल भत्ता:** हर एक बच्चे के लिए प्रति माह 300 रुपये की कटौती, दो बच्चों के लिए अधिकतम 2,600 रुपये सालाना।

ट्यूशन फीस पर भी छूट : इसके अलावा बच्चों की शिक्षा के लिए भुगतान की गई ट्यूशन फीस इनकम टैक्स की धारा 80सी के तहत कटौती योग्य है। माता-पिता अलग से सालाना 1.5 लाख रुपये तक की कटौती का डिडक्शन क्लेम कर सकते हैं। यह टैक्स डिडक्शन भारत में स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों या अन्य शैक्षणिक संस्थानों में दो बच्चों तक के लिए भुगतान की जाने वाली ट्यूशन फीस को कवर करती है। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह कटौती ट्यूशन फीस के लिए विशिष्ट है और इसमें अन्य शुल्क शामिल नहीं हैं, जैसे कि पार्ट-टाइम या इंटरनेशनल कोर्स पाठ्यक्रमों के लिए।

सुकन्या समृद्धि योजना

धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स बेनिफिट्स के साथ-साथ टैक्स फ्री रिटर्न भी देती है। यह मुख्य रूप से बालिका शिक्षा और विवाह के लिए है क्योंकि राशि का निवेश केवल 21 वर्ष की आयु तक किया जा सकता है। सुकन्या समृद्धि अकाउंट किसी भी पोस्ट ऑफिस या बैंक शाखा में खुलवाया जा सकता है। बेटी के जन्म के समय या फिर 10 साल की उम्र तक यह खाता खुलवाया जा सकता है। खाता खुलवाने के समय कम से कम 1000 रुपये और एक वित्त वर्ष में अधिकतम 1.5 लाख रूपये जमा करवाने होते हैं।

बीमा योजना

बच्चों की शैक्षणिक भविष्य को वित्तीय सुरक्षा देने के लिए, माता-पिता को बच्चों के नाम पर बीमा योजनाओं और यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान जैसे निवेश स्कीम पर विचार करने की सलाह दी जाती है। ये उपकरण न सिर्फ टैक्स बेनिफिट देते हैं बल्कि योगदान देने वाले माता-पिता की मृत्यु जैसी अप्रत्याशित परिस्थितियों के मामले में वित्तीय सुरक्षा भी प्रदान करते हैं। यानी बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए आप पीपीएफ, सुकन्या समृद्धि खाता, म्यूचुअल फंड्स खाता, ट्रेडिशनल इंश्योरेंस पॉलिसी जैसे स्कीम की मदद ले सकते हैं। इसमें आप जो निवेश करेंगे, उस पर सेक्शन 80C के तहत डिडक्शन मिलता है।

एजूकेशन लोन

एजूकेशन लोन पर ब्याज के बिना किसी ऊपरी सीमा के धारा 80ई के तहत टैक्स डिडक्शन के लिए पात्र है। यह प्रावधान विशेष रूप से हायर इनकम वाले परिवारों के लिए फायदेमंद है और यह सुनिश्चित करता है कि वित्तीय बाधाओं के बावजूद हायर एजुकेशन का सपना पहुंच के भीतर बना रहे। बच्चे की पढ़ाई के लिए आप एजुकेशन लोन लेकर सेक्शन 80ई के तहत टैक्स बचा सकते हैं।

हेल्थ इंश्योरेंस पर

इनकम टैक्स की धारा 80डी बच्चों के लिए भुगतान किए गए हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर टैक्स डिडक्शन का लाभ देती है। हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी में बच्चे, पत्नी और खुद यानी परिवार के लिए टैक्स डिडक्शन की ऊपरी लिमिट 25,000 रुपये है। इनकम टैक्स की धारा 80डी के तहत बच्चे वाला परिवार 25,000 रुपये तक के टैक्स डिडक्शन के लिए क्लेम कर सकता है। इसके अलावा कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थ इंश्योरेंस कवर अतिरिक्त 5,000 रुपये तक का क्लेम सुनिश्चित करता है। यह कवरेज होने पर परिवार बच्चों के प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप के लिए 5,000 तक की सब-लिमिट का दावा भी कर सकते हैं।

इन पर भी राहत

इसके अलावा, सेक्शन 80डीडी और 80डीडीबी विकलांग या विशिष्ट बीमारियों वाले बच्चों के मेडिकल ट्रीटमेंट पर होने वाले खर्चों के लिए टैक्स डिडक्शन मिलते हैं। धारा 80डीडी के तहत, विकलांग बच्चों के चिकित्सा उपचार और रखरखाव से संबंधित खर्चों के लिए टैक्स डिडक्शन का दावा किया जा सकता है।

देश में जारी लोकसभा चुनाव के पहला चरण का मतदान हो चुका है। पहले चरण में 21 राज्यों की 102 संसदीय सीटों और अरुणाचल प्रदेश व सिक्किम विधानसभा के लिए वोटिंग हुई है। ये चुनाव ईवीएम से हुए हैं। इस दरम्यान जहां विपक्षी नेता ईवीएम से चुनाव को लेकर आरोप मढ़ रहे हैं, इस पर सवाल उठा रहे हैं, इस पर सियासत कर रहे हैं, वहीं इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई भी हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता जानेमाने वकील प्रशांत भूषण के भ्रमित तथ्यों के चलते उन्हें तीखे शब्द भी कहे हैं। कोर्ट ने अभी फैसला सुरक्षित रख लिया है। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दोहराया है कि ईवीएम सुरक्षित है, इसे हैक करना संभव नहीं है, इसमें किसी भी प्रकार से गड़बड़ी नहीं की जा सकती है। वर्ष 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने भी ईवीएम को सुरक्षित माना है। खास बात है कि ईवीएम को लेकर टीका-टिप्पणी विपक्ष में रहने वाले नेता ही करते रहे हैं। चूंकि ईवीएम स्टैंड अलोन मशीन है, जिसे हैक नहीं किया जा सकता है, इसलिए जब विपक्ष के नेता ईवीएम पर प्रश्न खड़ा करते हैं, तो इसमें सियासत दिखती है। पहले चरण के चुनाव व ईवीएम पर पेश है आजकल का यह अंक...

अपने 45 साल के इतिहास में ईवीएम को शंकाओं, आलोचनाओं और आरोपों का सामना करना पड़ा है। ईवीएम का मतलब है इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, साधारण बैटरी पर चलने वाली एक ऐसी मशीन, जो मतदान के दौरान डाले गए वोटों को दर्ज करती है और वोटों की गिनती भी करती है। ये मशीन तीन हिस्सों से बनी होती है। एक होती है कंट्रोल यूनिट (सीयू), दूसरी बैलेटिंग यूनिट (बीयू)। तीसरा हिस्सा होता है- वीवीपैट (वोटर वेरिफ़ायबल पेपर ऑडिट ट्रेल)। ईवीएम के साथ छेड़छाड़ नहीं किया जा सकता है, क्योंकि ईवीएम मशीन कंप्यूटर से कंट्रोल नहीं होती हैं, ये स्टैंड अलोन मशीन होती हैं जो इंटरनेट या किसी दूसरे नेटवर्क से कनेक्ट नहीं होती हैं, इसलिए ये हैकिंग से पूरी तरह सुरक्षित हैं। ईवीएम में डेटा के लिए फ्रीक्वेंसी रिसीवर या डिकोडर नहीं होता है, इसलिए किसी भी वायरलेस डिवाइस, वाई-फाई या ब्लूटूथ डिवाइस से इसमें छेड़छाड़ करना संभव नहीं है। 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने भी ईवीएम को चुनावों के लिए विश्वसनीय माना है।

खामोश चुनाव, ईवीएम पर प्रलाप

विश्लेषण

सुशील राजेश

वरिष्ठ पत्रकार

कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने दावा किया है कि यदि ईवीएम में गड़बड़ी नहीं की गई है, तो भाजपा को 180 से कम सीटें मिलेंगी। राहुल गांधी तो भाजपा के हिस्से 150 सीट मान कर बहुत खुश हैं। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' मुग़ालते में है कि ईवीएम के जरिए जो मतदान होगा, उससे जनादेश उन्हें ही मिलने वाला है। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और पंजाब आदि राज्यों में गैर-भाजपा दलों की आज भी सरकारें हैं, जो ईवीएम के जरिए ही बनी हैं। एक बार फिर यह मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा है। सवाल यह है कि विपक्ष इतना दोहरा क्यों है? वह संवैधानिक व्यवस्थाओं के ही खिलाफ क्यों सक्रिय है?

आम चुनाव के लिए प्रथम चरण का मतदान हो चुका है। देश के 21 राज्यों और संघशासित क्षेत्रों की 102 लोकसभा सीटों पर जनादेश का एक हिस्सा उन ईवीएम में दर्ज हो चुका है, जिन पर अधिकतर विपक्षी दल प्रलाप कर रहे हैं। वे दल चुनावी दौड़ में भी शामिल हैं, उनके सांसद और विधायक चुने जाने हैं, लेकिन वे ईवीएम पर अब भी संदेह कर रहे हैं। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने यहां तक दावा किया है कि यदि ईवीएम में गड़बड़ी नहीं की गई है, तो भाजपा को 180 से कम सीटें मिलेंगी। राहुल गांधी तो भाजपा के हिस्से 150 सीट मान कर बहुत खुश हैं। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' मुग़ालते में है कि ईवीएम के जरिए ही जो मतदान होगा, उससे जनादेश उन्हें ही मिलने वाला है। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और पंजाब आदि राज्यों में गैर-भाजपा दलों की आज भी सरकारें हैं, जो ईवीएम के जरिए ही बनी हैं। चुनावी पराजय से पूर्व राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में भी 2018 में कांग्रेस सत्तारूढ़ हुई थी। तब भी मतदान ईवीएम के जरिए ही हुआ था। एक बार फिर यह मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रखा है, लेकिन शीर्ष अदालत चाहती है कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की गरिमा और ईमानदारी बरकरार रहे, लिहाजा उसने फटकार भी लगाई है और वकीलों के डाटा पर सवाल भी किए हैं। दरअसल सवाल यह है कि विपक्ष इतना दोहरा क्यों है? वह संवैधानिक व्यवस्थाओं के ही खिलाफ क्यों सक्रिय है? ईवीएम का इस्तेमाल छोड़ कर मतपत्रों वाले मतदान के पाषाणकाल की ओर वह क्यों लौटना चाहता है? हालांकि बूथ छापने, लूटने और फर्जी मतदान के उस दौर को सर्वोच्च अदालत खारिज कर चुकी है।

कांग्रेस ने की थी ईवीएम की शुरूआत

ईवीएम की शुरुआत कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के ही दौरान हुई थी। 2004 के उस दौर से लेकर आज तक करीब 340 करोड़ मतदाता अपने संवैधानिक मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके हैं और 4 लोकसभा चुनाव ईवीएम के जरिए सम्पन्न कराए जा चुके हैं। 26 विधानसभा चुनावों और एक लोकसभा चुनाव में करोड़ों मतदाता वीवीपैट पर्ची का भी इस्तेमाल कर चुके हैं। एक आम चुनाव में 55 लाख से अधिक ईवीएम का इस्तेमाल किया जाता है और करीब 1.5 करोड़ चुनावकर्मी मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लेते हैं। सभी एक विशेष पार्टी के पक्षधर हो जाएं या ईवीएम का प्रोग्राम एक ही पार्टी के पक्ष में तय कर दिया जाए और इतने चुनावकर्मी एक साथ 'भ्रष्ट' हो जाएं, यह बिल्कुल भी संभव नहीं है। ईवीएम किसी लैपटॉप, कम्प्यूटर अथवा इंटरनेट नेटवर्क से जुड़ी हुई नहीं है, उसे हैक करना या छेड़छाड़ करना भी संभव नहीं है, अलबत्ता मशीन में तकनीकी खराबी जरूर आ सकती है। उस स्थिति में ईवीएम बदलने की पारदर्शी व्यवस्था है। चुनाव आयोग ने अदालत में अपना समूचा पक्ष रखा है। वीवीपैट पर्ची और वोटिंग के आपसी मिलान पर भी स्पष्टीकरण दिया है। मतदान के बाद पर्ची 7 सेकंड के लिए दिखती है। उसके बाद पर्ची मशीन में ही चली जाती है। न्यायिक पीठ को बताया गया कि पर्ची को मतदाता को देना ज़ोख़िम का काम है। इससे गोपनीयता भंग हो सकती है और बाहर निकालने पर पर्ची का दुरुपयोग भी किया जा सकता है। याचिकाकर्ता एडीआर ने मतदान और पर्ची की 100 फीसदी क्रॉस चेकिंग की मांग की है। अब चुनाव की निष्पक्षता, ईमानदारी बरकरार रहे, मतदाताओं के ज़ेहन में लेशमात्र भी संदेह नहीं होना चाहिए और आयोग की संवैधानिक स्वायत्तता भी बनी रहे, उस संदर्भ में अदालत को निर्णय देना है। ईवीएम को लेकर अक्सर प्रलाप मचाया जाता रहा है और चुनाव आयोग को भी कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है, यह प्रवृत्ति दुराग्रहपूर्ण है।

ईवीएम की विश्वसनीयता कायम

चुनाव आयोग ने ईवीएम को हैक करने या उसके सिस्टम से छेड़छाड़ करने के मद्देनजर सभी प्रमुख राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया था, कुछ दल गए भी, लेकिन कोई भी आपत्ति नहीं उठा सका या गड़बड़ी को साबित नहीं कर सका। अपने पक्ष के विजयी जनादेशों को विपक्ष शानदार हुंकार के साथ स्वीकार भी करता रहा। क्या एक संवैधानिक व्यवस्था ऐसे काम कर सकती है? न्यायिक पीठ के सामने चुनाव आयोग ने खुलासा किया है कि 4 करोड़ ईवीएम वोट और वीवीपैट पर्चियों के अभी तक मिलान कराए जा चुके हैं, जिनमें एक भी मामला मिसमैच नहीं पाया गया है। सर्वोच्च अदालत 2019 में भी इसी मामले पर फैसला दे चुकी है, लेकिन इस बार आम चुनाव शुरू हो चुके हैं और विपक्ष का बेहद गंभीर आरोप है कि ईवीएम को सैट किया जा सकता है। नतीजतन किसी भी पक्ष को वोट डाला जाए, वह भाजपा के 'कमल' के पक्ष में ही जाएगा। यदि ऐसा ही है, तो देश के विभिन्न राज्यों में विपक्ष की सरकारें क्यों हैं? लोकसभा में विपक्ष के करीब 100 सांसद कैसे चुने गए थे? दरअसल ये अनर्गल आरोप हैं। लोकतंत्र का मतलब निरंकुशता नहीं होता। बहरहाल अदालत के फैसले की प्रतीक्षा करें और इसे प्रलाप का मुद्दा न बनाएं, क्योंकि इससे राष्ट्रीय छवि और प्रतिष्ठा जुड़ी हैं। भारत में सिर्फ दो कंपनियां ही ईवीएम बनाती हैं। उन्हें भी यह जानकारी नहीं होती कि मशीन को भाजपा के पक्ष में सैट किया गया है अथवा कांग्रेस-वामदलों के पक्ष में प्रोग्राम तय किया गया है। तकनीकी संरचना मैं भी नहीं जानता हूं, लेकिन इतना विश्वास है कि चुनाव को लेकर चुनाव आयोग देश के 97 करोड़ मतदाताओं के साथ छल नहीं कर सकता। मतदाता के संवैधानिक मताधिकार का हरण नहीं किया जा सकता। ईवीएम की अंतरराष्ट्रीय ख्याति ऐसी है कि कई देश अपने यहां चुनाव के लिए भारत के निर्वाचन आयोग को आमंत्रित करते हैं। आज भारतीय ईवीएम की विश्वसनीयता की साख बन चुकी है।

मतदान उत्साहजनक

प्रथम चरण का मतदान कई मायनों में अप्रत्याशित रहा है। कुल मतदान शुक्रवार की रात्रि 11 बजे तक करीब 64 फीसदी रहा। यह 2019 की तुलना में करीब 2 फीसदी कम रहा। बिहार में सबसे कम 48.8 फीसदी मतदाता पोलिंग स्टेशन तक गए। सबसे अधिक मतदान त्रिपुरा में 81.5 फीसदी और सिक्किम में 80 फीसदी किया गया। उत्तराखंड, उप्र, राजस्थान और मिज़ोरम आदि राज्यों में अपेक्षाकृत कम मतदान हुआ। इनसे भाजपा के 370 और 400 पार वाले लक्ष्यों को ठेस पहुंच सकती है, क्योंकि भाजपा उत्तरी भारत में ही शानदार जनादेश के भरोसे है। दक्षिण, पूर्व, पश्चिम में सब कुछ अनिश्चित है। हालांकि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में करीब 70 फीसदी मतदान हुआ है। बंगाल की जलपाईगुड़ी सीट पर भी 79 फीसदी से अधिक मतदान हुआ है। बंगाल में औसत मतदान भी सकारात्मक रहा है। पूर्वोत्तर में दो विरोधाभास उभर कर सामने आए हैं। मणिपुर में हिंसा के बावजूद 70.8 फीसदी लोगों ने मताधिकार का इस्तेमाल किया, लेकिन टूटी ईवीएम, लुटे बूथ, फटी वीवीपैट पर्चियों के चित्र मणिपुर में ही देखे गए हैं, जिनसे मतदान के दौरान हालात के अनुमान लगाए जा सकते हैं। पूर्वोत्तर में ही नगालैंड राज्य में 4 लाख मतदाताओं से अधिक, राज्य के करीब 30 फीसदी वोटरों ने, 6 जिलों की 20 विधानसभा सीटों पर, बहिष्कार के कारण एक भी वोट नहीं डाला। वे अधिक स्वायत्तता वाले अलग क्षेत्र की मांग करते रहे हैं और केंद्र सरकार फिलहाल उसमें नाकाम रही है, लिहाजा उन्होंने चुनाव के बहिष्कार का आह्वान किया था। जम्मू-कश्मीर में 65 फीसदी से अधिक मतदान एक उम्मीद जगाता है कि लोगों ने भारतीय लोकतंत्र और संविधान के प्रति विश्वास जताया है।

वोटिंग से विमुख क्यों

समग्रता में देखें, तो आम चुनाव के प्रथम चरण में 16 करोड़ से अधिक मतदाताओं को मताधिकार का इस्तेमाल करना था, लेकिन 6.12 करोड़ भारतीयों ने वोट ही नहीं डाले। यह चुनाव के प्रति उदासीनता है या मतदाताओं को चुनाव दिशाहीन, अर्थहीन लगते हैं? यह सोच लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ भी है। जितना मतदान किया गया है, वह न तो सरकार के खिलाफ माना जा सकता है और न ही विपक्ष को चुनने के प्रति उत्साही और उत्सुक लगता है। यानी प्रधानमंत्री मोदी के पक्ष या विरोध में कोई 'चुनावी लहर' महसूस नहीं हुई। ऐसा लगता है मानो औसत मतदाता ने यह धारणा बना ली है कि मोदी को ही आना है! यह सोच कर ही मतदाता पोलिंग स्टेशन से तटस्थ रहा है। कुछ मुस्लिम बहुल इलाकों की ख़बरें सामने आई हैं कि उन्होंने भी मोदी को ही तीसरी बार प्रधानमंत्री मान लिया है, लिहाजा न तो कोई ध्रुवीकरण दिखाई दिया और न ही मतदान करना मुनासिब समझा। यह भी मतदान और संवैधानिक अधिकार को लेकर नकारात्मक सोच है। मैंने मतदान के इस चरण को 'खामोश और भ्रमित चुनाव' माना है। अभी तो मतदान के छह और चरण शेष हैं। गर्मी का मौसम भी ज्यादा गर्म और लू वाला होना है। कई जगह मई में ही बारिश की शुरुआत हो सकती है, लिहाजा मौसम के कारण इतना मतदाता घर से न निकले, समझ में नहीं आता। चूंकि इस बार पूरा चुनाव प्रधानमंत्री मोदी पर ही केंद्रित है, लिहाजा मतदाताओं की कुछ उदासीनता दिख सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिख कर मतदाताओं को 'शुक्रिया' कहा है। प्रधानमंत्री का फीडबैक शानदार रहा है, क्योंकि लोगों ने रिकॉर्ड संख्या में एनडीए को वोट दिए हैं। बहरहाल मैं इसके पक्ष में नहीं हूं। सत्ता-पक्ष मतदान के बाद ऐसे ही बयान देता रहा है। मतदान किसके पक्ष में है इसका पता तो चार जून को ही लगेगा। लेकिन वोटरों को खुलकर अपने मतों का प्रयोग करना चाहिए, लोकतंत्र को सब मजबूत करें।

ईवीएम पर संदेह की सियासत बंद हो

मुद्दा

डॉ. आशीष वशिष्ठ

राजनीतिक विश्लेषक

मोदी विरोधी मोर्चे के नेता आजकल एक और कैंपेन कर रहे हैं। वो कह रहे हैं कि मोदी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम की वजह से जीतते हैं। वैसे ईवीएम को गलत ठहराने वाला राग तो पुराना है। बीती 17 अप्रैल को कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में चुनाव प्रचार करते हुए दावा किया कि अगर ईवीएम से छेड़छाड़ न हो तो भाजपा 180 सीटों पर सिमट जाएगी। जो राजनीतिक दल और नेता पिछले पांच साल तक जमीन पर उतरे नहीं, आज जब उन्हें अपनी हार साफ तौर पर दिख रही है तो उन्होंने ईवीएम की हार में पेशबंदी शुरू कर दी है। आखिरकार अपनी गलतियों, कमियां और कमजोरियों का ठीकरा किसी के सिर तो फोड़ना ही है, ऐसे में बेजुबान ईवीएम से बेहतर विकल्प दूसरा नहीं हो सकता।

विपक्ष की सरकारें भी ईवीएम से

आम चुनाव के पहली चरण में 102 लोकसभा सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान हो चुका है। करोड़ों देशवासियों ने उन्हीं ईवीएम का बटन दबाकर अपना वोट दिया है, जिन पर अधिकतर विपक्षी दल प्रलाप कर रहे हैं। वे दल चुनावी दौड़ में शामिल हैं, उनके सांसद और विधायक चुने जाने हैं, लेकिन वे ईवीएम पर अब भी संदेह कर रहे हैं। ईवीएम की शुरुआत कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के ही कार्यकाल में हुई थी। इसी ईवीएम के दम पर आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में तीन बार और पंजाब में एक बार चुनाव जीता, 2012 में समाजवादी पार्टी को उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत मिला, बहुजन समाज पार्टी को 2007 में उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत मिला और कांग्रेस ने 2023 में तेलंगाना जीता। वर्तमान में तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना और पंजाब आदि राज्यों में गैर-भाजपा दलों की सरकारें हैं, जो ईवीएम के जरिए ही सत्तासीन हुई हैं।

ईवीएम हैक संभव नहीं

ईवीएम को लेकर अक्सर होहल्ला मचाया जाता रहा है और चुनाव आयोग को भी कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है, यह प्रवृत्ति दुराग्रह पूर्ण है। चुनाव आयोग ने कई बार दोहराया है कि ईवीएम को हैक नहीं किया जा सकता है, इसके सिस्टम से छेड़छाड़ करना संभव नहीं है, यह फुलप्रूफ मशीन है। एक बार फिर यह मामला सर्वोच्च न्यायालय के विचाराधीन है। दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने निर्णय सुरक्षित रखा है।

हारने पर ही विरोध क्यों

2009 के आम चुनावों में जब बीजेपी के नेता ईवीएम पर सवाल उठा रहे थे, ठीक उसी वक्त ओडिशा कांग्रेस के नेता जेबी पटनायक ने भी राज्य विधानसभा में बीजू जनता दल की जीत की वजह ईवीएम को ठहराया था। 2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी की जीत के बाद कांग्रेस के नेता और असम के मुख्यमंत्री तरुण गोगोई ने भी ईवीएम पर सवाल उठाए थे और कहा था कि बीजेपी की जीत की वजह ईवीएम है। ऐसे में ये कहा जा सकता है कि भारत में जब तक

पार्टियां चुनाव नहीं हारने लगतीं तब तक उन्हें ईवीएम मशीन से कोई शिकायत नहीं होती। मौजूदा समय में भारत का प्रत्येक राजनीतिक दल कभी ना कभी ईवीएम का विरोध कर चुका है। ऐसे में संसद की संयुक्त संसदीय समिति को ईवीएम के इस्तेमाल की जांच करनी चाहिए।

आयोग की स्वायत्तता बनी रहे

चुनाव आयोग ने न्यायिक पीठ को बताया गया कि पर्ची को मतदाता को देना जोखिम का काम है। इससे गोपनीयता भंग हो सकती है और बाहर निकालने पर पर्ची का दुरुपयोग भी किया जा सकता है। याचिकाकर्ता एडीआर ने मतदान और पर्ची की 100 फीसदी क्रॉस चेकिंग की मांग की है। न्यायिक पीठ के सामने चुनाव आयोग ने खुलासा किया कि 4 करोड़ ईवीएम वोट और वीवीपैट पर्चियों के मिलान कराए गए हैं। बहरहाल अदालती फैसले की प्रतीक्षा है। अब चुनाव की निष्पक्षता, ईमानदारी बरकरार रहे, मतदाताओं के जेहन में लेशमात्र भी संदेह नहीं होना चाहिए और आयोग की संवैधानिक स्वायत्तता भी बनी रहे, उस संदर्भ में अदालत को निर्णय देना है।

बैलेट पेपर युक्तिसंगत नहीं

वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल यानी वीवीपैट से निकलने वाली सभी पर्चियों का मिलान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से पड़े वोटों के साथ कराने की मांग वाली याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की बेंच ने एडीआर की याचिका पर सुनवाई के दौरान 1960 के दशक में बैलेट पेपर से चुनाव के दौर को याद किया और कहा कि देश में फिलहाल मतदाताओं की संख्या 96 करोड़ से अधिक है। ऐसे में बैलेट पेपर या वीवीपैट की 100 फीसदी गिनती की व्यवस्था से चुनाव कराना बहुत चुनौती वाला काम होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, कि हम सभी जानते हैं कि जब बैलेट पेपर थे तो क्या होता था। आप जानते होंगे, लेकिन हम भूले नहीं हैं। वैसे बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने की स्थिति में भारत की चुनावी प्रक्रिया लंबी भी होगी और खर्च भी बढ़ेगा।

विपक्ष के वादों पर भरोसा नहीं

सच्चाई यह है कि देश की जनता ने जातिवाद, वंशवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति के लिए विपक्षी दलों को खारिज कर दिया है और देश के लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा किसी भी नेता पर भरोसा नहीं है। आज विपक्ष के ज्यादातर नेता भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे हैं। पिछले दस सालों में मोदी सरकार ने जो विकास और कल्याण के कार्य किये हैं, उससे देश की जनता का भरोसा मोदी सरकार पर पहले से ज्यादा बढ़ा है। आज मोदी की गारंटी के सामने विपक्ष की सारी गारंटियां और वादे कोरी जुमलेबाजी लगते हैं। देश की जनता विपक्ष के वादों पर भरोसा नहीं करती, जिसके चलते विपक्ष लगातार सत्ता से बेदखल है।

ईवीएम पर भ्रम न फैलाए विपक्ष

इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले भ्रष्ट और परिवारवादी दलों और नेताओं के दिन भारतीय राजनीति में लद चुके हैं। जनता अब यह समझने लगी है कि कौन उनका सच्चा हितेषी और हमदर्द है। कौन उनका विकास और कल्याण कर सकता है। देश की जनता समझने लगी है कि कौन सकारात्मक राजनीति कर रहा है और कौन डर, भय और भ्रम के जरिये जनादेश पाना चाहता है। किसने उन्हें उनका हक दिया है। ऐसे में बेहतर होगा विपक्ष ईवीएम पर संदेह करने और जनता में भ्रम फैलाने की बजाय अपने आचरण को सुधारे।

व्यवस्था संचालन के सूत्रधार लोक सेवक

सिविल सेवा दिवस

डॉ. आलोक शुक्ला

पूर्व आईएएस अधिकारी

राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस प्रतिवर्ष 21 अप्रैल को मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य सिविल सेवकों द्वारा आम लोगों के हित के लिए स्वयं को समर्पित करना और फिर से प्रतिबद्धता व्यक्त करना है। यह दिन सिविल सेवकों को नई चुनौतियों से निपटने के लिए आत्मनिरीक्षण और भविष्य की रणनीतियों के बारे में सोचने का अवसर प्रदान करता है। 21 अप्रैल, 1947 को स्वतंत्र भारत के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने प्रशासनिक सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों को दिल्ली के मेटकॉफ हाउस में संबोधित किया था। यह दिन इसी की याद में मनाया जाता है।

इस अवसर पर, प्रधानमंत्री जी के हाथों 'लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार' प्रदान किये जाते हैं। यह पुरस्कार वर्ष 2006 में स्थापित किये गये थे। ये पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिये जाते हैं। पहली श्रेणी व्यक्तिगत पुरस्कार की है, दूसरी श्रेणी दल के रूप में काम करने के लिये है और तीसरी श्रेणी संगठन की है। पुरस्कार में एक पदक, एक स्क्रॉल और एक लाख रुपये की कर मुक्त नकद राशि शामिल है। मुझे यह बताते हुये खुशी है इस लेखक को भी छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली और धान खरीदी का उत्कृष्ट सिस्टम विकसित करने के लिये दल पहल के रूप में यह पुरस्कार अपने 2 अन्य साथियों गौरव द्विवेदी और सोमसेखर के साथ वर्ष 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के हाथों से मिला था। भारत की सिविल सेवाओं में अखिल भारतीय सेवाएं, केन्द सरकार की सेवाएं और राज्य सरकारों की सेवाएं शामिल हैं।

अखिल भारतीय सेवाओं तथा केन्द्रीय सिविल सेवाओं के लिये चयन संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से होता है राज्यों की सिविल सेवाओं के वरिष्ठ पदों पर चयन राज्यों के लोक सेवा आयोगों द्वारा किया जाता है। भारत के संविधान में सिविल सेवकों को निष्पक्षता बनाये रखने के लिये अनुच्छेद 309, 310 तथा 311 के प्रावधानों के तहत सुरक्षा प्रदान की गई है। सिविल सेवक देश की स्थाई कार्यपालिका हैं। वे चुने हुये जनप्रतिनिधियों के अधीन कार्य करते हैं। देश के नीति निर्धारण और योजनाओं के क्रियान्वयन में उनका बहुत बड़ा रोल होता है।

भारत में सिविल सेवा की आधारशिला ब्रिटिश समय में रखी गई थी। इसे गर्वनर जनरल वारेन हेस्टिंग्स ने प्रारंभ किया और बाद में कार्नवालिस ने इसमें अनेक सुधार किये। कॉर्नवालिस ने भारतीय सिविल सेवा के दो भागों में बांटा। पहला था अनुबंधित सिविल सेवक और दूसरा बिना अनुबंध वाले सिविल सेवक। अनुबंधित सिविल सेवक केवल यूरोपियन ही होते थे, जबकि दूसरे प्रकार के सिविल सेवक, जो कनिष्ठ पदों पर कार्य करते थे, उनमें भारतीयों की नियुक्ति भी की जाती थी। भारत सरकार अधिनियम 1919 में, भारत की इंपीरियल सिविल सेवा को दो भागों में बांट दिया गया। पहली, अखिल भारतीय सेवाएँ और दूसरी, केंद्रीय सेवाएँ। यह सिविल सेवाएं सेक्रेटरी ऑफ स्टेट फॉर इंडिया के अधीन थीं। अखिल भारतीय और केंद्रीय सेवाओं (समूह ए)

को 1924 में केंद्रीय सुपीरियर सेवाओं का नाम दिया गया। 1924 से 1934 तक, भारत में 10 अखिल भारतीय सेवाएँ थीं और 5 केंद्रीय विभाग थे जो सभी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट फॉर इंडिया के नियंत्रण में थे। इसके अतिरिक्त 3 और केंद्रीय विभाग थे, जो प्रांतीय और केन्द्रीय दोनों के संयुक्त नियंत्रण में थे। प्रारंभ में अनुबंधित सिविल सेवक में कंपनी के डायरेक्टरों द्वारा अपनी मर्जी से भर्ती की जाती थी। वे केवल योरोपियन लोगों की भर्ती करते थे। वर्ष 1954 में लंदन में सिविल सर्विस कमीशन का गठन किया गया। वर्ष 1864 में सिविल सर्विस परीक्षा पास करने वाले पहले भारतीय सत्येन्द्र नाथ टैगोर थे, जो रवीन्द्रनाथ टैगोर के भाई थे। 1867 तक 4 अन्य भारतीयों का सिलेक्शन भी हुआ। 1883 तक भारत की सिविल सर्विस में भारतीयों की संख्या केवल 12 थी, जो 1915 तक बढ़कर केवल 63 हो गई। 1920 की परीक्षा में सुभाष चंद्र बोस को चौथी रैंक मिली, उन्होंने देश के लिये काम करना बेहतर समझा और सिविल सर्विस से इस्तीफा दे दिया।

1922 से सिविल सर्विस परीक्षा भारत के भीतर इलाहाबाद में ली जाने लगी। बाद में दिल्ली में भी एक परीक्षा केन्द्र बनाया गया। इसे इंडियन सिविल सर्विस कहा जाता था, परन्तु इसके अधिकांश सदस्य न तो भारतीय थे, न भारतीयों के प्रति सिविल थे और न ही उनमें कोई सेवा भावना थी। उनका उद्देश्य केवल भारत में ब्रिटिश साम्राज्य को कायम रखना था। स्वतंत्रता प्राप्ति के ठीक पहले अविभाजित भारत में 980 सिविल सेवा अधिकारी थे, जिनमें से 468 योरोपियन थे।

संविधान सभा में सरदार वल्लभ भाई पटेल ने कहा था कि वर्तमान प्रशासनिक प्रणाली का कोई विकल्प नहीं है। अच्छी अखिल भारतीय सेवाओं के बिना भारत को एकजुट रखना संभव नहीं है। उन्होंने भारत की सिविल सेवाओं को स्टीली फ्रेम ऑफ इंडियन एडमिनिस्ट्रेशन कहा था। भारत में इंपीरियल सिविल सेवा के स्थान पर भाारतीय प्रासनिक सेवा का गठन 1947 में स्वतंत्रता पाप्ति के बाद किया गया। सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता और योग्यता के मूल्य भारतीय सिविल सेवाओं के मार्गदर्शक सिद्धांत हैं।

नई दिल्ली में स्थित कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, सिविल सेवा का नियंत्रण करता है। यह मंत्रालय भारत में सिविल सेवा प्रणाली के लिए प्रशिक्षण, सुधार और पेंशन के लिए जिम्मेदार है। संविधान के अनुच्छेद 312 (13) के तहत राज्यसभा को दो-तिहाई बहुमत से नई अखिल भारतीय सेवाएं स्थापित करने का अधिकार है। वर्तमान में तीन अखिल भारतीय सेवाएं हैं - भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा और भारतीय वन सेवा। भारत में सर्वोच्च सिविल सेवक कैबिनेट सचिव होता है। वह सिविल सेवा बोर्ड का पदेन अध्यक्ष भी है। भारत में प्रोटोकॉल के वरीयता क्रम में कैबिनेट सचिव 11वें स्थान पर हैं। राज्य स्तर पर सिविल सेवा का प्रमुख, मुख्य सचिव होता है। उनकी यह जिम्मेदारी है कि सिविल सेवक प्रशिक्षित और सक्षम हों और निष्पक्ष वातावरण में काम करें।

देश में नीति निर्माण से लेकर योजनाओं के क्रियान्वयन तक में सिविल सेवाओं का बहुत बड़ा योगदान है। चाहे कोविड-19 की महामारी से निपटना हो, या देश में आने वाली बाढ़ या सुनामी, तूफान या सूखा जैसी प्राकृतिक आपदायें हों, देश के सिविल सेवक अपने प्राणों की परवाह किये बिना अपनी ड्यूटी में लगे रहते हैं।

देश में चुनाव कराने का जिम्मा भी सिविल सेवकों पर ही है। गरीबी हटाओं के कार्यक्रम हों, या औद्योगिक उत्पादन को बढ़ाना, कृषि के क्षेत्र में हरित क्रांति के लिए गांव-गांव में काम करना हो या घर-घर बिजली-पानी पहुंचाने के लक्ष्य की पूर्ति करना हो, सारे ही काम सिविल सेवाओं द्वारा किये जाते हैं। देश में हर बच्चे का टीकाकरण कराने से लेकर, हर क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाये रखने की जिम्मेदारी भी सिविल सेवकों पर ही है। भूमि के रिकार्डों का संधारण से लेकर देश की सुचारू व्यवस्था के संचालन के लिए हमारी सिविल सेवाएं रात दिन काम में लगी रहती हैं।

खबर संक्षेप

खेड़ापति माता मंदिर पर भंडारे का आयोजन

मंडीदीप। औद्योगिक नगर के प्रचीन खेड़ापति माता मंदिर पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। मंदिर समिति के अध्यक्ष चतरनारायण साहू ने बताया कि वार्ड 13 स्थित प्राचीन खेड़ापति माता मंदिर परिसर में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी शनिवार को नवरात्रि पर्व के समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने महाप्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, नगर पालिका अध्यक्ष प्रियंका अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुष्पा साहू सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पुताई का कहकर निकला युवक लापता हुआ

मंडीदीप। औद्योगिक नगर में 10 दिन बाद फिर एक युवक लापता हो गया। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर गुमशुदगी का केस दर्ज कर जांच में ले लिया है। मामला औद्योगिक सतलापुर थाने के अंतर्गत आने वाले नगर के वार्ड 17 का है। जानकारी के अनुसार यहां के रहने वाले प्रकाश कुशवाहा ने थाने में अपने छोटे भाई की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि उसका छोटा भाई विनीत (19) 2 दिन पहले पुताई करने का कहकर घर से निकला था। जिसका अब तक कोई सुराग नहीं लगा।

पैथोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. शोभा खरे को दी विदाई

भोपाल। जेपी अस्पताल की सबसे सीनियर पैथोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. शोभा खरे के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। जिला चिकित्सा अधिकारी संघ द्वारा शनिवार को डॉ. शोभा खरे का शॉल-श्रीफल और प्रमाण पत्र देकर सम्मान किया। समारोह में सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी, डीआर बलराम उपाध्याय, सिविल सर्जन राकेश श्रीवास्तव, रिटायर्ड अधीक्षक डॉ. आईके चुग, डॉ. रमेश पाठक, डॉ. मनोज हुरमाड़े, डॉ. शोभा पटेल, डॉ. वीके दुबे और अन्य स्टाफ उपस्थित थे।

कांग्रेस ने चुनाव संचालन के लिए बनाई समिति

औबेदुल्लागंज। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त नहीं होने पर कांग्रेस कमेटी ने चुनाव संचालन एवं हेतु मार्गदर्शन एवं सलाहकार समिति का गठन किया गया, जिसमें औबेदुल्लागंज ब्लॉक के वरिष्ठ कांग्रेसियों को रखा गया, जिसमें सुरजीत सिंह बिले, कमलेश यादव, विनोद इरपाचे, संजय सिंह चौहान, द्वारका पटेल, राधा कृष्ण शर्मा, मोहन पटेल, खेत सिंह चौहान, महेश जैन, हयात मोहम्मद (चंदा भाई) आदि शामिल हैं। 24 अप्रैल को कांग्रेस कार्यालय का उद्घाटन होगा।

रुपए लेने के बाद भी आरोपी लगातार कर रहा था ब्लैकमेल

युवती से दुष्कर्म, सोशल मीडिया पर फोटो वायरल, कई बार में 90 हजार रुपए लिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित होटल लेमन ट्री में युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी ने होटल में दुष्कर्म के दौरान उसके कुछ फोटो मोबाइल पर ले लिए थे। उक्त फोटो आरोपी सोशल मीडिया पर वायरल कर धमकी दे रहा था। आरोपी युवती को ब्लैकमेल कर 90 हजार रुपए ले चुका था। बावजूद इसके वह युवती पर रुपए के लिए दबाव बना रहा था। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग समेत दैहिक शोषण की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 22 साल की युवती मूलतः बिहार की रहने वाली है। वह भोपाल में परिवार के साथ रहती है और ग्रेजुएशन कर चुकी है। गत वर्ष वह बिहार गई थी।

इस दौरान उसकी मुलाकात दीपक तिवारी नाम के युवक से हुई। दीपक दिल्ली में रहता है और युवती का रिश्तेदार है। दीपक और युवती की मोबाइल पर बातचीत होती थी और दीपक उससे मिलने भोपाल पहुंचा था। पीड़िता का आरोप है कि दीपक उसे लेकर लेमन ट्री होटल निजामुद्दीन नगर ले गया और वहां उससे शारीरिक संबंध बनाए। उसने दीपक का विरोध किया तो वह कहने लगा कि जल्द ही शादी कर लेंगे। आरोपी पीड़िता पर अक्सर रुपए देने का दबाव बनाता था। वह दीपक को अब तक 90 हजार रुपए दे चुकी थी। बावजूद इसके आरोपी दीपक ने सोशल मीडिया पर उसके कुछ फोटो वायरल कर दिए। अब आरोपी उस पर और रुपए मांगने का दबाव बना रहा है और रुपए नहीं देने पर फोटो वायरल करने की धमकी दे रहा है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। जल्द ही आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम दिल्ली भेजी जाएगी।

तलाकशुदा महिला से दैहिक शोषण, शादी से इंकार पीड़िता ने छोला मंदिर थाने में दर्ज कराई शिकायत

भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित बायपास पर एक कवर्ड कैंपस में रहने वाली तलाकशुदा महिला से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर घर में घुसकर दुष्कर्म करने, दैहिक शोषण, गाली-गलौज और मारपीट समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 34 साल की महिला बायपास स्थित एक कवर्ड कैंपस में रहती है। वह तलाकशुदा है और उसके दो बच्चे हैं। महिला प्राइवेट काम करती है। इस दौरान उसकी दोस्ती सुधीर त्यागी से हो गई। पति से तलाक होने के कारण पीड़िता दुखी रहती थी और डिप्रेशन में रहने लगी। इसका फायदा आरोपी सुधीर त्यागी ने उठाया और उससे नजदीकियां बढ़ाई। आरोपी उससे बातचीत करता था। पीड़िता का कहना है 2023 में सितंबर में आरोपी सुधीर उससे मिलने घर पहुंचा और उससे शारीरिक संबंध बनाए थे। इसके बाद शादी का प्रलोभन देकर उसका दैहिक शोषण करने लगा। पीड़िता ने जब उस पर शादी का दबाव बनाया तो वह उससे मारपीट करने लगा और कहने लगा कि मैं पूर्व से शादीशुदा हूं और मेरे दो बच्चे हैं मैं शादी नहीं कर सकूंगा। गत दिनों आरोपी उसे छोड़कर फरार हो गया तो पीड़िता ने पुलिस को शिकायत की थी।

शॉर्ट पीएम की रिपोर्ट, श्वांस नली में आहार फंसा

सात साल की बच्ची की हुई संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित शिव नगर में बच्चों के साथ खेल रही सात साल की मासूम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह खेलते समय अचानक बेसुध हो गई थी। पिता और बच्ची के मामा उसे लेकर हमीदिया अस्पताल पहुंचे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। डॉक्टर ने अपने ओपिनियन में बताया कि बच्ची की श्वांस नली में आहार फंसने से उसकी मौत हुई है। पुलिस फुल पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

खेलते समय हुई बेसुध

पुलिस के अनुसार राधा सिंह पिता सुरेश सिंह (7) चांदबड़, स्टेशन बजरिया में रहती थी। उसके माता पिता मजदूरी करते हैं। माता-पिता का काम शिव नगर छोला में चल रहा है। शुक्रवार दोपहर करीब डेढ़ बजे के आसपास राधा साथी बच्चों के साथ खेल रही थी। खेलते समय अचानक वह बेसुध होकर गिर गई। साथी बच्चों ने उसे उठाने का प्रयास किया, लेकिन वह उठ नहीं सकी। सुरेश सिंह अपने साले के साथ राधा को लेकर हमीदिया अस्पताल पहुंचे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही राधा को मृत घोषित कर दिया।

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित कबीला में हुई वारदात

छोटे भाई से पैसों के विवाद में बड़े भाई पर चाकू से हमला

» *पुलिस ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार, बाकी की तलाश जारी*

» *रात करीब 8 बजे पहुंचे आरोपी, गाली-गलौज कर की मारपीट*

» *कमर में चाकू लगने से हाजी निसार बेसुध हो कर गिर गया, तब आरोपी वहां से भाग गए*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित कबीला में शुक्रवार रात चार बदमाशों ने एक युवक से मारपीट करते हुए उस पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू उसे कमर के पास लगने से गंभीर चोट आई है। पुलिस ने घायल की पत्नी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस एक आरोपी को गिरफ्तार कर चुकी है। बाकी अन्य तीन की तलाश की जा रही है।

गाली-गलौज करने से मना किया तो की मारपीट

थाना प्रभारी सरिता बर्मन ने बताया कि 35 साल की आबिदा बी, कबीला इलाके में रहती है। उन्होंने पुलिस को बताया कि शुक्रवार रात वह घर थी। इस दौरान रात करीब आठ बजे मंगेश, हर्ष, करण और शिवा उनके घर पहुंचे और धमकाते हुए देवर इकबाल का पूछने लगे। इकबाल घर पर नहीं था और उनके पति हाजी निसार बाहर निकले तो आरोपी उनसे गाली-गलौज करने लगे। हाजी निसार ने गाली देने से मना किया तो आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। इसी बीच आरोपी मंगेश ने चाकू निकाला और हाजी निसार पर हमला कर दिया। चाकू से हमला होता देख आबिदा बी ने पति को धक्का दिया और चाकू पेट पर लगने की बजाय उनकी कमर के पास लग गया। चाकू लगने से वह बेसुध होकर गिर गए तो आरोपी उन्हें छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने उक्त मामले में शिवा को गिरफ्तार कर लिया है। बाकि आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बंद फ्लैट के कमरे में मिली बुजुर्ग की लाश

भोपाल। ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित ओल्ड सुभाष नगर में एक बुजुर्ग की लाश फ्लैट के बंद कमरे में मिलने से सनसनी फैल गई। लाश डिकंपोज होने लगी थी। अनुमान है कि मौत करीब दो दिन पूर्व हुई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार महेंद्र पिता स्व. पंडरीनाथ (60) एलआईजी ओल्ड सुभाष नगर, ऐशबाग में रहते थे। वे शराब पीने के आदी थे और परिवार से करीब सात आठ साल से अलग रह रहे थे। उनके पास एलइडी बल्व की फ्रेंचाइजी थी। उनके पड़ोस में विवेक रहता है। विवेक ने महेंद्र के मकान मालिक को सूचना दी थी कि महेंद्र के घर का दरवाजा दो दिन से नहीं खुला है। मकान मालिक ओल्ड सुभाष नगर अपने घर पहुंचे और विवेक की मदद से दरवाजा खुलवाना चाहा, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। किसी तरह से घर की खिड़की खोली गई तो अंदर से बदबू आई और महेंद्र की लाश बेड पर पड़ी हुई दिखी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई थी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव पीएम के लिए भेज दिया। मृतक के परिजन आंबेडकर कॉलोनी ऐशबाग में रहते हैं। पीएम के बाद उन्हें शव सौंप दिया गया है। पुलिस पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

पत्नी ने शराब पीने से मना किया तो पति ने लगा ली फांसी

भोपाल। गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित एन टू ए सेक्टर में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह पढ़ा लिखा नहीं था और उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस के अनुसार 32 साल का सोनू तंबोली सिविल लाइन भेल में सफाइकर्मी था। उसके परिवार में पत्नी के अलावा 12 साल का बेटा और 6 साल की बेटी है। सोनू भेल के खंडहरनुमा मकान में परिवार के साथ रह रहा था और शराब पीने का आदी था। गुरुवार रात वह शराब के नशे में घर पहुंचा था और अपने साथ शराब के क्वार्टर भी लेकर पहुंचा था। पत्नी ने उसे कहा कि वैसे ही नशे में आए हो और शराब मत पीना। इसी बात को लेकर सोनू की पत्नी से कहासुनी हो गई। कहासुनी बढ़ने पर पत्नी बच्चों को लेकर अलग कमरे में सो गई थी। शुक्रवार सुबह करीब चार बजे के आसपास उसकी नींद खुली तो पति को फांसी के फंदे पर लटका देखा था। इसके बाद अपनी मां को घटना की जानकारी दी।

दिल्ली निवासी अजय देवलिया की शिकायत पर पुलिस ने की कार्रवाई

दुकानदार हेवल्स कंपनी का टैग लगाकर बेच रहा था नकली सिलाई मशीन, 23 जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कोतवाली पुलिस ने हेवल्स कंपनी का टैग लगाकर नकली सिलाई मशीन बेच रहे दुकानदार पर कॉपी राइट का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने दुकान से 23 सिलाई मशीन जब्त की है। उक्त मामला दिल्ली निवासी अजय देवलिया की शिकायत पर दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार अजय देवलिया दिल्ली में रहते हैं और वह ब्रांडेड कंपनियों की कॉपी करने वाले प्रोडक्ट की जांच करते हैं। उन्हें सूचना मिली थी कि इतवारा इलाके में नेशनल ट्रैडर्स में लोकल सिलाई मशीन पर हेवल्स कंपनी का टैग लगाकर बेचा जा रहा है।

कॉपीराइट एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज

अजय ने तस्दीक की। तस्दीक में उन्हें पता चला कि मशीन लोकल कंपनी की है और उसमें हेवल्स का टैग लगा है। इसके बाद वह कोतवाली थाने पहुंचे और पुलिस को शिकायत की। पुलिस की टीम उनके साथ नेशनल ट्रैडर्स पहुंची और दुकान पर छापामार कार्रवाई करते हुए 23 सिलाई मशीन जब्त की। पुलिस ने दुकान मालिक मोहम्मद एजाज पर कॉपी राइट एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। दुकान पर छापा पड़ने से आसपास के दुकानदारों में दहशत का माहौल है।

रुठियाई रेलवे स्टेशन पर अग्निकांड, रेलवे ने जांच कमेटी बनाई

भोपाल। रुठियाई रेलवे स्टेशन के ओएफसी केबल हट में शुक्रवार लगी आग मामले को लेकर रेलवे की ओर से गंभीरता से लेते हुए एक जांच समिति घटित कर दी है, जो तीन दिन में आग किस कारण से लगी, इसकी जांच करेगी। शनिवार को रेलवे के आला अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, हालांकि इसमें अभी आग किस वजह से लगी, इसका कारण पता नहीं चल सका है। रेलवे अधिकारी के अनुसार, जांच कमेटी गठित कर दी गई है, जो 3 दिन बाद अपनी रिपोर्ट देगी। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार रात को गुना स्टेशन पर हुए इस घटना के चलते स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई थी।

आदिवासियों ने लालच में आकर की जमीन हड़पने की शिकायत बिल्डर ने घटना से किया इंकार

▶▶ **बिल्डर ने कहा, मैंने सामान्य लोगों से जमीन खरीदी है**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कोलार रोड स्थित कांकरिया गांव में छह आदिवासियों की दो-दो एकड़ जमीन हड़पने के मामले में पायल गृह निर्माण समिति के अध्यक्ष रह चुके बिल्डर शशिशंकर शर्मा और उनके पुत्र विकास शर्मा ने आदिवासियों को बरगलाकर शिकायत करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि शिकायत करने वाले आदिवासी शारदा बाई, पत्नी रमेश, मोना बाई पत्नी लखन लाल, भगवती बाई पत्नी कमल सिंह, सुखवती पत्नी लखन गौंड से उन्होंने न तो जमीन खरीदी है और न ही उनसे जमीन कोली पर ली थी। आदिवासियों के यह आरोप भी निराधार है कि उन्होंने कुएं में लघुशंका की है। विकास शर्मा का कहना है कि उन्होंने कांकरिया गांव में खरीदी गई जमीन शिकायकर्ताओं से नहीं खरीदी थी। मैंने यहां पर छह एकड़ जमीन सामान्य लोगों से खरीदी थी। इसके साथ 17 साल पहले एक आदिवासी की जमीन कलेक्टर की अनुमति पर ही खरीदी गई थी।

रोटरी यूथ लीडरशिप कार्यक्रम आयोजित

छात्रों को व्यक्तिव विकास और संवाद कौशल का दिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल ने कुशाभाऊ ठाकरे नर्सिंग के छात्र-छात्राओं के लिए एक दिवसीय रोटरी यूथ लीडरशिप अवार्ड कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम छात्रों के व्यक्तिव विकास, संवाद कौशल, नेतृत्व गुण संचार कला की वृद्धि के लिए किया गया।कार्यक्रम में रायला मास्टर ट्रेनर धीरेन दत्ता ने केवाईसी बनाम केवाईएस पर व्याखान दिया अन्य विषय विशेषज्ञ अल्पना मिश्रा, डॉ. पीके भागवत व कला मोहन ने छात्रों से संवाद करते हुए व्याख्यान दिए तथा टीम बनाकर प्रेक्टिकल कराया। रायला प्रोग्राम में सहायक मंडलायुक्त कुमुद तिवारी, निर्वाचित अध्यक्ष मनोज झा, श्रीकांत फाटक, मानद सचिव प्रखर तिवारी, जीके छिब्बर व कॉलेज प्रिंसिपल रमा तनेजा, अरहम खान व स्टाफ उपस्थित रहा। कुशाभाऊ ठाकरे नर्सिंग कॉलेज के संचालक रूबीना खान ने आभार माना। संचालन नमिता वाघरे ने किया।

गर्मी को न बनने दें अपनी सरकार बनाने में बाधाः सारिका

भोपाल। लोकसभा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान के लक्ष्य को पाने स्वीप आईकॉन सारिका घारू ने मतदाताओं को आ गया लोकसभा चुनाव, वोट करना न कोई भूले का संदेश दिया। सारिका ने मतदाताओं से कहा कि ये चुनाव पांच साल में आते एक बार हैं। इसमें वोट देना हमारा अधिकार है। ध्यान रखें गर्मी हर साल आती है, लेकिन आपको अपनी सरकार चुनने का मौका पांच साल में एक बार मिलता है।

कम वोल्टेज में आ रही बिजली से रहवासी परेशान

भीषण गर्मी में कूलर, पंखे बंद घर में बिलख रहे छोटे-छोटे बच्चे

वोल्टेज के लिए रहवासियों को दो दिन और करना होगा इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

नगर में बिजली की अघोषित कटौती से व्यापारी, महिलाएं, छात्र, आटा चक्की वाले एवं मैकेनिक परेशान हैं। वार्ड 13 के पार्षद मनोज चौरसिया, पूर्व पार्षद आशीष दीक्षित, देवेंद्र दानी, टिंकू ठाकुर, मोंटी ठाकुर, व्यापार संघ के नीरज चावला, राजेश दीक्षित ने बताया कि शुक्रवार-शनिवार रात 1 बजे से क्षेत्र में बिजली नहीं है। बिजली गुल होने से भीषण गर्मी में छोटे-छोटे बच्चे रोते बिलखते रहे। महिलाएं अपने दरवाजे पर बैठ कर लाइट आने का इंतजार करती रही। सुबह 8 बजे बिजली दफ्तर के कंट्रोल रूम में पहुंचे मनोज चौरसिया, पुरुषोत्तम शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार ऋषभ जैन ने जाकर शिकायत दर्ज कराई।

इसके बाद डीई पटेल से फोन पर चर्चा की, तो उन्होंने कहा कंट्रोल रूम का फोन एक दो दिन में ठीक हो जाएगा। मैं बिजली 9 तक ठीक करवा दूंगा। इसके बाद 9 बजे बिजली आई फिर 2 बजे के लगभग चली गई। इसके बाद फिर 5 बजे बिजली आई तो बम वोल्टेज था। दोबारा जब शिकायतकर्ताओं ने डीई से कहा कि वोल्टेज नहीं होने से मोटर, पंखा नहीं चल पा रहे हैं। डीई पटेल, जेई जायसवाल ने कहा कि सोमवार को वोल्टेज आ पाएगा। इसके लिए हम कार्रवाई कर रहे हैं।

इधर, दिन में जलती है स्ट्रीट लाइट

डॉ. सुनील गुप्ता ने बताया कि अर्जुन नगर बस स्टैंड और पूरे नगर में शनिवार दोपहर में बिजली नहीं रहने के कारण लोगों को गर्मी में परेशान होना पड़ा। इधर, स्ट्रीट लाइट दिन भर लाइट जलती रही, कोई देखने वाला नहीं था। नगर में वार्ड 13 में महिलाओं ने कहा, बिजली व्यवस्था शीघ्र ठीक नहीं की गई तो आंदोलन करेंगे।

कुख्यात बदमाश राहुल निरापुरे गिरफ्तार

भोपाल। लोक सभा चुनाव में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने पुलिस सक्रिय है और बदमाशों पर शिकंजा कस रही है। इसी क्रम में पुलिस ने कमला नगर क्षेत्र के सक्रिय बदमाश राहुल निरापुरे पिता जगन निरापुरे (28) मल्टी आंबेडकर नगर, थाना कमला नगर को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) की कार्रवाई की है। आरोपी राहुल निरापुरे पर कमला नगर, टीटी नगर में 40 अपराध दर्ज हैं। इनमें मारपीट, अड़ीबाजी, हत्या का प्रयास, बलवा, अपहरण जुआ-सट्टा, वाहन चोरी समेत अवैध हथियार रखने जैसे कई प्रकरण थाने में जर्द हैं।

इटारसी से भोपाल लौटते समय मुख्यमंत्री देर रात औबेदुल्लागंज पहुंचे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने विधायक सुरेंद्र पटवा की सराहना की

सीएम डॉ. मोहन यादव का औबेदुल्लागंज में भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूलों की वर्षा कर किया भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

इटारसी से भोपाल लौटते समय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल का भोजपुर क्षेत्र में जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। विधायक सुरेंद्र पटवा के साथ उमरिया में भव्य अगवानी की गई। उमरिया, औबेदुल्लागंज, सिमराई, नयापुरा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर फूल वर्षा की गई। इस अवसर पर औबेदुल्लागंज के सीताराम चौराहे पर मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया। इस दौरान विधायक पटवा ने कहा पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल ने मध्य प्रदेश में भोजपुर क्षेत्र में विकास किया था, उसी तर्ज पर लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी विकास की गंगा बहा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने विधायक सुरेंद्र पटवा की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर तंज भी कसा। इसके बाद वे कार में सवार होकर भोपाल के लिए रवाना हो गए। इस अवसर पर सुरजीत सिंह गिल, कन्हैया नंदवंशी, अशोक यादव, नरेंद्र शर्मा, मंडल अध्यक्ष सोनू चौकसे, पंकज कोठारी, माधव यादव, रविंद्र विजयवर्गीय, तामोट के रामकिशोर चौहान, माखन सिंह परमार, डॉक्टर भूपेंद्र नागर, दीपू परमार, नपा अध्यक्ष लक्ष्मी चौकसे, पवनजोत सिंह, नंदू शर्मा, दशरथ गुर्जर, लोकेश परमार, रामकिशोर नंदवंशी, भूपेंद्र नंदवंशी, कोमल चौहान सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

व्यापार महासंघ ने मुख्यमंत्री का किया स्वागत

औबेदुल्लागंज व्यापार महासंघ ने शुभम ज्वेलर्स की दुकान के सामने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, विधायक सुरेंद्र पटवा का भव्य स्वागत किया। व्यापार संघ के महामंत्री प्रदीप अरोरा मंटू से मुख्यमंत्री ने कहा व्यापार महासंघ का बड़ा कार्यक्रम करो मैं आऊंगा। इस अवसर पर व्यापार महासंघ अध्यक्ष जगदीश चंदानी, नीरज चावला, विवेक मित्तल, रतन मेघानी, आशीष दीक्षित, सिद्धार्थ मित्तल, रमेश महेश्वरी, दिनेश सेन, हरीश नागरानी, रवि कमल, अशोक जायसवाल, रमेश बासवानी, विजय जैन, दिलीप मेघानी, दिलीप मित्तल, विक्रम धाड़ी, अंकुर अग्रवाल आदि लोग मौजूद थे।

भाजपा मंडल के सदस्यों ने किया मुख्यमंत्री का स्वागत, सीएम ने कहा- भाजपा मजबूत पार्टी

मंडीदीप। औद्योगिक नगर में भाजपा मंडल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का स्वागत किया गया। मंडल महामंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री सुहागपुर में आयोजित कार्यक्रम के उपरांत भोपाल जाते समय मंडीदीप में रुके थे। मंडीदीप भाजपा मंडल में भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा के नेतृत्व में कृषि उपज मंडी परिसर व नयापुरा में उनका भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं के सहयोग से भाजपा मजबूत पार्टी बनी है। इस अवसर पर भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा, पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, नगर पालिका अध्यक्ष प्रियंका अग्रवाल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष बद्री सिंह चौहान, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष पूर्णिमा जैन, ऊषा भार्गव, उपाध्यक्ष पुष्पा साहू, जिला उपाध्यक्ष अरविंद जैन, जीवन सिंह पाल, मुन्नवर पटेल, प्रेमशंकर साहू, मंडल अध्यक्ष पवन श्रीवास्तव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पीएम मोदी ने नांदेड़ राजस्थान में कांग्रेस पर बोला हमला

'कांग्रेस के शहजादे' को जिस तरह अमेठी से 'भागना' पड़ा था उसी तरह उन्हें केरल के वायनाड को भी छोड़कर भागना पड़ेगा

एजेंसी ▶▶ नांदेड़

पीएम नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश में पहले चरण का मतदान संपन्न हुआ है और मैं वोटिंग करने वाले सभी लोगों को खासतौर पर पहली बार वोट डालने वाले मतदाताओं को बहुत बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि विश्लेषण से ये विश्वास पक्का हो रहा है कि पहले चरण में एनडीए के पक्ष में एकतरफा मतदान हुआ है। इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला है।

पीएम ने कहा है कि जिस तरह से कांग्रेस के शहजादे को अमेठी से भागना पड़ा था वैसे ही अब वायनाड छोड़कर भाग जाएंगे। राहुल इस बार केरल की वायनाड सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। वह पहले कांग्रेस की परंपरागत सीट अमेठी से चुनाव लड़ते थे और 2019 में वे इस सीट से हार गए थे। इस सीट से स्मृति ईरानी ने जीत दर्ज की थी और इस बार भाजपा ने एक बार फिर से स्मृति ईरानी को टिकट दिया है। हालांकि कांग्रेस ने अबतक अमेठी में उम्मीदवार का ऐलान नहीं किया है।

.पीएम मोदी ने सोनिया गांधी पर भी तंज कसा और कहा कि कुछ नेता, जो लगातार लोकसभा में जीतकर आते थे, वे इसबार राज्यसभा के रास्ते से अंदर जाकर बैठ गए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक महाराष्ट्र और खासकर विदर्भ एवं मराठवाड़ा के विकास का दम घोंटने का काम किया है और कांग्रेस के इसी रवैये के कारण यहां किसान गरीब होते गए। उद्योगों से जुड़ी संभावनाएं खत्म होती चली गईं और लाखों युवाओं को पलायन करना पड़ा।

पहले चरण के मतदान से गदगद

देश के मतदाता 'घमंडिया' गठबंधन को लगातार नकारते जा रहे

इंडी गठबंधन स्वार्थ और भ्रष्टाचार को बचाने एक साथ आया

राहुल गांधी इस बार भी वायनाड सीट से लोकसभा चुनाव लड़ रहे

भाजपा की स्मृति ईरानी ने राहुल को अमेठी से दी थी बड़ी मात

पीएम मोदी ने विपक्षी इंडिया गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि वोटर भी देख रहे हैं कि कैसे इंडिया अलायंस के लोग अपने स्वार्थ में, अपने भ्रष्टाचार को बचाने के लिए एक साथ आए हैं। इसलिए खबर यही है कि पहले चरण में मतदाताओं ने इस गठबंधन को पूरी तरह नकार दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये लोग दावा कितना भी करें, लेकिन सच्चाई यही है कि चुनाव की घोषणा से पहले से ही कांग्रेस के नेता अपनी हार मान चुके हैं।

कांग्रेस, ऐसी बेल जो सहारा देने वाले को ही सुखा देती है

परभणी में भी पीएम मोदी ने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 'कांग्रेस एक ऐसी बेल है, जिसकी अपनी न कोई जड़ है, न जमीन है और इसे जो सहारा देता है, उसे ही सूखा देती है। आजादी के समय कांग्रेस ने देश का विभाजन करवा दिया, आजादी के बाद कश्मीर की समस्या खड़ी कर दी। कांग्रेस ने 370 के बहाने बाबा साहेब का संविधान कश्मीर में लागू नहीं होने दिया। पीएम ने कहा यह चुनावसरकार बनाने के लिए नहीं हो रहा है, देश को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने के लिए हो रहा है।

मोदी सरकार के मुरीद हुए अजमेर दरगाह के दीवान

अजमेर शरीफ दरगाह के दीवान भी अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा के मुरीद हो गए हैं। उन्होंने राम मंदिर से लेकर सीएए तक जैसे कई मुद्दों पर खुलकर भाजपा के कामों का समर्थन करते हुए विपक्ष पर निशाना भी साधा है। उन्होंने कहा कि देश प्रगति कर रहा है और आज दुनिया में भारत का जो मुकाम है वह भाजपा सरकार की बदौलत है।

राहुल ने भागलपुर में कहा

सरकार बनी तो खत्म कर देंगे अग्निवीर

भागलपुर। एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा 50 सीटों से ज्यादा नहीं जीतेगी। वे अपने लिए खुद ही बढ़ा चढ़ाकर बता रहे हैं, लेकिन जनता उनको इस बात मौका नहीं देगी। इंडिया गुट की सरकार बनीं तो वे पांच तरह की गारंटी फौरन देंगे। ये योजना युवा, किसान, महिला, मजदूर, आशा वर्कर्स और सेना जुड़ा है। उनकी सरकार आते ही हर परिवार की एक महिला के खाते में आठ हजार से ज्यादा रुपये हर महीने डाले जाएंगे।

गठबंधन के सहयोगी ने राहुल को ही सुनाई खरी-खोटी

धमकी मत दो, जेल जाने से नहीं डरते

लेफ्ट और कांग्रेस दोनों ही इंडिया गठबंधन के घटक राजनीतिक दल हैं लेकिन केरल में दोनों ही एक दूसरे के खिलाफ ताल ठोंक रहे हैं। राहुल गांधी चुनावी मैदान में हैं। केरल के ही सीएम पिनाराई विजयन लगातार राहुल पर हमलावर हैं और अब उन्होंने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी को यादकर कांग्रेस को निशाने पर लिया है। राहुलपर हमलावर होते हुए पूछा कि केंद्रीय जांच एजेंसियों ने उनसे पूछताछ या गिरफ्तारी क्यों नहीं की है?

एक महिला ने डाला वोट और बन गया रिकॉर्ड

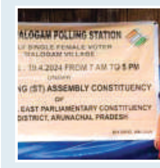

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में स्थित एक बूथ पर वोटिंग का अनोखा रिकॉर्ड बना है। इस सीट पर 100 फीसदी मतदान हुआ है। इस बूथ के लिए मतदान अधिकारी पैदल चलकर 40 किमी पहुंचे थे। मालोगाम में एक महिला रहती है। इसके लिए निर्वाचन अधिकारों ने महिला के घर से पास बूथ बनाया।

तेजस्वी ने 400 सीट को बताया 'फ्लॉप'

आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने भाजपा के 400 पार वाले नारे पर तंज कसा। यह भाजपा का नारा फ्लॉप हो गया है। इस सपर पलटवार करते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा कि जमीन पर काम करने और हवा में दावा करने वालों को जनता जानती है। एनडीए इस बार 400 पार जरूर करेगा।

जलपाईगुड़ी में ममता ने किया डांस

पश्चिम बंगाल की सीएम और टीएमसी की मुखिया ममता बेनर्जी ने 2 अप्रैल को जलपाईगुड़ी में आदिवासी समूह के लोगों से मुलाकात की। ममता ने इस दौरान उन लोगों के साथ डांस किया और फिर ड्रम भी बजाया। एक मिनट एक सेकंड की इस क्लिप में वे सफेद रंग की साड़ी में आदिवासियों के बीच नजर आईं। डांस के बाद टीएमसी सुप्रीमो ने दो महिलाओं के कंधे पर हाथ रखा और मुस्कुराते हुए उन सबसे यह पूछने लगीं कि क्या उन लोगों ने खाना खाया है?

कांग्रेस के पास न नीति, न नीयत और न नेता

शाहपुरा के शकरगढ़ में बोले गृह मंत्री शाह

शाहपुरा जिले के शकरगढ़ ग्राम में शनिवार को भीलवाड़ा संसदीय क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल के समर्थन में भाजपा की चुनावी महासंकल्प सभा का आयोजन हुआ, जिसे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संबोधित किया। शाह ने कांग्रेस पर करारा वार करते हुए कहा कि राजस्थान की सभी सीटें भाजपा जीत रही है, इसमें कोई शक नहीं है। भीलवाड़ा संसदीय क्षेत्र से भाजपा की जीत रिकॉर्ड तोड़ेगी। शाह ने कहा कि जो लोग वोट बैंक के लालच से रामलला के दर्शन नहीं करते हैं, उसे देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी। मोदी ने देश को सुरक्षित और समृद्ध करने का काम किया है।

सरकार की उपलब्धियां भी गिनाईं

शाह ने भीलवाड़ा के सांसद सुभाष बहेड़िया के कार्यकाल में केंद्र द्वारा कराए गए कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि नेशनल हाइवे-158, जयपुर-उदयपुर वंदे मातरम ट्रेन, भीलवाड़ा में मेडिकल कॉलेज, भीलवाड़ा से आसींद व गुलाबपुरा रोड पर नेशनल हाइवे, भीलवाड़ा स्टेशन का जीर्णोद्धार यह सब बहेड़िया के विकास कार्यों के खाते में जाता है। मोदी ने एक झटके से ट्रिपल तलाक को हटाया है। नई संसद भवन बनाया गया है। कर्तव्य पथ बनाया। 80 करोड़ गरीबों के कल्याण के लिए काम किया। मुफ्त राशन दिया। 12 करोड़ शौचालय बनाकर माताओं-बहनों का सम्मान किया। 10 करोड़ लोगों को उज्ज्वला का कनेक्शन दिया। 1

चित्तौड़गढ़ में गरजे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी

कांग्रेस सत्ता का अधिकार खो चुकी

चित्तौड़गढ़। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने राजस्थान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व चित्तौड़गढ़ से उम्मीदवार सीपी जोशी के समर्थन में निम्बाहेड़ा में रोड शो किया। रोड शो निम्बाहेड़ा नगर के रेलवे स्टेशन से शुरू हुआ जो विभिन्न मार्गों से होते हुए शेखावत सर्कल पर पहुंचा। शेखवात सर्कल पर भैरों सिंह शेखावत की प्रतिमा पर उन्होंने माल्यार्पण किया। समापन पर जनसभा को संबोधित किया। सीएम योगी ने कहा कि साम्प्रदायिक और जातिवाद सोच के कारण देश पहले बहुत नुकसान सह चुका है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के समय में आतंकियों को बिरयानी खिलाई जाती थी। भगवान राम के लिए कहा जाता था कि भगवान राम पैदा नहीं हुए। जो विरासत और विकास की यात्रा में सहभागी नहीं हो सकते। उन्हें सत्ता में आने का कोई अधिकार नहीं है। इस दौरान योगी के ऊपर रोड के दोनों तरफ खड़े लोगों ने फूल बरसाए। इमारतों से भी फूलों की बारिश की गई। फूलों की बारिश के वक्त सुरक्षाकर्मियों के हाथों में मौजूद ब्रीफकेस सीएम योगी के लिए कवच बने नजर आए।

खबर संक्षेप

सफल रहा जेवर पर एयरक्राफ्ट का ट्रायल

नोएडा। योगी सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण का कार्य अंतिम चरण में है। दिसंबर तक एयरपोर्ट चालू हो जाएगा। कैलिब्रेशन फ्लाइट नेविगेशन और रनवे लाइट और एयरस्पेस का परीक्षणकिया गया। जांच के लिए 30 मिनट तक बीचक्राफ्ट किंग एयर बी 300 एयरपोर्ट के ऊपर उड़ाया गया और वह सफल रहा।

ट्रैक्टर-ट्रॉली को ट्रक ने टक्कर मारी, 4 की मौत

मैनपुरी। यूपी के मैनपुरी जिले के बिछवां थानाक्षेत्र के फर्दपुर गांव के पास शनिवार तड़के एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को ट्रक ने टक्कर मार दी। इससे चार महिलाओं की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। इस हादसे में फुलमत (35), रमाकांती देवी (45) और संजय देवी (30) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि द्रोपदी देवी (40) की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई।

यूपी बोर्ड में शुभम और प्राची ने किया टॉप

लखनऊ। यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट रिजल्ट में पहले स्थान पर आए सीतापुर के शुभम वर्मा ने 500 में से 489 मॉर्क्स हासिल किए। 488 नंबर के साथ छह छात्र दूसरे स्थान पर आए हैं। बागपत के विशु चौधरी, अमरोहा की काजल , सीतापुर के राज और कशिश , सिद्धार्थ नगर के चार्ली , देवरिया के सुजाता पांडेय को 97.60 फीसदी अंक मिले। 10 वीं में प्राची निगम टॉपर रहीं।

नीतीश ने कटिहार में लालू और राबड़ी का नाम लिए बगैर साधा निशाना

नीतीश का तंज-बहुत कर दिए, इतना बाल- बच्चे पैदा करने चाहिए क्या ?

एजेंसी ▶▶ कटिहार

बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने एक बार फिर आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर परिवावाद को लेकर निशाना साधा है। नीतीश ने कटिहार में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए लालू एवं राबड़ी देवी का नाम लिए बिना जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने बहुत पैदा कर दिया, इनते बाल-बच्चे पैदा करने चाहिए किसी को। लालू पर तंज कसते हुए कहा कि पहले खुद सीएम बने, हट गए तो पत्नी को बना दिया। अब बाल-बच्चों को आगे बढ़ा रहे हैं। कहीं पर बेटी को, कहीं पर बेटों को लगा रहे हैं।

नीतीश ने डुमरिया में जेडीयू प्रत्याशी दुलालचंद गोस्वामी के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान अपने विकास गाथा की चर्चा के साथ-साथ अपने संबोधन में अल्पसंख्यकों के लिए कार्य को लोगों के बीच रखा। इशारों में परिवारवाद को लेकर जमकर हमला किया। उन्होंने आरजेडी के बारे में कहा कि यह परिवार किसी का नहीं है, बल्कि अपने परिवार की पार्टी है।

उन्होंने कहा पहले खुद सीएम बने, फिर पत्नी को बना दिया, अब बाल-बच्चों को आगे बढ़ा रहे

कुछ भी कर लें 150 पार नहीं कर पाएंगे

आरजेडी केवल परिवार की पार्टी

नीतीश परिवारवाद को लेकर आरजेडी पर हमला बोल रहे हैं। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की दो बेटियां मीसा भारती और रोहिणी आचार्य इस बार चुनाव लड़ रही हैं। नीतीश भाषणों में इसका जिक्र करते हुए लालू पर परिवार को आगे बढ़ाने का आरोप लगा रहे हैं।

आरजेडी शासन काल के हालात याद दिलाए

नीतीश कुमार ने अपने भाषण में लोगों को आरजेडी शासन काल के हालात फिर से याद दिलाए। उन्होंने कहा कि आप पुरानी बात भूल गए होंगे, इसलिए बता देना चाहते हैं कि पहले कोई काम नहीं होता था। रात में कोई बाहर नहीं निकल पाता था। आने-जाने का रास्ता नहीं था। पढ़ाई और इलाज की सुविधा नहीं थी। कहीं कोई इंतजाम नहीं था।

लालू-राबड़ी के शासन को बताया जंगल राज

नीतीश कुमार ने लालू राबड़ी के पंद्रह साल के शासन काल की तुलना जंगल राज से की। उन्होंने लालू-राबड़ी के शासन को जंगल राज की संज्ञा दी। वहीं उन्होंने कहा कि लालू राबड़ी को इतना बच्चा पैदा करना चाहिए? कोई इतना बच्चा पैदा करता है

तेजस्वी पर भी जमकर साधा निशाना

नीतीश कुमार कटिहार के डडखोड़ा प्रखंड के डुमरिया में एनडीए के जदयू प्रत्याशी दुलालचंद गोस्वामी के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। अपने भाषण में उन्होंने इशारे-इशारे में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर जमकर निशाना साधा।

रामनवमी हिंसा पर बंगाल में कार्रवाई

पुलिस अफसरों को किया निलंबित चुनाव संबंधी कार्यों पर लगाई रोक

2 पुलिस अफसरों पर चुनाव आयोग का एक्शनः डीजीपी

एजेंसी ▶▶ मुर्शिदाबाद

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में रामनवमी पर जुलूस निकाले जाने के दौरान हुई हिंसा को रोकने में कथित तौर पर नाकाम रहने को चुनाव आयोग ने गंभीरता से लिया है। आयोग ने दो पुलिस थानों के प्रभारियों को निलंबित कर दिया।

चुनाव आयोग के अनुसार निर्देशों के बावजूद शक्तिपुर और बेलडांगा पुलिस थानों के प्रभारी 'धार्मिक हिंसा' को रोकने में विफल रहे। एक अधिकारी ने बताया कि दोनों अधिकारी जिला पुलिस मुख्यालय में रहेंगे और चुनाव संबंधी कोई भी कार्य नहीं कर पाएंगे।

पूर्वी मेदिनीपुर में भी हिंसक झड़प हुई थी

रामनवमी के अवसर पर केवल मुर्शिदाबाद ही नहीं बल्कि पश्चिम बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर में भी हिंसक झड़प देखने को मिली थी। यहां पर हुई हिंसा में तकरीबन 4 लोग घायल हो गए। बीजेपी ने आरोप लगाया कि शोभायात्रा पर पत्थर बरसाए गए। पुलिस को भीड़ को हटाने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा और आंसू गैस के गोले भी दागने पड़े थे।

नंदीग्राम में भाजपा का दफ्तर जलाने का आरोप

भाजपा ने आरोप लगाया कि 5 लोगों को अरेस्ट किया गया है। भाजपा की उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल मौके पर पहुंची और पार्टी कार्यकर्ताओं को तुरंत छोड़ने की मांग की। भाजपा कार्यकर्ताओं ने टायर जलाए। बेल्डा-कांठी के रास्ते को बंद कर रातभर विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी ने आरोप लगाया कि नंदीग्राम में भाजपा का दफ्तर जला दिया गया।

सौरभ का भाजपा-एलजी पर आरोप

जेल में केजरीवाल की हत्या की साजिश, स्लो डेथ दे रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल तिहाड़ जेल में बंद हैं। शराब घोटाले मामले में अ केजरीवाल तिहाड़ जेल में बंद हैं।

उनकी डाइट चार्ट और इंसुलिन की मांग को लेकर बहस छिड़ी हुई है। इस बीच दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने मोदी सरकार और एलजी विनय कुमार सक्सेना पर गंभीर आरोप लगाए हैं। भारद्वाज ने कहा कि जेल में केजरीवाल की हत्या की साजिश रची जा रही है और उन्हें स्लो डेथ दिया जा रहा है।भारद्वाज ने कहा कि केजरीवाल का शुगर लेवल काफी बढ़ गया है और इस वजह से वह बार-बार इंसुलिन की मांग कर रहे हैं, लेकिन उन्हें इसकी सुविधा नहीं दी जा रही हैभारद्वाज ने कहा कि शुगर लेवल बढ़ने से नसों, किडनी, आंख और दिल पर ऐसा प्रभाव पड़ सकता है, जिसे कभी ठीक नहीं किया जा सकता। एलजी विनय कुमार सक्सेना पर निशाना साधते हुए भारद्वाज ने कहा कि अगर अरविंद केजरीवाल की किडनी फेल होगी तो क्या वह उन्हें वापस दे सकते हैं।

बीफ शॉप पर अकबरुद्दीन ने लगाया जिंदाबाद का नारा

सीतारमण बोलीं-दोनों भाई 'अभद्र' बयान देने के एक्सपर्ट

वित्त मंत्री निर्मला ने कहा कि मुझे उनके ऐसे बयानों पर हैरानी नहीं होती

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलमीन (एआईएमआईएम) के सांसद असदुद्दीन ओवैसी के चुनाव प्रचार का एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो पर अब केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पलटवार किया है। साथ ही ओवैसी को सीख भी दी है।

सीतारमण ने असदुद्दीन ओवैसी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके राजनीतिक बयान हमेशा अभद्र होता है। वित्त मंत्री ने कहा कि मुझे उनके ऐसे बयानों पर हैरानी नहीं होती है। सीतारमण ने कहा कि उनके छोटे भाई अकबरुद्दीन भी, जो विधायक हैं, ऐसे बयान देने में एक्सपर्ट हैं।

दुकान पर लिखा है- रेहान बीफ शॉप

सीतारमण ने कहा कि मुझे इन लोगों के बयानों पर आश्चर्य नहीं होता है, क्योंकि असदुद्दीन ओवैसी और उनके भाई इसी तरह के भड़काऊ बयान देते रहते हैं। गौरतलब है कि वायरल वीडियो में एआईएमआईएम सांसद अपने चुनाव प्रचार के दौरान मांस की एक दुकान पर जाते दिखते हैं। वीडियो के अनुसार इस दुकान पर रेहान बीफ शॉप लिखा है।

माधवीलता दे रहीं उनको चुनौती

तेलंगाना की हैदराबाद लोकसभा सीट से 4 बार के सांसद असदुद्दीन ओवैसी चुनावी मैदान में हैं। उनके सामने भाजपा ने सामाजिक कार्यकर्ता और हिंदूवादी चेहरे के तौर पर पहचान रखने वालीं माधवी लता को टिकट दिया है। इन दोनों नेताओं के बीच लगातार जुबानी जंग छिड़ी हुई है। तेलंगाना की 17 लोकसभा सीटों पर 13 मई को चौथे चरण में वोटिंग होनी है।

चलते-चलते उन्होंने कहा कि काटते रहो

वीडियो के मुताबिक असदुद्दीन ओवैसी इस दुकान पर पहुंचने के दौरान बोर्ड पर लिखा नाम पढ़ते हैं। इसके बाद वो कहते नजर आते हैं कि रेहान बीफ शॉप जिंदाबाद। चलते-चलते उन्होंने कहा कि काटते रहो आप।

सूरज उगलने लगा आग: 12 राज्यों में हीटवेव, तापमान 43 डिग्री पार

नई दिल्ली में पड़ रही झुलसाने वाली तेज गर्मी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

मप्र समेत देश के 12 राज्यों में हीटवेव (लू) चलेगी। इनमें बिहार, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, झारखंड, गुजरात और तमिलनाडु शामिल हैं।

यहां हीटवेव की स्थिति 3 से 4 दिनों तक जारी रहेगी। मौसम विभाग ने 17 राज्य में बारिश का अनुमान भी लगाया है। इनमें जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कर्नाटक शामिल हैं।

राज्यों के मौसम का यह रहेगा हाल

बिहार: 13 जिलों में लू का यलो अलर्ट, यहां अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

झारखंड: राज्य के 13 जिले हीट वेव की चपेट में हैं। यहां का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार हो गया है।

छत्तीसगढ़: रायपुर-दुर्ग संभाग में लू का अलर्ट, 6 जिलों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री पार

23 राज्यों में अच्छी बारिश

मौसम विभाग का अनुमान- मानसून सामान्य से बेहतर रहेगा, राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत 20 राज्यों में अच्छी बारिश होगी। भारतीय मौसम विभाग ने बताया कि इस बार जून से सितंबर तक मानसून सामान्य से बेहतर रहेगा। मौसम विभाग 104 से 110 फीसदी के बीच बारिश को सामान्य से बेहतर मानता है। यह फसलों के लिए अच्छा संकेत है। 2024 में 106% यानी 87 सेंटीमीटर बारिश हो सकती है। 4 महीने के मानसून सीजन के लिए लॉन्ग पीरियड एवरेज (एलपीए) 868.6 मिलीमीटर यानी 86.86 सेंटीमीटर होता है। वहीं वेदर एजेंसी स्काईमेट इस साल राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत 23 राज्यों में अच्छी बारिश होने का अनुमान जता रहा है। इस बार मानसून सामान्य रहेगा। यानी जून से सितंबर तक 4 महीने में औसत या सामान्य बारिश होगी। मौसम विभाग 96 से 104 फीसदी के बीच बारिश को औसत या सामान्य मानता है। यह फसलों के लिए अच्छा संकेत है।

लू से बचने स्वास्थ्य मंत्रालय की सलाह

लू से बचने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गाइडलाइंस जारी की गई है, जिसे आप जरूर फॉलो करें। पूरे दिन नियमित रूप से पानी पीकर हाइड्रेटेड रहें। गर्मी से बचने के लिए सांस लेने योग्य, हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें। बाहर निकलते समय धूप का चश्मा, छाता या टोपी और उसके उपयुक्त जूते पहनकर रखें। अधिक प्रोटीन वाले भोजन से दूर रहें और बासी भोजन का सेवन करने से बचें। शराब, चाय, कॉफी और सोडा जैसे पेय प्रदार्थों को पीने से बचें।

खबर संक्षेप

पाक में 8 हजार करोड़ निवेश करेगा सऊदी अरब

इस्लामाबाद। सऊदी अरब जल्द ही पाकिस्तान में तांबा और सोने के खनन से जुड़े प्रोजेक्ट में 8.34 हजार करोड़ का निवेश करेगा। सऊदी के विदेश मंत्री फैजल बिन फरहान अल सऊद हाल ही में 2 दिन के पाकिस्तान दौरे पर गए थे। इसी दौरान दोनों देशों के बीच डील पर चर्चा हुई। वहीं आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने सऊदी के सहायक रक्षा मंत्री मेजर अब्दुल्लाह अल-ओताइबी से मुलाकात की।

ब्लू व्हेल चैलेंज से यूएसए में भारतीय छात्र की मौत

वॉशिंगटन। अमेरिका में पिछले महीने मार्च में मैसाचुसेट्स विवि में प्रथम वर्ष में पढ़ने वाले 20 वर्षीय भारतीय छात्र की ब्लू व्हेल चैलेंज गेम ने जान ले ली। यह गेम एक आत्मघाती खेल है। इसे सुसाइड गेम भी कहा जाता है। वह 8 मार्च को मृत पाया गया था। ब्रिस्टल काउंटी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के प्रवक्ता ग्रेग मिलियोट ने कहा कि मामले की जांच स्पष्ट आत्महत्या के रूप में की जा रही है। पहले छात्र की मृत्यु को एक हत्या बताया था।

इजराइल का राफा पर हवाई हमला, 9 की मौत

राफा। इजराइल और हमास के बीच जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन भीषण मोड़ ले रहा है। इजराइल ने गाजा के सबसे दक्षिणी शहर रफा में फिर से हवाई हमला किया है। इस हमले में कम से कम 9 लोगों की मौके पर मौत हो गई। मरने वालों में छह बच्चे भी शामिल हैं। इजराइल ने शुक्रवार देर रात राफा शहर के पश्चिमी तेल सुल्तान इलाके में एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया।

हमले के पीछे इजराइल के होने के सबूत नहीं मिले, दोनों में जुबानी जंग छिड़ी

ईरान की खुली धमकी: बोला- जांच में कुछ मिला तो छोड़ेंगे नहीं, इजराइल ने साधी चुप्पी

अमेरिका भी किसी हमले में शामिल होने से पहले ही कर चुका है इनकार

ईरानी अधिकारियों का कहना है कि हवाई सुरक्षा सिस्टम ने तीन ड्रोन्स को निशाना बनाया था, जिससे धमाके की आवाज सुनी गई। ईरान अधिकारियों का कहना है कि कुछ उग्रवादियों ने ये ड्रोन्स उड़ाए हो सकते हैं।

एजेंसी ▸▸ तेहरान

ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि ईरान पर हुए हमले की जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि अभी तक इस हमले के पीछे इजराइल का हाथ होने के सबूत नहीं मिले हैं। ईरानी विदेश मंत्री ने धमकी देते हुए कहा कि अगर इजराइल ने ईरान पर हमले की कोशिश की, तो ईरान तुरंत और मुंहतोड़ जवाब देगा। वहीं इजराइल की तरफ से इस बारे में कोई बयान नहीं दिया गया है।

खास बातें

ईरान के भीतर से ही कुछ ड्रोन्स उड़े थे, जिन्हें कुछ मीटर उड़ान भरने के बाद ही मार गिराया था

गत दिवस पर ईरान पर हुआ था जोरदार हमला, ईरान जुटा रहा सबूत

ईरान में धमाकों की आवाज

ईरान के विदेश मंत्री हुसैन ने बताया कि ईरान के भीतर से ही कुछ ड्रोन्स उड़े थे, जिन्हें कुछ मीटर उड़ान भरने के बाद ही मार गिराया गया था। अमीराब्दोल्लाहियन ने कहा कि वो ड्रोन्स बच्चों के खिलौनों जैसे थे, जिनसे हमारे बच्चे खेलते हैं।

ईरान की इजराइल को धमकी

ईरान के विदेश मंत्री ने इजराइल को धमकी देते हुए कहा कि अगर इजराइल फिर से कोई गड़बड़ी करता है तो हम उसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। ईरान के किसी ठिकाने पर हमले की कोई जानकारी नहीं है।

कुछ उग्रवादियों द्वारा ये ड्रोन्स उड़ाने की आशंका

ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि इस हमले के पीछे इजराइल के सबूत नहीं मिले हैं। मामले की जांच चल रही है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि हवाई सुरक्षा सिस्टम ने तीन ड्रोन्स को निशाना बनाया था, जिससे धमाके की आवाज सुनी गई। कुछ उग्रवादियों ने ये ड्रोन्स उड़ाए हो सकते हैं।

यह है ईरान और इजराइल के बीच तनाव का मामला

ईरान के दमिश्क स्थित दूतावास पर हमला हुआ था। इस हमले में ईरान की सेना के दो शीर्ष कमांडर्स समेत सात लोगों की मौत हुई थी। ईरान ने इस हमले का आरोप इजराइल पर लगाया था। ईरान ने चेतावनी दी थी कि अगर इजराइल ने उन पर हमला किया तो वे और ताकत के साथ पलटवार करेंगे। इसके बाद, बीते दिनों ईरान ने इस्राइल पर 300 से ज्यादा मिसाइलों और ड्रोंस से हमला किया था। हालांकि ये मिसाइलें और ड्रोंस इस्राइल की हवाई सुरक्षा को नहीं भेद पाई थीं। वहीं, हाल ही में इस्राइल ने पलटवार किया।

इराक में ईरान समर्थित सैन्य ठिकानों पर 5 धमाके

बगदादा। ईरान और इजराइल के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। लगातार दोनों देश एक-दूसरे पर हमला कर रहे हैं। इस बीच इराक में शनिवार को ईरान समर्थित सैन्य ठिकानों 5 धमाके हुए। इसमें कम से कम 3 लोग घायल हो गए। हालांकि, अभी तक धमाकों के कारणों का पता नहीं चल पाया है। विस्फोट विशेष रूप से पॉपुलर मोबिलाइजेशन यूनिट्स (पीएमयू) से संबंधित एक जगह पर हुए। बेबीलोन गवर्नरेट के उत्तर में राजमार्ग पर अल-मशरौ जिले के कलसू सैन्य अड्डे पर हुए धमाकों की जांच चल रही है।

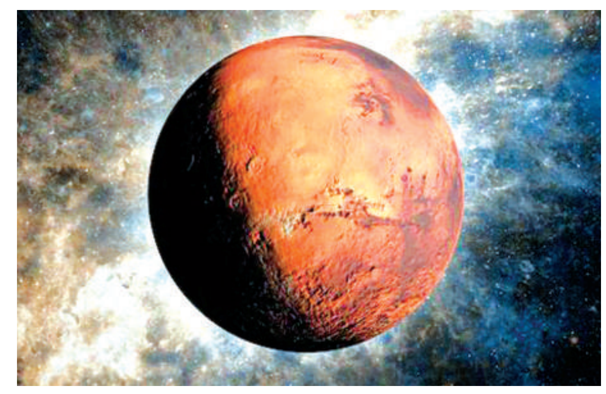

खतरों से निपटने नासा करेगा अरबों खर्च

मंगल से आ सकते हैं महामारी के वायरस, फिर दुनिया पर संकट

एजेंसी ▸▸ वॉशिंगटन

स्पेस से हमें जिस तरह के खतरों का सामना करना पड़ सकता है, वह पृथ्वी पर पैदा किए हुए हथियार ही नहीं बल्कि दूसरे ग्रह, क्षुद्रग्रह, या उलकापिंड के जरिए आए खतरनाक और जानलेवा सूक्ष्मजीव भी हो सकते हैं। यह आशंका मंगल जैसे ग्रह से आने वाले नमूनों के लिए ज्यादा जाहिर की जाती है। नासा इस तरह के खतरों से निपटने अरबों डॉलर खर्च करेगा। इसके संभावित खतरों से निपटना जरूरी है।

बड़े पैमाने पर फैल सकते हैं रोगाणु

लाल ग्रह की सतह से लिए गए नमूनों को कुछ विवादों का सामना करना पड़ा है क्योंकि सार्वजनिक निकायों ने चेतावनी दी है कि उन वस्तुओं से जुड़े पारिस्थितिक रूप से भूखे रोगाणु हमारे ग्रह पर बड़े पैमाने पर फैल सकते हैं। किसी भी संभावित जैविक परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए जैवरक्षा पर द्विदलीय आयोग पहले ही स्थापित किया जा चुका है।

बजट बढ़ाने की कोशिश कर रहा नासा

नमूने लौटाने के लिए नासा के अरबों डॉलर के बजट के हिस्से के रूप में अंतरिक्ष संगठन के पास 11 अरब डॉलर (£8.8 बिलियन) से भी कम है। बजट का एक हिस्सा संभवतः एस्ट्रोबायोडिफेंस समूह के लिए आरक्षित किया जाएगा क्योंकि शलाला और ब्रूक्स का दावा है कि नासा को अपना पैसा एक समूह में निवेश करना चाहिए।

सुपरपावर देशों की बढ़ी टेंशन

उत्तर कोरिया ने किया अब तक का सबसे खतरनाक मिसाइल परीक्षण

एजेंसी ▸▸ सियोल

अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ बढ़ते तनाव के बीच उत्तर कोरिया ने फिर हथियारों का परीक्षण किया है। उसने पश्चिमी तटवर्ती क्षेत्र से एक सुपर-लार्ज क्रूज मिसाइल वारहेड और एक नई एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल का परीक्षण किया। संयुक्त राष्ट्र द्वारा किसी भी रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण प्रतिबंधित किए जाने के बावजूद उत्तर कोरिया अपनी सैन्य क्षमता बढ़ाने में जुटा है।

2 फरवरी को भी किया था परीक्षण

रणनीतिक क्रूज मिसाइल ह्वासल-1 आरए-3 के लिए तैयार वारहेड और प्योलज्जी-1-2 विमान रोधी मिसाइल का परीक्षण किया। उसने इससे पहले 2 फरवरी को भी परीक्षण किए थे, लेकिन उस समय क्रूज मिसाइल या विमान रोधी मिसाइलों के नाम नहीं बताए गए थे।

श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह

चारधाम के लिए अब तक 10.66 लाख पंजीकरण

देहरादून। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा की तैयारी शुरू हो गई है। इस बार बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। केदारनाथ धाम के लिए श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। 10 मई से शुरू होने वाली यात्रा में केदारनाथ धाम के लिए सबसे अधिक पंजीकरण तीर्थयात्रियों ने कराया है। केदारनाथ के लिए अब तक तीन लाख 52 हजार 879 श्रद्धालु अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। दरअसल,चारधाम यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य है। चारधाम यात्रा और

हेमकुंड साहिब के लिए 19 अप्रैल शाम छह बजे तक कुल 1066157 पंजीकरण हुए हैं। चारधाम और हेमकुंड साहिब के लिए 159054 तीर्थयात्री प्रतिदिन पंजीकरण करवा रहे हैं। ऑनलाइन पंजीकरण 15 अप्रैल सुबह सात बजे से प्रारंभ किए गए थे।

पाक के विनाशक मिसाइल बनाने के प्लान को रोकने अमेरिका ने उठाया बड़ा कदम

चीन की 3 और बेलारूस की एक कंपनी पर लगाया प्रतिबंध

एजेंसी ▸▸ वॉशिंगटन

अमेरिका ने पाकिस्तान के मिसाइल कार्यक्रमों के लिए उपकरणों की आपूर्ति करने पर चीन की तीन और बेलारूस की एक कंपनी पर प्रतिबंध लगा दिया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि जिन कंपनियों पर पाबंदी लगाई गई है, उनमें मिन्स्क व्हील ट्रैक्टर प्लांट, शीआन लोंगडे टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड, तियानजिन क्रिएटिव सोर्स इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड और ग्रैनपेक्ट कंपनी लिमिटेड शामिल हैं।

चीन कर रहा था आपूर्ति

चीन स्थित शीआन लोंगडे टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड ने पाकिस्तान की लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए फिलामेंट वाइंडिंग मशीन सहित कई उपकरणों की आपूर्ति की। तियानजिन क्रिएटिव सोर्स कंपनी ने पाकिस्तान को स्टिर वेल्डिंग उपकरण की आपूर्ति की है।

बेलारूस ने दी वाहन की चेसिस

बेलारूस की कंपनी मिन्स्क व्हील ट्रैक्टर प्लांट ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए विशेष वाहन चेसिस की आपूर्ति की। इसका उपयोग पाकिस्तान के राष्ट्रीय विकास परिसर द्वारा बैलिस्टिक मिसाइलों के प्रक्षेपण के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

कारण अज्ञात, जांच शुरू

ग्रैमी अवार्ड विनर मैंडिसा का शव अपने घर में पाया गया

एजेंसी ▸▸ वॉशिंगटन

अमेरिकन आइडल जीतने वाली और ग्रैमी अवॉर्ड विनर 47 वर्षीय आर्टिस्ट मैंडिसा अपने घर में रहस्यमयी तरीके से मृत पाई गई हैं। पुलिस ने उनकी मौत की जांच शुरू कर दी है। मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। इस बीच मैंडिसा के फैन्स में भी दुख की लहर दौड़ गई है। मैंडिसा हमेशा से ही हिम्मत करने वालों की एक साहसी आवाज रही है। साल 2006 में आए इंडियन आइडल से मैंडिसा की आवाज घर घर तक पहचान बनाने में कामयाब रही। उन्होंने अपना डेब्यू एल्बम रिलीज किया, जिसका नाम था ट्रू ब्यूटी। इस एल्बम के साथ ही क्रिश्चियन म्यूजिक में उनका सफर शुरू हो गया। इसके बाद उनके बहुत से एल्बम रिलीज हुए। जिसमें फ्रीडम, इट्स क्रिस्मस, वॉट इफ वी वेयर रियल जैसे एल्बम शामिल हैं।

नेहा मर्डर केस: सूबे में मचा बवाल, सिद्धारमैया ने घटना को बताया निजी कारण

आरोपी फैयाज की मां बोली- एक-दूसरे से करते थे प्यार, आईएएस बनाना चाहती थी!

एजेंसी ▸▸ बेंगलुरु

कर्नाटक के हुबली जिले के विद्यानगर में हुए नेहा हिरेमत मर्डर केस की वजह से पूरे सूबे में बवाल हो रहा है। लोग इसे लव जिहाद का मुद्दा बताकर गुनहगार को जल्द से जल्द सजा दिलाने की मांग कर रहे हैं। नेहा के परिजनों ने कहा है कि उनकी बेटी के साथ जो हुआ वैसा किसी और के साथ नहीं होना चाहिए।

आरोपी की मां ने लव जिहाद से साफ इनकार किया है। उनका कहना है कि नेहा और फैयाज एक-दूसरे से प्यार करते थे। सूबे में बवाल के बाद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने लव जिहाद के दावों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह हत्या निजी कारणों से की गई है और राज्य में कानून व्यवस्था बिल्कुल दुरुस्त है। भाजपा इस पर राजनीति कर रही है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने दावा किया कि भाजपा गुप्त रूप से राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की योजना बना रही है।

आरोपी की मां बोली-बेटे को दंड मिलना चाहिए

फैयाज की मां मुमताज ने कहा कि मैं अपने बेटे की ओर से कर्नाटक के सभी लोगों से माफी मांगती हूं। मैं लड़की के माता-पिता से भी माफी मांगती हूं। वो मेरी बेटी की तरह थी। मैं भी उसके परिवार की तरह उतना ही दुखी हूं। मेरे बेटे ने जो किया वो गलत है। इसके लिए उसे दंड मिलना चाहिए। उसने हमारा सिर शर्म से झुका दिया है। वह पांच दिन पहले (13 अप्रैल) को यह कहकर घर से निकला था कि वो घर बैठे-बैठे तंग आ गया है। नौकरी ढूंढने जा रहा है। मुझे हत्या के बारे में तब पता चला जब एक परिचित ने फोन करके मुझसे टेलीविजन चालू करने के लिए कहा।

18 अप्रैल को हुई थी घटना

कर्नाटक स्थित हुबली बीवीबी कॉलेज कैंपस में 18 अप्रैल को कांग्रेस पार्षद निरंजन हिरेमथ की 23 साल की बेटी नेहा हिरेमथ की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। नेहा एमसीए फर्स्ट ईयर की स्टूडेंट थीं।

मेरा बेटा शादी करना चाहता था...

मुमताज ने कहा कि नेहा एक अच्छी लड़की थी। फैयाज और नेहा न केवल अच्छे दोस्त थे, बल्कि एक-दूसरे से प्यार भी करते थे। ये बात मुझे पिछले एक साल से पता थी। यह एकतरफा प्यार नहीं था। मेरा बेटा उससे शादी करने के लिए तैयार था। लेकिन मैंने उससे कहा था कि पहले वो अपने करियर पर ध्यान दे। वो पढ़ने में बहुत होशियार है।

पिता ने कार्रवाई से जताया संतोष

नेहा के पिता निरंजन हिरेमत ने इस मामले में पुलिस की कार्रवाई पर संतोष जताय है, लेकिन साथ ही कहा है कि अगर एक पार्षद होने के बावजूद उनके परिवार में ऐसा हो सकता है, तो फिर आम लोगों कितने खतरे में हैं इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।

विशेषः पृथ्वी दिवस, 22 अप्रैल

हम सभी इस बात को जानते और समझते हैं कि हमारा वजूद पृथ्वी की वजह से ही संभव है। इसके बावजूद हमारी गतिविधियां धरती को लगातार संकटग्रस्त कर रही हैं। इसके दुष्प्रभाव दिखने लगे हैं और भविष्य में स्थितियां और भी भयावह हो सकती हैं। ऐसा ना हो, हमारी धरती और हम सभी सुरक्षित रहें, इसके लिए बिना देर किए हर किसी को प्रयास करने होंगे।

हमारे कारण संकटग्रस्त हो रही है हमारी पृथ्वी

कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन

जिस धरती मां ने हमें जीवन दिया, प्राणवायु दी, पीने को पानी और खाने को भोजन दिया, आज वही अपनी जीवनरक्षा के लिए जूझ रही है। हम मनुष्यों ने स्वार्थ और सुविधाओं में खोकर इसका बेतहाशा दोहन किया है, जिससे प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया है। हमारी लापरवाही और स्वार्थ के कारण न सिर्फ पृथ्वी का अपने मूल स्वभाव में बने रहना दूभर हो रहा है बल्कि इसकी गति और स्वाभाविक गतिविधियां भी बाधित हो रही हैं।

गति में आ रही बाधा

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि वनों की बेतहाशा कटाई, प्राकृतिक संपदा के नासमझीपूर्ण उपयोग और दोहन से धरती के सबसे ठंडे स्थान भी धीरे-धीरे गर्म होने लगे हैं। अंटार्कटिका में बर्फ पिघलने से पृथ्वी की घूर्णन गति में भी कमी आ रही है, जिससे विश्व की घड़ियां भी गड़बड़ा सकती हैं। पृथ्वी हर 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकेंड में अपना चक्कर पूरा करती है। इसके घूमने की गति 1674 किलोमीटर प्रति घंटा है। यह रफ्तार किसी लड़ाकू विमान जितनी है। पर पृथ्वी का आकार इतना बड़ा है कि हमें इसके घूमने का पता नहीं लग पाता। अंतरिक्ष या उपग्रहों के जरिए पृथ्वी को घूमते हुए देखा जा सकता है।

एक नए अध्ययन में पाया गया कि इसके सर्व निर्देशांकित समय (कोर्डिनेटेड यूनिवर्सल टाइम) में से एक सेकेंड कम करने की आवश्यकता पड़ सकती है। इस अध्ययन के लेखक डंकन एग्न्यू हैं। ये अमेरिका के सेंडियागो में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में भू-भौतिक विज्ञानी हैं। यह अध्ययन 'नेचर' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

नष्ट हो रहे ऑक्सीजन स्रोत

पृथ्वी पर ऑक्सीजन के मूल स्रोत पेड़-पौधे लगातार नष्ट हो रहे हैं। इसके साथ ही नदियां, समुद्र और जल संग्रह प्रदूषित और विषाक्त होते जा रहे हैं। जंगलों में आग लगने की घटनाएं दिनों- दिन बढ़ रही हैं। पिछले कई दिनों से तमिलनाडु के नीलगिरी में कुन्नूर वन क्षेत्र में जंगल की आग भड़क रही है। 1901 के बाद फरवरी 2024, दक्षिण भारत में सबसे गर्म महीना रहा है। पिछले दो महीने में दक्षिण भारत के कई राज्यों में अधिकतम, न्यूनतम और औसत तीनों ही तापमान सामान्य से ऊपर बने हुए हैं। इसी के परिणामस्वरूप सर्दियों के मौसम के दौरान भी इन वनों में शुष्क बायोमास की उपलब्धता बहुत ज्यादा है, जिसके कारण आग तेजी से फैल रही है। जंगलों में आग लगने का सबसे आम कारण मानवीय लापरवाही है। इसके अंतर्गत जलती हुई माचिस, सिगरेट के बिन बुझे टोटे को फेंकना, जंगलों में खाना पकाना, जानवरों को मारने के लिए या उन्हें डराने के लिए आग जलाना, शहद इकट्ठा करने के लिए आग लगाना आदि कारण शामिल हैं। प्राकृतिक कारणों में बिजली गिरना भी इसकी एक बड़ी वजह है। 2021 में भारत के कई राज्यों में वन अग्नि की अनेक घटनाएं देखने को मिलीं। साल 2023 में गोवा के वन क्षेत्र में बड़ी आगजनी की घटना हुई। 2024 में अब तक मिजोरम में 3738, मणिपुर में 1702, असम में 1652, मेघालय में 1252 और महाराष्ट्र में 1215 आग लगने की घटनाएं रिकॉर्ड की गईं।

बिगड़ रहा है आकार और प्रकार

पृथ्वी पर गर्मी बढ़ने से ग्लेशियर पिघलते जा रहे हैं। इसका असर पृथ्वी की बेस लाइन पर पड़ रहा है और इसका शेप बिगड़ रहा है। हम इतना प्रदूषण फैला रहे हैं कि 2050 तक धरती का तापमान 2 डिग्री और बढ़ जाएगा। ऐसा हुआ तो कहीं भीषण सूखा पड़ेगा तो कहीं विनाशकारी बाढ़ आएगी। ग्लेशियर पिघलकर नष्ट हो जाएंगे तो जाहिर है इसके कारण समुद्र का जल स्तर बढ़ जाएगा। बढ़े हुए जल स्तर के कारण कई शहर हमेशा के लिए डूब जाएंगे। आपको जानकर चिंता और हैरानी होगी कि धरती पर समस्त जीवित प्राणियों यानी जल, थल, नभ में रहने वाले पशु-पक्षियों और पेड़-पौधों का कुल भार से, मनुष्य निर्मित चीजों जैसे इमारतों, मशीनों आदि का भार बढ़ गया है। इसका वजन 2040 तक तीन टेराटन हो जाएगा। एक टेरा टन यानी ट्रिलियन टन के बराबर होता है और 1 टन में हजार किलोग्राम होते हैं। इसी से अंदाजा लगा सकते हैं कि यह भार कितना ज्यादा होगा। प्लास्टिक का इस्तेमाल भी हम बेतहाशा करने लगे हैं। इसका दुष्परिणाम भी पृथ्वी को ही भोगना पड़ रहा है।

ऐसे बचाएं अपनी धरती

धरती मां को बचाने के लिए हम सभी को प्रण करना होगा कि अपनी धरती को बचाने के लिए कोई भी कसर नहीं छोड़ेंगे। हमें जियो और जीने दो के मूल मंत्र पर काम करना होगा। इसके लिए पशु-पक्षियों का अनावश्यक शिकार रोकना होगा। मांसाहार छोड़कर शाकाहार अपनाना होगा। प्लास्टिक का न्यूनतम उपयोग करने का निश्चय करना होगा। पेड़-पौधों का संरक्षण और संवर्द्धन करना होगा। पर्यावरण को गर्म करने वाली गैसों का उत्सर्जन रोकने के लिए हमें तरह-तरह के उपाय करने होंगे। इसके लिए हमें जीवनशैली को ईकोफ्रेंडली बनाना होगा। इसके तहत बेवजह बिजली का उपयोग यानी बर्बादी रोकनी होगी। जैविक ईंधन यानी पेट्रोल, डीजल, केरोसिन तेल की बर्बादी रोकने और इनका उपयोग न्यूनतम करने का प्रयास करना होगा। साथ ही सौर ऊर्जा के उपयोग की आदत डालनी होगी। वैज्ञानिकों को भी गैर जैव ऊर्जा का निर्माण करने की ओर प्रयास करने होंगे। हमें अपनी दैनिक आदतों में जीरो वेस्ट नीति अपनाने, पानी के दुरुपयोग को रोकने और कचरे का सही निस्तारण करने जैसी आदतें शामिल करनी होंगी। कुल मिलाकर धरती की सेहत तभी सुधरेगी, जब हम इसका अनावश्यक दोहन करने की प्रवृत्ति पर लगाम कसने में कामयाब होंगे। *

ग्लोबल वार्मिंग से बढ़ रहा आइसक्रीम का कारोबार

साल 2022 में, भारत में आइसक्रीम बाजार का आकार 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा था, जबकि अगले पांच सालों में 13.49 फीसदी की सालाना वृद्धि दर का अनुमान है। वैश्विक आइसक्रीम बाजार की बात करें तो साल 2018 में यह 62.4 बिलियन डॉलर था, जबकि साल 2025 तक इसके बढ़कर 97.3 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है। इन दो तथ्यों से साफ है कि जैसे-जैसे धरती के तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही है, उसी रफ्तार से इंसान में गला तर करने वाली ठंडी चीजों की चाहत बढ़ रही है। इससे साफ है कि नए-नए स्वादों, प्रकारों के चलते क्या विकसित और क्या विकासशील, सभी देशों में आइसक्रीम की मांग बढ़ रही है। आइसक्रीम का ग्लोबल वार्मिंग के साथ महज विरोधाभासी रिश्ता भर नहीं है बल्कि सूक्ष्म स्तर पर ही इससे यह साबित होता है कि बढ़ रही गर्मी की बेचैनी ने इंसान को आइसक्रीम जैसी ठंडी चीजों की तरफ आकर्षित किया है।

जानकारों की माने तो साल 2024 आइसक्रीम के करोबार के लिहाज से बहुत हॉट होने वाला है, विशेषकर भारत में जहां आशंका है कि इस साल बाकी सालों के मुकाबले 20 से 22 दिनों तक ज्यादा गर्मी पड़ेगी। साथ ही 13 से 17 दिन तक ज्यादा लू चलेगी। ऐसी स्थिति में ठंडी-ठंडी आइसक्रीम का कारोबार बढ़ेगा ही। खासकर तब, जब आइसक्रीम के बाजार में नए से नए एक्सपेरिमेंट भी हो रहे हैं। इसके अलावा आज अपने देश के लगभग सभी बड़े शहरों में इंडियन आइसक्रीम एक्सपो आयोजित होने लगे हैं। इंडियन मैरिज बाजार के अध्ययन के मुताबिक पिछले एक दशक में शादियों में आइसक्रीम का चलन 20 फीसदी तक बढ़ा है और खान-पान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा आइसक्रीम बन गई है। यह भी देखने में आ रहा है कि अब सिर्फ बच्चे ही आइसक्रीम के दीवाने नहीं हैं, अपने देश में होने वाली शादियों में 35 फीसदी से ज्यादा आइसक्रीम बूढ़े और अधेड़ खाते हैं।

डॉक्टर और मनोवैज्ञानिक दोनों इस निष्कर्ष से सहमत हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते लोगों में गर्मी के एहसास की जो बेचैनी बढ़ी है, उस वजह से लोगों में मीठा और ठंडा खाने की ललक बढ़ रही है। मतलब साफ है कि जब आसमान से आग बरसेगी तो लोग खुद को तरोताजा रखने के लिए आइसक्रीम जैसी ठंडी चीजों की तरफ आकर्षित होंगे ही। -नयनतारा

महेंद्र सिंह धोनी क्रिकेट के सुपर स्टार्स में शामिल हुए हैं तो इसकी वजह है, उनकी पर्सनालिटी में शामिल कुछ विशेष गुण। इन गुणों को सीखकर आप भी अपनी फील्ड में सफल लीडर बन सकते हैं।

लीडरशिप के कई गुण हमें सिखाते हैं महेंद्र सिंह धोनी

मोटिवेशन / अतुल मलिकराम

अपने क्षेत्र विशेष में किसी न किसी व्यक्ति के ऊपर लीडरशिप का जिम्मा होता ही है। मायने यह रखता है कि वह उसे निभाता किस तरह से है? इस लिहाज से सबसे पहले याद आने वाले नामों में महेंद्र सिंह धोनी का नाम भी शामिल है। धोनी की लीडरशिप क्वालिटीज के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

उदाहरण से लीड करना : उदाहरण के तौर पर नेतृत्व करना धोनी की लीडरशिप की सबसे महत्वपूर्ण खूबियों में से एक है। धोनी के भीतर हमेशा ही अटूट समर्पण, अविश्वसनीय कार्य नीति और अत्यधिक शांत रहकर अच्छा काम करने की कला रही है। निरंतर सुधार के लिए उनकी प्रतिबद्धता और लगातार शानदार परफॉर्मेंस देने की उनकी क्षमता हमेशा ही उनके साथियों को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करती है।

दृढ़ विश्वास से निर्णय लेना: सामान्य स्थिति से परे, विशेष रूप से दबाव में धोनी की निर्णय लेने की क्षमता तारीफ के काबिल है। चाहे वह एक साहसिक टीम का चयन हो, बैटिंग के ऑर्डर का एडजस्टमेंट हो या फिर एक खेल की दिशा बदलकर रख देने वाला कदम, धोनी ने हमेशा अपनी प्रवृत्ति का समर्थन किया और दृढ़ विश्वास के साथ निर्णय लिया। इस अटूट आत्म-विश्वास ने न सिर्फ उन्हें सम्मान दिलाया, बल्कि उनकी टीम में आत्मविश्वास भी जगाया। अपने फैसले पर भरोसा करना और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी साहसिक निर्णय लेना हम उनसे सीख सकते हैं।

संयम बनाए रखना: जब दबाव की अधिकता हो, ऐसी स्थिति में धोनी का शांत और संयम वाला व्यवहार सबसे अलग निखरकर आता है। उन्होंने कभी भी स्थिति की गंभीरता को खुद पर हावी नहीं होने दिया, बल्कि हमेशा ही अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए तर्कसंगत निर्णय लिया और अपनी क्षमता से सभी को चकित किया। धोनी का धैर्य हमें चुनौतीपूर्ण समय के दौरान समभाव बनाए रखना सिखाता है।

विनम्रता से काम लेना: अपनी अविश्वसनीय उपलब्धियों के बावजूद धोनी हमेशा ही जमीन से जुड़े और विनम्र बने रहते हैं। वे कभी भी अपनी सफलता का श्रेय स्वयं को नहीं देते हैं, बल्कि अपनी टीम के सामूहिक प्रयासों को देते हैं। लीडर के रूप में, हमें भी विनम्रता से काम लेना चाहिए।

अनुकूलनशीलता और नवीनता: बदलती परिस्थितियों के अनुकूल होने की धोनी की क्षमता और उसके अनुसार नई रणनीतियों के प्रति उनका झुकाव उन्हें अन्य सभी लीडर्स की भीड़ से अलग करता है। स्थिति को देखते हुए हमेशा नए तरीकों की तलाश में रहने वाले धोनी, नई रणनीति और तकनीकों के साथ प्रयोग करने से कभी नहीं डरते हैं। सभी लीडर्स में बदलाव को अपनाने का गुण होना चाहिए।

प्रभावी संवाद: धोनी के लीडरशिप के गुण में कम्युनिकेशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। उनके पास अपने विचारों को स्पष्ट रूप से और संक्षेप में यह सुनिश्चित करने की क्षमता है कि टीम का प्रत्येक सदस्य अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को समझे। लीडर्स को चाहिए कि वे प्रभावी कम्युनिकेशन स्किल्स विकसित करने का प्रयास करें, जिससे एक ऐसा वातावरण तैयार हो सके, जहां विचारों का स्वतंत्र रूप से प्रवाह हो और सहयोग को बढ़ावा मिले।

सुनने की क्षमता : धोनी के लीडरशिप के गुणों में से एक है शांति से टीम के सदस्यों की बात सुनने की क्षमता। वे हमेशा ही अपनी टीम के सदस्यों की राय को महत्व देते हैं, उनसे मिलने वाली प्रतिक्रिया को स्वीकार करते हैं और विभिन्न दृष्टिकोणों पर विचार करते हुए निर्णय लेते हैं। कुशल लीडर में यह कला होनी चाहिए।

दूसरों को प्रेरित करना: धोनी के पास अपनी टीम के सदस्यों को प्रेरित करने की अनूठी क्षमता है। वे टीम को अपनी क्षमताओं में विश्वास पैदा कराने का बखूबी हुनर रखते हैं। वे अपनी टीम को चुनौतियों से पार पाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। लीडर के रूप में, हमें चाहिए कि हम अपनी टीम को हमेशा प्रेरित करने का प्रयास करें।

रोल मॉडल बनें: धोनी की लीडरशिप की विशेषता उनके रोल-मॉडल बनने संबंधित व्यवहार से भी है। वे अनुशासन और समर्पण के लिए उच्च मानक स्थापित करते हुए, अपनी टीम के सदस्यों के कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने की ताकत रखते हैं। लीडर के रूप में, हमें भी अपने लोगों को प्रेरित करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करना चाहिए। *

कविता / डॉ. नवीन दवे मनावत

बचाने को धरती

वन सूख रहे हैं
पेड़ तरस रहे हैं पानी को
नदियां कर रहीं विलाप
पर्वत गा रहे दुखड़ा
तुम आओ शकुंतला एक बार।
इनको सहलाने, बहलाने
सुनने को क्षणिक पीड़ा
प्रकृति के साथ एक बार फिर रिश्ता
स्थापित करो
मानव को समझाने के लिए आओ।
हे शकुंतले !
कण्व ऋषि का आश्रम
अब बन गया है
अट्टालिकाओं का शहर
हवन कुंड बन गए हैं
कारखानों की चिमनियां
मंत्र ध्वनियां बन गई हैं युद्ध
की मिसाइलें
धर्म बन गया दानव।
सीता तुम भी आओ वन में एक बार
उज्ज्वल करने वाल्मीकि आश्रम को
समता, ममता स्थापित करने को
लव-कुश तुम रोको
विनाश के अश्वमेध को
तुम्हें बुला रही हैं वहीं पेड़
की टहनियां
जिससे बने थे धनुष और बाण
करने को दमन पाप।
ओ वनपुत्रों तुम रोको
शहर की ओर
बढ़ते कदमों को, सहेजो प्रकृति को
जिसने दिया अनुपम आश्रम
रोको और टोको
रोकना-टोकना जरूरी है
बचाने को धरती
रहने को मानवता...

कहानी

यशोधरा भटनागर

पति के गुजरने के बाद वह अकेली रह रही थीं। चारों बच्चे उनसे दूर अपने-अपने जीवन में मशगूल। बच्चों के स्नेह को तरसती, यादों के सहारे जीती एक वृद्धा की मार्मिक कहानी।

एलबम

बेचैनी और घबराहट भरी खाली-खाली रात के बाद सुबह आई, अलसाई सुबह। किसी काम में मन नहीं लग रहा था। बेमन से ही अपनी दिनचर्या को निभाती हुई बगीचे में लाल गुलाब, मोगरा, हरी-हरी दूब से दो बातें करने चल दीं। जल बिंदु पुष्प पंखुड़ियों पर, हरी दूब पर दमकने लगे, हवा के हल्के से झोंके के साथ मन भी बहने लगा। कमर में खोंसा हुआ मोबाइल निकाल कर, चश्मा ठीक करके एक बार फिर देखा कि कोई फोन तो नहीं...। सामने गुलमोहर पर बुलबुल अपने बच्चों को उड़ना सिखा रही थी। वे एकटक देखने लगीं और विचारों की एक लंबी कड़ी जुड़ गई... विचार श्रंखला में उलझा मन। तभी गेट बजा, जरूर 'भूरी' होगी। तंद्रा टूटी, विचारों का ताना-बाना विच्छिन्न हो गया।

अपने सींगों से 'भूरी' गेट टनटना देती है। बिना नागा इसी समय रोटी लेने आती है यह 'भूरो', अपने भूरे रंग से गोमाता ने यह संज्ञा पा ली थी। 'भूरी' के पीछे-पीछे टॉमी भी जूली और चार बच्चों के साथ दुम हिलाते हुए पहुंच गया। सुमी रसोई घर की ओर चल दीं। रात को ही अपनी दो रोटियों के साथ भूरी और श्वान परिवार के लिए भी रोटियां बनाकर रख लेती हैं।

भूरी के सिर पर हाथ फेर, टॉमी को पुचकार वे कमरे में आराम कुर्सी पर बैठ गईं। चाय ठंडी हो गई थी, दो घूंट में गटक ली फिर मोबाइल उठाकर उसमें झांका, कोई मिस्ड कॉल तो नहीं? यूं भी कोई कॉल मिस न हो जाए, वे रात भर सोई ही कहां?

नाश्ता तो बनाना ही होगा, ब्लड प्रेशर की टेबलेट जो लेनी है। उदासीनता ओढ़े हुए, बेसन का घोल तैयार कर, तवे पर दो चीले बना लिए।

इससे जल्दी और सुगमता से शायद और कुछ नहीं बन सकता था। साथ ही अदरक वाली चाय भी चढ़ा ली। वे कभी भी चाय के बिना नाश्ता नहीं करती थीं। इसी बीच फिर मोबाइल में झांक आईं। पहले तो मोबाइल फोन अपने संग ही सहेजे रहती थीं, पर जब से बड़ी ने समझाया तो...। शायद मोबाइल खराब हो गया है...। ऐसा तो हो ही नहीं सकता कि मेरे चारों बच्चों में से किसी ने भी अपनी मां को फोन न किया हो।

पति के गुजर जाने के बाद बड़े-बड़े चार कमरों वाले घर में सुमी अकेली ही रहती थीं। अड़ोसी-पड़ोसी दादी की खोज-खबर लेते रहते थे। उनके अपने सरल-मृदु स्वभाव के कारण वे मोहल्ले भर की 'दादी', 'अम्मा', आंटी बन गई थीं। उनकी अपनी बिटिया की उम्र की रेणु के लिए आंटी से मां हो गई थीं।

फिर भी अपनी संतान को क्षण भर भी नहीं बिसार पातीं, बेटियां तो पराई होती हैं, परवश हैं....। अपना घर-परिवार छोड़कर बार-बार मायके कैसे आ सकती थीं, बड़ी भी और छोटी दोनों समझाती हैं। दिन में दो-तीन बार फोन पर बात कर लेती हैं, पर यह मुआ शनिवार-इतवार काम ज्यादा होता है न, नौकरी वाली हैं दोनों। एक इतवार ही तो मिलता है, उसमें भी ढेरों काम और सब की ढेरों फरमाइश है, पूरी करने में...।

बेटे से बात की थी, आठ दिन हो गए...। खाली मन और खाली हो गया।

चाय के साथ नाश्ता गटक कर, पुरानी भूरे कवर और काले पन्नों वाली एलबम लेकर बैठ गए पहला... दूसरा... तीसरा पृष्ठ... चारों बच्चे उनके साथ उन्हें घेरे हुए बैठे थे और 'छोटी' तो गोद में ही थी, बड़ा गले में बाहें डाले खड़ा था, तुनकमिजाज 'बड़ी' दाहिनी ओर मुंह फुलाए बैठी थी। गोल-मटोल 'छोटा' बलपूर्वक मां की गोद में आने की कोशिश में थोड़ी सी जगह में ही संतुष्टि पा गया था।

एक मुस्कुराहट के साथ उन्होंने अपना चश्मा उतार कर साफ किया और निगाह झांड़ू-पोछा लगाती गुड्डो पर टिक गई, पिछले पांच बरस से यही सारा काम संभाल रही है, पर उन्होंने उसे नौकरानी कभी नहीं समझा। धीरे से बोलीं, 'बेटा मेरे साथ कॉम्प्लेक्स चल न! मेरा मोबाइल ठीक कराना है। देख न, कोई फोन ही नहीं आता इसमें...' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविताओं में मुगल स्त्रियां

पवन करण की कविताओं में स्त्री जीवन के बाह्य और मनोजगत की गहन छवियां पहले भी प्रकट होती रही हैं। लेकिन उनका नया कविता संग्रह 'स्त्री मुगल' इस लिहाज से और विशिष्ट है कि यह मुगलकालीन स्त्रियों पर केंद्रित एक शोधपरक काव्यात्मक दस्तावेज के रूप में सामने आया है। इसमें अनेक ऐसी मुगलकालीन महिलाओं पर मार्मिक कविताएं हैं, जिनके बारे में आम लोग प्रायः न के बराबर जानते हैं। छोटी-छोटी कविताओं के जरिए पवन ने इतिहास में कहीं विलीन हो चुकी महिलाओं को भावनात्मक शब्दांजलि देने का प्रयास किया है। कहने की जरूरत नहीं कि कवि का यह प्रयास भी ऐतिहासिक महत्व का साबित होगा। *

पुस्तकः स्त्री मुगल(कविता संग्रह), **लेखकः** पवन करण, **मूल्यः**299 रुपए, **प्रकाशकः** राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से। हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
राजस्थान	7	6	1	12
हैदराबाद	7	5	2	10
कोलकाता	6	4	2	8
चेन्नई	7	4	3	8
लखनऊ	7	4	3	8
मुंबई	7	3	4	6
दिल्ली	8	3	5	6
गुजरात	7	3	4	6
पंजाब	7	2	5	4
बेंगलोर	7	1	6	2

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
361 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

जसप्रीत बुमराह
13 विकेट
मुंबई

बाउंड्री मीटर

1051 चौके

618 छक्के

फिटनेस बना मसला पर धोनी का दिमाग एकदम चुस्त, लंबे कॅरियर से मंत्रमुग्ध उथप्पा

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

महेंद्र सिंह धोनी के लंबे कॅरियर से मंत्रमुग्ध भारत के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स के इस महान क्रिकेटर का दिमाग अभी भी उतना ही चुस्त है और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उनके लंबे सफर पर विराम सिर्फ फिटनेस की वजह से लग सकता है। धोनी ने इस आईपीएल सत्र में जबर्दस्त बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई के लिए कई मैचों में ताबड़तोड़ रन बनाए हैं।

उथप्पा ने कहा, 'सिर्फ एक ही चीज उन्हें रोक सकती है, स्वास्थ्य। फिटनेस की वजह से ही शायद वे आगे नहीं खेलें। खेल के लिए उनका जुनून काफी गहरा है और वह खेलते रहना चाहते हैं। अगर कुछ उन्हें रोक सकता है तो वह उनका अपना शरीर है।

गेंदबाजों पर बनाते हैं दबाव

' धोनी की आक्रामक पारियों के बारे में भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने कहा, 'दर्शकों का शोर और तेज होता जा रहा है। एम एस धोनी की मैदान पर मौजूदगी का यह जलवा है। हर पारी में वह और बेहतर खेल रहे हैं। उनका प्रभाव ऐसा है कि वह मैदान पर उतरते ही गेंदबाजों पर दबाव बनाते हैं।'

चेन्नई के दिल की धड़कन हैं धोनी

महेंद्र सिंह धोनी को चेन्नई सुपर किंग्स के 'दिल की धड़कन' बताते हुए कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि घुटने की चोट से उबरने के बाद वह लंबे समय तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते लिहाजा शानदार फॉर्म के बावजूद उन्हें बल्लेबाजी क्रम में ऊपर नहीं भेजा जा सकता। 42 वर्ष के धोनी ने लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ शुक्रवार को नौ गेंद में 28 रन बनाए लेकिन उनकी टीम आठ विकेट से हार गई। धोनी के फॉर्म के बारे में फ्लेमिंग ने कहा, 'यह प्रेरणास्पद है ना। अभ्यास के दौरान भी वह बहुत उम्दा बल्लेबाजी कर रहे हैं। टीम इससे हैरान नहीं है क्योंकि सत्र से पहले तैयारी में भी वह शानदार खेल रहे थे। उनके घुटने में दर्द है और वह इससे उबरने की प्रक्रिया में कुछ ही गेंद खेल सकते हैं।'

ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करना चाहिए

जहां एक तरफ खेल प्रेमी महेंद्र सिंह धोनी के बल्लेबाजी क्रम में ऊपर बल्लेबाजी करने की मांग कर रहे हैं तो वहीं ब्रायन लारा को लगता है कि इस करिश्माई खिलाड़ी से पूछा जाना चाहिए कि क्या वह ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करना पसंद करेंगे? टीम प्रबंधन भी धोनी को ऊपरी क्रम में खिलाना पसंद करेगा लेकिन वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर लारा जानते हैं कि 42 वर्षीय धोनी को घुटने की समस्या है जिससे वह ज्यादा लंबे समय तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते इसलिए वह ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी की बात पर विचार नहीं करेंगे। घुटने की समस्या के अलावा धोनी उम्र के ऐसे पड़ाव में हैं जहां वह युवाओं को अपनी काबिलियत साबित करने का मौका देना चाहेंगे।

खबर संक्षेप

लड़कियों को खेलों में बढ़ावा दें : तेंदुलकर

रांची। चैंपियन क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने अभिभावकों से लड़कियों को खेलों में उतरने के लिए प्रोत्साहित करने का अनुरोध करते हुए कहा कि वे उनके चेहरों पर मुस्कुराहटें लाएंगी। तेंदुलकर और उनकी पत्नी अंजलि यहां युवा फाउंडेशन की फुटबॉल खिलाड़ी लड़कियों की हौसलाअफजाई के लिए आए हैं। युवा और सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन मिलकर लड़कियों को फुटबॉल का प्रशिक्षण देते हैं। तेंदुलकर और अंजलि ने फुटबॉल खिलाड़ियों से बात भी की।

रूड और सिटसिपास सेमीफाइनल में पहुंचे

बार्सीलोना। कैस्पर रूड और स्टेफानोस सिटसिपास ने बार्सीलोना ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया और दोनों की टक्कर लगातार दूसरे फाइनल में हो सकती है।

रूड ने मात्तेओ अर्नाल्डी को 6-4, 6-3 से हराकर सत्र में 27वीं जीत दर्ज की। वहीं सिटसिपास ने फाकुंडो डियाज को 4-6, 6-3, 7-6 से मात दी। रूड का सामना अब थॉमस मार्टिन ई से होगा जिन्होंने कैमरन नॉरी को 7-6, 7-6 से हराया। वहीं सिटसिपास की टक्कर डुसान लाजोविच से होगी जिन्होंने आर्थर फिल्स को 6-4, 3-6, 6-2 से मात दी।

राहुल, ऋतुराज पर लगा 12-12 लाख जुर्माना

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान केएल राहुल और चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ पर आईपीएल के मैच के दौरान धीमी ओवरगति के लिये 12-12 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया है।

लखनऊ ने अपने मैदान पर खेलते हुए चेन्नई को शुक्रवार को आठ विकेट से हराया। आईपीएल की आचार संहिता के तहत धीमी ओवरगति का इन टीमों का यह पहला अपराध था तो राहुल और ऋतुराज पर जुर्माना लगाया गया।

डी गुकेश का अलीरजा से सामना आज

टोरंटो। भारत के युवा ग्रैंडमास्टर डी गुकेश कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के 13वें दौर में फ्रांस के फिरोजा अलीरजा को हराकर खिताब जीतने की अपनी संभावनायें पुख्ता करना चाहेंगे। सफेद मोहरों से गुकेश का यह आखिरी मैच होगा और अलीरजा इस समय सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हैं। गुकेश, अमेरिका के हिकारू नकामूरा और रूस के इयान नेपोम्नियाश्चि 7.5 अंक लेकर संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। टूर्नामेंट के दो ही दौर बाकी हैं। नेपोम्नियाश्चि और नकामूरा के बीच होगा। नकामूरा ने लगातार तीन जीत दर्ज की है जबकि नेपाम्नियाश्चि अकेले खिलाड़ी हैं जो 12 मुकाबलों में अपराजेय रहे हैं।

आईपीएल : नटराजन ने 19 रन देकर चटकाए चार विकेट

हैदराबाद की लगातार चौथी जीत, दिल्ली को 67 रन से रौंदा, जैक का रिकॉर्ड बेकार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सनराइजर्स हैदराबाद ने दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल के 35वें मुकाबले में शनिवार को 67 रनों से हरा दिया। यह सनराइजर्स की लगातार चौथी जीत है। हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 266 रन बनाए। जवाब में दिल्ली जैक फ्रेजर मैकगर्क की तूफानी पारी के बावजूद 19.1 ओवर में 199 रनों पर सिमट गई। हैदराबाद के लिए ट्रेविस हेड ने 32 गेंदों पर 11 चौके और छह छक्कों की मदद से 89 रन बनाए, जबकि शाहबाज 29 गेंदों पर दो चौके और पांच छक्कों के सहारे 59 रन बनाकर नाबाद पवेलियन लौटे।

लक्ष्य का पीछा करते हुए मैकगर्क ने 18 गेंदों पर पांच चौकों और सात छक्कों की मदद से 65 रनों की पारी खेली। हैदराबाद के लिए टी नटराजन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 19 रन देकर चार विकेट लिए। इस जीत के साथ ही सनराइजर्स हैदराबाद की टीम अंक तालिका में केकेआर को पछाड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गई है, जबकि दिल्ली की टीम एक स्थान खिसककर सातवें स्थान पर पहुंच गई है। हैदराबाद के सात मैचों में पांच जीत और दो हार के साथ 10 अंक हो गए हैं। हैदराबाद से आगे फिलहाल राजस्थान रॉयल्स है जिसके सात मैचों के बाद 12 अंक है।

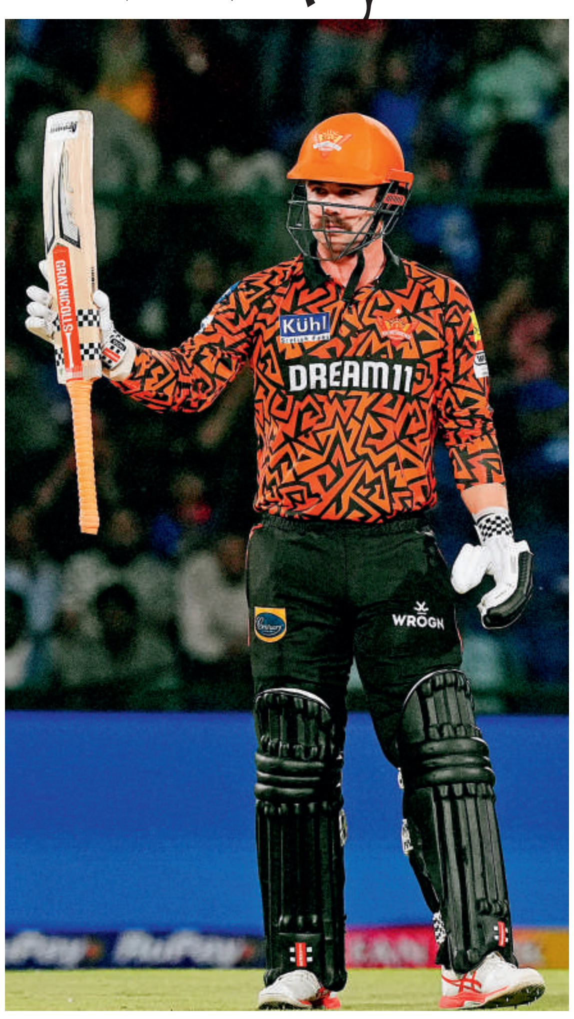

मैकगर्क ने ठोका सत्र का सबसे तेज अर्धशतक

लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने 25 रन के स्कोर पर पृथ्वी शॉ और डेविड वॉर्नर के विकेट गंवा दिए थे। मैकगर्क ने तूफानी पारी खेल दिल्ली को संभाला और शानदार बल्लेबाजी करते हुए 15 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। मैकगर्क ने इसी के साथ आईपीएल 2024 का सबसे तेज अर्धशतक जड़ा और ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा को पीछे छोड़ा जिन्होंने इस सीजन 16 गेंदों पर पचासा पूरा किया था।

नटराजन ने एक ओवर में झटके तीन विकेट

टी. नटराजन ने इस मैच में शानदार गेंदबाजी की। पैट कमिंस ने 19वां ओवर कराने के लिए नटराजन को भेजा और उन्होंने पहली ही गेंद पर अक्षर पटेल को पवेलियन भेजा। अक्षर आठ गेंदों पर छह रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद तीसरी गेंद पर नटराजन ने एनरिच नॉर्त्जे को बोल्ड किया जो खाता खोले बिना पवेलियन लौटे। इसकी अगली ही गेंद पर नए बल्लेबाज के तौर पर उतरे कुलदीप यादव को नटराजन ने एलबीडब्लू आउट किया। नटराजन का इस मैच का यह चौथा विकेट था। नटराजन के पास आईपीएल के मौजूदा सीजन की पहली हैट्रिक लेने का अवसर था, लेकिन वह ऐसा नहीं कर सके।

हेड ने रचा इतिहास

हेड ने इस दौरान एक खास उपलब्धि हासिल की। हेड आईपीएल में सनराइडर्स हैदराबाद के लिए पावरप्ले में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। हेड ने शुरुआती छह ओवरों में 26 गेंदों पर 84 रन बनाए। इससे पहले टीम के लिए पावरप्ले में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड डेविड वॉर्नर के नाम था जिन्होंने 2019 में केकेआर के खिलाफ 25 गेंदों पर 62 रन बनाए थे।

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4	6
हेड बो कुलदीप	89	32	11	6
अभिषेक बो कुलदीप	46	12	2	6
मार्कराम बो कुलदीप	01	03	0	0
हेनरिच क्लासेन बो अक्षर	15	08	0	2
रेड्डी बो कुलदीप	37	27	2	2
शाहबाज अहमद नाबाद	59	29	2	5
समद बो मुकेश	13	08	1	1
पैट कमिंस रन आउट	01	01	0	0
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	00	00	0	0

अतिरिक्त : 05, कुल : 20 ओवर में 266/7
गेंदबाजी : खलील 3-0-51-0, ललित 2-0-41-0, नोर्किया 3-0-31-0, कुलदीप 4-0-55-4, मुकेश 4-0-57-1, अक्षर 4-0-29-1.

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4	6
पृथ्वी बो सुंदर	16	05	4	0
वार्नर बो भुवनेश्वर	01	03	0	0
गुर्क बो मार्कंडेय	65	18	5	7
पोरेल स्टं. क्लासेन बो मार्कंडेय	42	22	7	1
स्टब्स बो रेड्डी	10	11	0	0
पंत बो रेड्डी	44	35	5	1
ललित यादव बो नटराजन	06	08	1	0
अक्षर बो नटराजन	06	08	0	0
एनरिच नोर्किया बो नटराजन	00	02	0	0
कुलदीप पगबाधा नटराजन	00	01	0	0
मुकेश कुमार नाबाद	00	02	0	0

अतिरिक्त : 08, कुल : 19.1 ओवर में 199/10
गेंदबाजी : सुंदर 2-0-46-1, भुवनेश्वर 4-0-33-1, कमिंस 4-0-35-0, नटराजन 4-0-19-4, मार्कंडेय 2-0-26-2, शाहबाज 1-0-22-0, रेड्डी 2.1-0-17-2.

खास खबर

मनु का शानदार प्रदर्शन अनीश पुरुष वर्ग में जीते

नई दिल्ली। मनु भाकर ने ओलंपिक चयन ट्रायल वन में महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन में शानदार प्रदर्शन करते हुए छह अंक से विश्व रिकॉर्ड तोड़ा जबकि अनीश भानवाला ने पुरुषों का 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल ट्रायल जीता। ओलंपियन मनु ने महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन में पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने पांच रैपिड फायर शॉट की दस सीरिज में 47 अंक बनाए। ईशा सिंह सातवीं सीरिज के बाद बाहर हो गई थी। ईशा अभी भी महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल वर्ग में आगे हैं जिन्होंने क्वालीफाइंग में 585 अंक बनाए। मनु दूसरे स्थान पर है जबकि सिमरनप्रीत, अभिंध्या और रिदम सांगवान उनसे पीछे हैं। पुरुषों के रैपिड फायर पिस्टल में अनीश शीर्ष पर रहे जबकि विजयवीर सिद्धू उनसे छह अंक पीछे रहे।

खराब फॉर्म से जूझ रही बेंगलोर के सामने केकेआर की कठिन चुनौती

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

हार दर हार से आजिज आ चुकी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को बखूबी पता है कि अब किसी चूक की गुंजाइश नहीं है लिहाजा रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में उसे हर हालत में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। सात मैचों में से छह हार के बाद आरसीबी का पहला आईपीएल खिताब जीतने का सपना टूटता नजर आ रहा है। लगातार पांच हार के बाद आरसीबी अंकतालिका में सबसे नीचे है और प्लेआफ की उम्मीदें बनाए रखने के लिए उसे बाकी सातों मैच जीतने होंगे। आरसीबी की कमजोर कड़ी उसके गेंदबाज साबित हुए हैं और टीम पूरी तरह से विराट कोहली, फाफ डु प्लेसी और दिनेश कार्तिक की बल्लेबाजी पर निर्भर रही है।

विनेश ने भारत के लिए जीता ओलंपिक कोटा

एजेंसी ▶▶| बिश्केक

भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने शनिवार को यहां एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग में एक भी अंक गंवाए बिना फाइनल में पहुंचकर पेरिस ओलंपिक का कोटा पक्का कर लिया।

■ 50 किग्रा वर्ग में एक भी अंक गंवाए बिना फाइनल में बनाई जगह

यह पेरिस ओलंपिक के लिए भारत का दूसरा कोटा है। उनसे पहले अंतिम पंघाल ने पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर 53 किग्रा वर्ग में कोटा हासिल किया था। यह 29 साल की विनेश का लगातार तीसरा ओलंपिक कोटा है। उन्होंने इससे पहले रियो ओलंपिक(2016) और टोक्यो ओलंपिक (2020) में भी हिस्सा लिया था।

विनेश ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वियों को मात दी। उन्होंने पहले कोरियाई प्रतिद्वंद्वी मिरान चियोन को एक मिनट 39 सेकंड तक चले मुकाबले में हराया। उनकी मजबूत पकड़ का विरोधी के पास कोई जवाब नहीं था। अगले मुकाबले में उन्होंने 67 सेकंड में कंबोडिया की एसमानांग डिट को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में कजाखस्तान की 19 साल की पहलवान लौरा गानिकिजी ने उनके सामने थोड़ी चुनौती पेश की लेकिन इस भारतीय पहलवान ने अपने अनुभव का इस्तेमाल कर युवा प्रतिद्वंद्वी को मात दी।

अंशु, मानसी और रीतिका से भी उम्मीद

फाइनल में पहुंचने वाले पहलवानों को अपने देश के लिए कोटा मिलेगा। भारत अंशु मलिक (57 किग्रा), मानसी अहलावत (62 किग्रा) और रीतिका (76 किग्रा) के जरिए तीन और कोटे हासिल कर सकता है क्योंकि ये भी अपने वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। विश्व चैंपियनशिप 2021 रजत पदक विजेता अंशु को क्वार्टर फाइनल में सीधे प्रवेश मिला जिसमें उसने किर्गिस्तान की कलमीरा बिलिम्बेकोवा को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराया। अंडर 23 विश्व चैंपियन रीतिका (76 किलो) ने युंजू हवांग को हराया।

राहुल, डिकॉक ने की विश्व स्तरीय बल्लेबाजी

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाइंट्स के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने कप्तान केएल राहुल और क्विंटोन डिकॉक की 'विश्व स्तरीय' बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए कहा कि पहले विकेट की शतकीय साझेदारी से उन्हें चेन्नई सुपर किंग्स के बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण पर दबाव बनाने में मदद मिली। जीत के लिए 177 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए राहुल (82) और डिकॉक (54) की पारियों के दम पर लखनऊ ने आठ विकेट से जीत दर्ज की। हेनरी ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'बल्लेबाजी की बात करें तो सलामी साझेदारी बेहतरीन रही। केएल और क्विंटोन ने मैच का रुख हमारी तरफ कर दिया।

स्टटगार्ट ओपन...

स्टटगार्ट। जर्मनी के स्टटगार्ट में पोर्श एरेना में पोर्श टेनिस ग्रां प्री स्टटगार्ट 2024 के छठे दिन शनिवार को सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की एलेना रयबाकिना के खिलाफ पोलैंड की इगा स्विएटेक ने शानदार चुनौती पेश किया।

एआरआरसी में 11वें स्थान पर रहे क्विंटल

नई दिल्ली। होंडा रेसिंग इंडिया के केविन क्विंटल शनिवार को चीन में एफआईएम एशिया रोड रेसिंग चैम्पियनशिप (एआरआरसी) के दौरान दूसरे दौर की पहली रेस में 11वें स्थान पर रहे।

क्विंटल ने इस तरह होंडा टीम को पांच अंक दिलाये जबकि उनके साथी मोहसिन 20वें स्थान पर रहे। ग्रिड पर 15वें स्थान से शुरुआत करते हुए क्विंटल ने अंतिम लैप में तेजी पकड़ी और 19:03.094 सेकेंड के समय से 11वें स्थान पर रहे। मोहसिन ने 19:25.863 सेकेंड का समय लिया और 20वें स्थान पर रहे। लेकिन टीम के लिए कोई अंक नहीं जुटा सके।

मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया

डेविड और पोलार्ड पर सूर्या की मदद करने के लिए लगा जुर्माना

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज टिम डेविड और बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर 18 अप्रैल को मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान इंडियन प्रीमियर लीग की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

यह जुर्माना मैच का एक वीडियो वायरल होने के कारण खड़े हुए विवाद के बाद लगाया गया है। इस वीडियो में दिख रहा था कि पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के सदस्य और सहयोगी स्टाफ कथित रूप से बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को रिव्यू लेने के लिए कह रहे थे जो आईपीएल की आचार संहिता के खिलाफ है। आईपीएल ने कहा, 'डेविड और पोलार्ड ने आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.20 के अंतर्गत लेवल एक का अपराध किया है। डेविड और पोलार्ड पर उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। दोनों ने उल्लंघन स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी द्वारा लगाया जुर्माना स्वीकार कर लिया है। आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन के लिए मैच रेफरी का फैसला अंतिम और मान्य होता है।'

जानता था कि नारायण टी 20 का महान क्रिकेटर बनेगा : गंभीर

कोलकाता। भारत के पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने सुनील नारायण को इंडियन प्रीमियर लीग का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बताते हुए कहा कि जब उसने 2011 में भारत के खिलाफ वनडे पदार्पण किया था तो उन्हें अंदाजा हो गया था कि वेस्टइंडीज का यह खिलाड़ी टी20 क्रिकेट का महान क्रिकेटर बनेगा। गंभीर ने 'केकेआर नाइट्स डगआउट पोडकास्ट' में कहा, 'मैंने सात या आठ गेंदों का ही सामना किया होगा।

पहले से भी ज्यादा वाइल्ड होगी 'एनिमल पार्क'...

मुंबई। रणबीर कपूर के करियर की हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म 'एनिमल' के बारे में लोग आज भी बात करना बंद नहीं करते। इस मूवी ने बतौर एक्टर रणबीर का रुतबा तो बढ़ाया ही, साथ ही बॉबी देओल का खोया स्टारडम भी वापस लौटाया। अब रणबीर इस मूवी के सीक्वल 'एनिमल पार्क' को लेकर चर्चा में हैं। अब तक यही जानकारी सामने आई है कि 'एनिमल पार्क' में पहले से ज्यादा डार्क कंटेंट देखने को मिलेगा। रणबीर कपूर, 'रामायण' फिल्म के लिए खुद को तैयार करने में बिजी है। हाल ही में एक इवेंट के दौरान 'एनिमल' को बनाने वाले संदीप रेड्डी वांगा ने 'एनिमल पार्क' को लेकर एक अपडेट दी है।

लाइफ Style

दिशा

वीडियो ने सोशल मीडिया पर मचाई तबाही

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बॉलीवुड की सुपर हॉट एक्ट्रेस दिशा पाटनी आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। फिल्मों में अपने हुस्न का जलवा दिखाने वालीं दिशा पाटनी ने अदाकारी और एक्शन से भी लोगों का दिल जीता है।

बी टाउन की ये खूबसूरत अदाकारा आए दिन सोशल मीडिया पर अपनी मदहोश करने वालीं फोटोज शेयर करती हैं। कातिलाना अदाओं से लोगों का दिल जीतने वालीं दिशा पाटनी ने इस बार हॉटनेस से भरी अपना एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में एक्ट्रेस बॉडी स्विमसूट में दिलकश अदाओं का जलवा कैमरे के सामने दिखाती नजर आ रही हैं। दिशा का ये वीडियो देख यूजर्स खुद को उनकी तारीफ करने से रोक नहीं पाए।

इस वीडियो में दिशा पाटनी कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज देती नजर आ रही हैं। वह अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं। फैंस ने उनकी ब्यूटी के साथ ही उनके कॉन्फिडेंस की भी तारीफ की है। दिशा का ये वीडियो काफी पसंद किया जा रहा है। इस वीडियो में दिशा पाटनी गोल्डन कलर के बॉडीकॉन सूट में नजर आ रही हैं। खुले बाल और मिनिमल मेकअप में एक्ट्रेस की ब्यूटी देखने लायक बन रही है। बी टाउन की इस गॉर्जियस एक्ट्रेस के वर्कफ्रंट की बात करें, तो फैंस उन्हें 'वेलकम टू द जंगल' में देखेंगे। ये मल्टी स्टार कास्ट वाली फिल्म होगी, जिसमें अक्षय कुमार, रवीना टंडन, संजय दत्त सहित कई कलाकार होंगे।

हॉलीवुड मसाला

अमेरिकन आइडल फेम नहीं रहीं

लॉस एंजिलिस। अमेरिकन आइडल स्टार और ग्रैमी विजेता स्टार मैंडिसा का 47 साल की उम्र में निधन हो गया है। वह फ्रैंकलिन, टेनेसी में अपने घर पर संदिग्ध हालात में मृत पाई गईं। मैंडिसा के ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर उनके निधन की जानकारी दी गई है। पुलिस इस मामले में जांच पड़ताल कर रही है। इस खबर से मैंडिसा के फैंस काफी दुखी हो गए हैं। मैंडिसा ने 'अमेरिकन आइडल 5' में हिस्सा लिया था, इसके साथ ही वह ग्रैमी अवॉर्ड विनर भी थीं।

एक सीन को फिल्माने में लग गए 78 दिन...

लॉस एंजिलिस। फिल्म निर्माण एक लंबी प्रक्रिया है यह बात सबको पता है। निर्माण के दौरान एक सीन को फिल्माने के लिए ना जाने कितने ही टेक देने होते हैं। कभी-कभी यह एक टेक में भी पूरा हो जाता है और कभी-कभी यह काफी समय ले लेता है। यह बात हॉलीवुड की फिल्म 'मैड मैक्स' की प्रीक्वल 'फ्यूरियोसा' ने सिद्ध कर दी है। फिल्म के एक 15 मिनट के सीन को फिल्माने के लिए 78 दिन लग गए। एक साक्षात्कार के दौरान फिल्म के निर्देशक जॉर्ज मिलर ने इसका खुलासा किया। फिल्म के निर्देशक ने हाल ही में दिए गए एक साक्षात्कार में बताया कि फिल्म के एक 15 मिनट के एक्शन सीन को फिल्माने के लिए सेट पर रोज 200 स्टंटमैन मौजूद रहते थे।

दोहराया अजय का आइकॉनिक पोज

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण जल्द ही फिल्मेकर रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आएंगी। इन दिनों इस फिल्म की शूटिंग चल रही है। इस बीच रोहित शेट्टी ने फिल्म के सेट से दीपिका पादुकोण की एक तस्वीर शेयर की है। रोहित शेट्टी ने जो तस्वीर शेयर की है उसमें दीपिका पादुकोण पुलिस यूनिफॉर्म में दिखाई दे रही हैं। रोहित शेट्टी द्वारा शेयर की गई तस्वीर में दीपिका पादुकोण अजय देवगन का आइकॉनिक 'सिंघम स्टेप' करती नजर आ रही हैं। रोहित शेट्टी ने तस्वीर शेयर करने के साथ ही कैप्शन में लिखा है- 'माई हीरो...रील में भी और रियल में भी, लेडी सिंघम!!!' रोहित शेट्टी के कॉपवर्स में दीपिका पहली फीमेल कॉप होंगी। रोहित ने पिछले साल फिल्म के इस किरदार को लोगों के सामने पेश किया था।

शाहिद दमदार लुक में आएंगे नजर...

मुंबई। 'इश्क विश्क' से बालीवुड में कदम रखने वाले शाहिद कपूर को इंडस्ट्री में 21 साल हो चुके हैं। इस दौरान उन्होंनें कई बेहतरीन किरदारों को परदे पर जीवंत किया। पिछले कुछ सालों में अपनी फिल्मों के चयन के जरिए उन्होंनें एक अलग पहचान बनाई है। हाल ही में वह 'फर्जी' वेब सीरीज में दिखे थे। फिलहाल वह एक्शन थ्रिलर फिल्म 'देवा' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच शाहिद ने फिल्म के सेट से अपनी एक मोनोक्रोम तस्वीर शेयर की है। इसे लेकर उनके फैंस काफी उत्साहित हैं। शुक्रवार को शाहिद ने अपनी आगामी फिल्म 'देवा' के सेट से खुद की एक तस्वीर साझा की। इसमें वह चश्मा लगाए कार में बैठे कैमरे से दूर कहीं देखते हुए नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंनें लिखा, 'आज का मूड'!

टीवी मसाला

शहनाज गिल ने पार की बोल्डनेस की सारी हदें...

मुंबई। पंजाब की कैटरीना के नाम से फेमस शहनाज गिल को सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 13' से एक खास पहचान मिली थी। इस शो के बाद शहनाज ने शोहरत हासिल की जिसे पाने के लिए लोग सालों मेहनत करते हैं। आज शहनाज बॉलीवुड इंडस्ट्री का एक जाना माना नाम हैं। शहनाज ने अब तक के करियर में कई म्यूजिक वीडियोज के साथ अपना बॉलीवुड डेब्यू भी कर लिया है। शहनाज गिल ने हाल ही में अपना लेटेस्ट फोटोशूट कराया है, जो बेहद बोल्ड है। इन तस्वीरों को शहनाज ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस की हॉटनेस देखकर फैंस की आंखें फटी की फटी रह गईं। तस्वीरों में आप देख सकते है कि शहनाज ने ब्रालेस होकर ब्लैक कलर का लेदर का कोट पहना हुआ है। इसके साथ एक्ट्रेस ने फ्रंट ओपन जालीदार स्कर्ट पहनी है। इस स्कर्ट को उन्होंने आगे से पूरा ओपन कर रहा है, जिसकी वजह से वो हद से ज्यादा ही बोल्ड नजर आ रही हैं। हर तस्वीर में शहनाज ने अलग-अलग अंदाज में पोज दिए।

फराह के घर सजी सितारों की महफिल

मुंबई। फिल्मेकर और कोरियोग्राफर फराह खान इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव हैं। वह हर दिन अपने इंस्टाग्राम पर कुछ ना कुछ पोस्ट करती रहती हैं। अब फराह ने अपने घर की एक पार्टी का वीडियो पोस्ट किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि फराह खान के घर में बॉलीवुड सितारों की महफिल सजी हुई है। फराह खान ने पार्टी की जो क्लिप शेयर की है उसमें जावेद अख्तर, अनु मलिक, सोनू निगम, राजकुमार राव, पत्रलेखा, साजिद खान, हुमा कुरैशी, अदिति राव हैदरी, सिद्धार्थ, सलीम मरचेंट जैसे सितारे नजर आए। इन्हीं सितारों के बीच, दीपिका कक्कड़ और शोएब इब्राहिम को भी फराह खान के घर स्पॉट किया गया। फराह खान की हाउस पार्टी में अनु मलिक और सोनू निगम ने मिलकर शाहरुख खान की मूवी 'मैं हू ना' का गाना 'किसका है ये तुमको इंतजार' गाकर लोगों का दिल जीत लिया।

अच्छे प्रोजेक्ट के इंतजार में हैं परिणीति

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित ये फिल्म अमर सिंह चमकीला और उनकी पत्नी अमरजोत कौर के जीवन पर आधारित है। फिल्म में परिणीति ने अमरजोत का किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने हाल ही में फ्लॉप फिल्मों की वजह से कम काम मिलने को लेकर खुलकर बात की है। उन्हें उम्मीद है कि इंडस्ट्री में उनकी प्रतिभा को पहचाना जाएगा और उन्हें ऑफर आएंगे।परिणीति चोपड़ा ने एक बातचीत में कहा कि वह समान अवसर चाहती हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे ऐसा लगता है कि मैं वहां मौजूद सभी निर्माताओं से अवसर चाहती हूं।

एक नहीं दो बार छोड़ी 2 ब्लॉकबस्टर फिल्में

मुंबई। करीना कपूर खान अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'क्रू' की सक्सेस का सेलिब्रेट कर रही हैं। इस कॉमेडी ड्रामा को फैंस ने खूब पसंद किया। खैर, एक इंटरव्यू में संजय लीला भंसाली की 'राम लीला' छोड़ने पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह पहले इस फिल्म का हिस्सा थी। लेकिन उन्होंने छोड़ दिया और इसके बाद ही दीपिका पादुकोण आईं।

हरिभूमि पाठक पुरस्कार योजना-2023 के विजेताओं के नाम

सांत्वना पुरस्कार (भोपाल)

1. अरमान खान पिता मो. इशाक, देविका पेट्रोल पंप के सामने बिट्टन मार्केट, 2.एम.एस.ठाकुर पिता मोहन सिंह, ई-3/328, अरेरा कॉलोनी, 3.रामनारायण राजपूत पिता लीलाधर, 156,नरेला शंकरी गुरू मंदिर के पास, 4.हरिबाबू मीणा पिता अमरसिंह मीणा नारियलखेड़ा शारदा नगर, भोपाल, 5. इमरान अहमद पिता कमर अहमद, 14/7,नगरनिगम कॉलोनी, बैरसिया, 6. चंद्रशेखर भावसर पिता मुलचंद भावसार, 148, प्रीत नगर, अर्चना गैस, भोपाल,7. फरहीन पिता राशिद, 1334, 80 फीट रोड, 8. शाकिबा बी पति अबरार, महामाई का बाग, 9.फाजिल पिता राशिद, बागफरहत अफजा, 10. आजम पिता राशिद, न्यू कबाड़खाना, 11.फैजल पिता राशिद, बागफरहत अफजा, 12. राशिद अंसारी पिता मो. अबरार, 1334, 3 कबाड़खाना, 13.मो. नौशाद पिता मो. इशहाक, सी-543, गली नं.44, शारदा नगर नारियलखेड़ा, 14.तेजस ठाकुर पिता चिरंजीत सिंह, 09, जैन मंदिर रोड, काजीपुरा चौक, भोपाल, 15. मो. रिजवान पिता मुन्नें मियां, हाउस नं 284, गली नं.3, काजी कैम्प, भोपाल, 16.प्रशांत गुप्ता पिता श्री रामगोपाल गुप्ता, नीलकंठ कॉलोनी, बैरसिया, 17. मोहम्मद सलीम पिता छुटटु खान, वार्ड नं. 10, 18. सचिन जैन पिता सुभाषचंद्र जैन, जैन कॉलोनी, वार्ड नं.9, बैरसिया, 19. जगदीश प्रसाद पिता गोवर्धन लाल, बालविहार बैरसिया, 20.भैयालाल नामदेव पिता श्री जगन्नाथ, पंडित दीनदयाल कॉलोनी, वार्ड नं.18, बैरसिया, 21. रामदयाल पिता सुआजी, महावीर खेड़ी,पातरा, 22.प्रीतम कुमार आर्मो पिता संतालाल आर्मो, 23. प्रदीप कुमार श्री वीरचंद्र जैन, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, अम्बेडकर भवन के सामने, 24. श्रेयस जैन पिता हनुमान धर्मशाला के सामने, 25.अनिल कुमार जैन पिता हरकचंदजी सोगानी, बजरिया, अशोकनगर, 26.संतोष जैन पिता सुरेश चंद्र जैन, नई आबादी, महावीर कॉलोनी, अशोकनगर, 27. ललित कुमार जैन स्व मगनलालजी, गॉधी पार्क, अशोकनगर, 28.नीरज कुमार चौबे पिता पेसी स्कूल, बड़ा बाजार, 29.राजाराम साहु, अहमदपुर रोड विदिशा, 30. मदनसिंह राजपूत, मोहनगिरी माता मंदिर, 31. के.एस.रघुवंशी, नदीपुरा, रामलीला रोड, 32. रामबाबू सेन, राजश्री हेयर कटिंग सैलून, 33.अमृत स्वामी, युवराज क्लब रोड, 34. विजयसिंह रावत, दुर्गा नगर रोड, विदिशा, 35. राजेश सेन, किले अंदर विदिशा, 36. उमेश सेन, रायसेन रोड, अंदर किला, 37.रामसेवक साहु, कस्बा अहमदपुर, 38.संजय सिंह रघुवंशी, सुरई मुदरा, 39.नरेन्द्र कुमार जैन, हाजीवली, दुर्गा नगर,40. चंद्रशेखर जैन, शिवनगर कालोनी विदिशा,41.ब्रजेंद्र सिंह सेंगर,रानी तालाब विदिशा, 42.रोहित गर्ग, अरिहंत विहार विदिशा, 43.विकास पेशी, लुहांगी मोहल्ला, लक्ष्मी नारायण गार्डन के पास विदिशा ।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930